रांची, सोमवार
18.05.2026
वर्ष : 11, अंक : 165, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राहुल गांधी ने नीट-यूजी पेपर लीक पर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली। नीट-यूजी परीक्षा पत्र लीक मामले को लेकर सियासी विवाद लगातार गहराता जा रहा है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर निशाना साधते हुए उनका इस्तीफा मांगा है। राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि वर्ष 2024 और 2026 दोनों में नीट परीक्षा पत्र लीक हुआ लेकिन शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार जांच एजेंसियों और समितियों के गठन के बावजूद परीक्षा प्रणाली में सुधार नहीं हो पा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि वर्ष 2024 में नीट परीक्षा पत्र लीक हुआ था, परीक्षा रद्द नहीं हुई, मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया और मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी गई थी। वर्ष 2026 में भी परीक्षा पत्र लीक हुआ, परीक्षा रद्द करनी पड़ी, फिर से सीबीआई जांच कर रही है और एक अन्य समिति गठित की जा रही है। उन्होंने कहा कि बार-बार परीक्षा पत्र लीक क्यों हो रहे हैं, इस मुद्दे पर सरकार चुप क्यों है और लगातार विफल हो रहे शिक्षा मंत्री को पद से क्यों नहीं हटाया जा रहा है।

सीएनजी कीमतों में फिर एक रुपए की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की कीमतों में तीन दिन के भीतर दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं। ताजा बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में सीएनजी एक रुपये प्रति किलोग्राम महंगी होकर 80.09 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले 15 मई को गैस कंपनियों ने सीएनजी की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की थी। लगातार दूसरी बढ़ोतरी के साथ तीन दिनों में सीएनजी कुल तीन रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो चुकी है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) द्वारा जारी नई दरों के अनुसार नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत बढ़कर 88.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। वहीं, मुंबई में सीएनजी लगभग 84 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बिक रही है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी तीन रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए अध्यादेश जारी

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्चतम न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने संबंधी अध्यादेश जारी कर दिया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस बारे में विधि एवं न्याय मंत्रालय के प्रस्ताव को पहले ही स्वीकृति प्रदान कर दी थी और इसके लिए उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या तय करने वाले कानून में संशोधन करने का निर्णय किया गया।

राष्ट्रपति को संविधान के अनुच्छेद 123 के तहत संसद के सत्रावसान की अवधि में अध्यादेश जारी करने का अधिकार है। सत्र शुरू होने पर अध्यादेश के स्थान पर सरकार को विधेयक लाना पड़ता है। फिलहाल अध्यादेश ही कानून के रूप में काम करेगा और अब चार और न्यायाधीशों की नियुक्ति की जा सकती है।

अध्यादेश को गजट में 16 मई को अधिसूचित कर दिया गया है।

विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अध्यादेश की जानकारी रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 जारी करने की मंजूरी प्रदान कर दी है। इससे उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 (मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) हो जायेगी। इस अध्यादेश के जरिए उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन किया गया है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गत पांच मई को उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। प्रस्ताव में कहा गया था कि इसके लिए उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन किया जायेगा। इससे उच्चतम न्यायालय में में न्यायाधीशों की संख्या वर्तमान में 33 से बढ़कर 37 (मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) हो जायेगी। कानून के विशेषज्ञों ने इस निर्णय का स्वागत किया है और कहा है कि न्यायाधीशों की संख्या बढ़ने से लंबित मामलों को और तेजी से निपटाने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि 31 मार्च 2025 को उच्चतम न्यायालय में 81,394 लंबित मामले थे। उच्चतम न्यायालय के 1950 में गठन के समय मुख्य न्यायाधीश सहित केवल आठ न्यायाधीश थे।

भारत और नीदरलैंड के रिश्तों की नई उड़ान, 17 समझौतों के साथ बनी रणनीतिक साझेदारी

एजेंसी

हेग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय नीदरलैंड यात्रा समाप्त करने के बाद रविवार को स्वीडन के लिए रवाना हो गए। नीदरलैंड यात्रा के दौरान उन्होंने रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 17 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

यात्रा के दौरान मोदी ने शनिवार को अपने डच समकक्ष रॉब जेटेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति (विशेष रूप से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार नेटवर्क में आए व्यवधान के कारण क्षेत्र और समूचे विश्व पर पड़ रहे इसके गंभीर प्रभाव) पर चिंता जताई।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "मेरी नीदरलैंड यात्रा ने भारत-नीदरलैंड संबंधों को नई गति प्रदान की है। हमारे संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने से लेकर जल संसाधन, सेमीकंडक्टर, नवाचार, रक्षा, स्थिरता और गतिशीलता में सहयोग बढ़ाने तक, हमने भविष्य के लिए एक महत्वाकांक्षी प्रारूप तैयार किया है।"

उन्होंने कहा, "मैं प्रधानमंत्री रॉब जेटेन का गर्मजोशी भरे आतिथ्य और व्यक्तिगत रूप से विदाई देने के मकसद से हवाई अड्डे पर आने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भारत और नीदरलैंड के बीच मित्रता और मजबूत होगी।"

द्विपक्षीय वार्ता से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जेटेन के साथ ऊर्जा, बंदरगाह, स्वास्थ्य, कृषि व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख डच कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) से बातचीत की।

पीएम मोदी ने डच कंपनियों को भारत में, विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया। रविवार को रवाना होने से पहले मोदी ने जेटेन के साथ प्रतिष्ठित 'अफस्लुइटडिज्क' बांध का दौरा किया। भारत और नीदरलैंड जल प्रबंधन और जलवायु संबंधी लचीले बुनियादी ढांचे में गहन सहयोग की संभावनाओं का पता लगा रहे हैं।

मोदी शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर हेग पहुंचे थे। यह दौरा यूरोप के चार देशों की उनकी यात्रा का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। अपने यूरोप दौरे के अगले पड़ाव स्वीडन में मोदी अपने स्वीडिश समकक्ष उल्फ क्रिस्टर्सन के साथ द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने और द्विपक्षीय

स्वीडन ने प्रधानमंत्री मोदी को रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार से किया सम्मानित

गोथेनबर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्वीडन दौरे के दौरान प्रतिष्ठित रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार - कमांडर ग्रैंड क्रॉस सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान किसी भी सरकार प्रमुख को दिए जाने वाले स्वीडन के सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय सम्मानों में शामिल माना जाता है। यह सम्मान समारोह गोथेनबर्ग में आयोजित किया गया, जहां स्वीडन की क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया ने प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन भी मौजूद रहे। रिपोर्टों के अनुसार, यह प्रधानमंत्री मोदी को मिला 31वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। स्वीडन के शाही परिवार की ओर से यह निर्णय लिया गया कि भारत और स्वीडन के बीच संबंधों को मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने में योगदान के लिए उन्हें इस सम्मान से नवाजा जाए। ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार की शुरूआत वर्ष 1748 में की गई थी। यह सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने स्वीडन या उसके हितों से जुड़े क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और उनके स्वीडिश समकक्ष ने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को दशार्ने वाले विशेष उपहारों का भी आदान-प्रदान किया। बताया गया कि इन उपहारों में भारत और स्वीडन के बीच बौद्धिक तथा सांस्कृतिक संबंधों से जुड़े पहलुओं को प्रमुखता दी गई। प्रधानमंत्री मोदी अपने पांच देशों के दौरे के तीसरे चरण में स्वीडन पहुंचे हैं। यात्रा के दौरान दोनों देशों के नेताओं के बीच व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और अन्य द्विपक्षीय सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री क्रिस्टरसन यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री कार्यक्रम में भी हिस्सा लेने वाले हैं, जहां व्यापार और वैश्विक आर्थिक सहयोग से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

राजधानी एक्सप्रेस के दो कोच में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

एजेंसी

कोटा। राजधानी एक्सप्रेस की त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के दो कोचों में रविवार सुबह आग लग गई। हादसा कोटा मंडल के लूणी रीछा और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के बीच मध्य प्रदेश क्षेत्र में सुबह करीब 5.15 बजे हुआ। आग ट्रेन के बी-1 एसी कोच और उसके पीछे लगे सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में लगी थी। घटना की सूचना मिलते ही ट्रेन को तत्काल रोका गया और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, हालांकि कुछ यात्रियों का सामान आग में जल गया।

पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल के सीनियर डिवीजनल कॉमर्शियल मैनेजर सौरभ जैन ने बताया कि बी-1 कोच में 68 यात्री सवार थे। आग लगने की जानकारी सबसे पहले गार्ड ने लोको पायलट को दी, जिसके बाद ट्रेन को रोका गया। लगभग 15 मिनट में पूरे कोच को खाली करा लिया गया, लेकिन कुछ ही देर में आग पूरे कोच में फैल गई।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार ट्रेन रविवार सुबह करीब 3.45 बजे मध्य प्रदेश के रतलाम जंक्शन से रवाना हुई थी और इसका अगला निर्धारित ठहराव कोटा जंक्शन था। राजस्थान में प्रवेश से पहले विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के निकट एसी कोच में लगी आग कुछ मिनटों में लगेज कोच तक पहुंच गई। लगेज कोच में यात्रियों का सामान रखा हुआ था, जो आग में जल गया। हादसे के बाद दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर कुछ समय के लिए रेल यातायात रोक दिया गया। ट्रेन की बिजली सप्लाई काटकर प्रभावित कोचों को अलग किया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बाद में यात्रियों को अन्य कोचों में शिफ्ट कर ट्रेन को करीब साढ़े चार घंटे बाद कोटा के लिए रवाना किया गया।

होर्मुज पार कर 20 हजार टन एलपीजी लेकर भारत पहुंचा टैंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर वैश्विक चिंताओं के बीच भारत के लिए सकारात्मक खबर आई है। मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला टैंकर सिमी करीब 20 हजार टन एलपीजी लेकर गुजरात के कांडला पोर्ट पर सुरक्षित पहुंच गया। यह टैंकर 13 मई को विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करते हुए भारत पहुंचा।

होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को विश्व के अन्य समुद्री मार्गों से जोड़ने वाला अत्यंत संवेदनशील और रणनीतिक जलमार्ग है, जहां से वैश्विक तेल और गैस की आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र में तनाव की स्थिति में भी टैंकर का सुरक्षित पहुंचना भारत के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से फोन पर बातचीत की। अराघची ने कहा कि ईरान मित्र देशों के व्यापारिक हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि क्षेत्रीय स्थिति पर दोनों देशों के बीच सकारात्मक चर्चा हुई। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को अपना ऐतिहासिक दायित्व मानता है और सभी मित्र देशों के लिए भरोसेमंद साझेदार बना रहेगा।

सूत्रों के अनुसार, 13 मई को ही एक और एलपीजी टैंकर एमवी सनशाइन भी होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर रहा था। भारतीय नौसेना समेत संबंधित एजेंसियों ने इसे सुरक्षित भारत पहुंचाने में हर संभव सहायता प्रदान की। यह फारस की खाड़ी से सुरक्षित निकलकर भारत पहुंचने वाला 15वां एलपीजी टैंकर बताया गया है।

ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि क्षेत्र में शांति स्थापित होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा और पारदर्शिता पहले से कहीं अधिक बढ़ जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी देश अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं करेगा।

गरीबाबादी ने बिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले नई दिल्ली में कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए भारत की किसी भी कूटनीतिक पहल का ईरान स्वागत करेगा। उन्होंने भारत की भूमिका को निष्पक्ष और शांति पक्षधर बताया। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और जन-जन के संबंधों की गहराई का भी जिक्र किया।

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी गुजरात देश का नेतृत्व करेगा : शाह

एजेंसी

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में मिलियन माइंड्स टेक पार्क तथा गणेश रियल एस्टेट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट का लोकार्पण करते हुए कहा कि जिस प्रकार गुजरात ने आजादी के समय से देश को दिशा दी है, उसी प्रकार अब तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी गुजरात पूरे देश का नेतृत्व करेगा। अमित शाह ने कहा कि गुजरातियों के स्वभाव में विकास और प्रगति रची-बसी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात अब केवल उत्पादन आधारित राज्य नहीं रहेगा, बल्कि सेवा, ज्ञान और आधुनिक तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था का वैश्विक केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि आज लोकार्पित किए गए दोनों प्रकल्प राज्य के युवाओं को नए अवसर प्रदान करेंगे और गुजरात को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि यह तकनीकी नगर अहमदाबाद-गांधीनगर उच्च विकास पट्टी में लगभग 65 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है, जहां उच्च स्तरीय कार्यालय, आवासीय सुविधाएं, व्यापारिक परिसर तथा आतिथ्य सेवाओं से जुड़ी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। इस परियोजना के माध्यम से 70 हजार से अधिक युवाओं को उच्च कौशल आधारित रोजगार मिलने की संभावना है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यंत्रमानव तकनीक, अर्धचालक निर्माण तथा आधुनिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में गुजरात तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह परियोजना राज्य में नई तकनीक, अनुसंधान और नवाचार को मजबूत आधार प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में गुजरात सेवा क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

उन्होंने गणेश रियल एस्टेट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट को आधुनिक शहरी विकास और निर्माण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यहां नई तकनीक आधारित शिक्षा और वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे कुशल मानव संसाधन तैयार होंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात अब ज्ञान, नवाचार और तकनीक आधारित विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि आने वाला समय गुजरात का है और राज्य वैश्विक निवेश तथा आधुनिक उद्योगों का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। कार्यक्रम में अनेक उद्योगपति, निवेशक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी, जल्द शुरू होगी वंदे भारत स्लीपर सेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस रेल सेवा को आभासी माध्यम से हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि इससे कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच रेल संपर्क को मजबूती मिलेगी। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि बेंगलुरु और मुंबई के बीच वंदे भारत स्लीपर सेवा जल्द शुरू की जाएगी।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दक्षिण और उत्तर कर्नाटक की लंबे समय से लंबित मांगों को अब पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में रेलवे के लिए बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे कर्नाटक में रेल परियोजनाओं के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कर्नाटक के 61 रेलवे स्टेशनों का 2,160 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। इनमें से 9 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है। बेंगलुरु कैंटोनमेंट स्टेशन का 485 करोड़ रुपये तथा यशवंतपुर स्टेशन का 367 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है।

रेल मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से कर्नाटक में लगभग 1,750 किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं। हासन-मंगलुरु खंड में जटिल विद्युतीकरण कार्य भी पूरा कर लिया गया है और परीक्षण जारी है।

उन्होंने कहा कि बेंगलुरु उपनगरीय रेल परियोजना के चारों गलियारों पर कार्य चल रहा है। बैयप्पनहल्ली-चिक्कबनावरा और हीलालिगे-राजनुकुंटे गलियारों में भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है तथा स्टेशनों का निर्माण कार्य जारी है। केएसआर बेंगलुरु-देवनहल्ली मार्ग को राज्य सरकार और रेलवे की संयुक्त मंजूरी मिल चुकी है और भू-तकनीकी सर्वेक्षण पूरा हो गया है। केंगेरी-व्हाइटफील्ड मार्ग को भी हाल में स्वीकृति मिली है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कर्नाटक में इस समय 12 जोड़ी वंदे भारत रेलगाड़ियां संचालित हो रही हैं। बेंगलुरु-मंगलुरु मार्ग पर परीक्षण चल रहा है, जिससे तटीय क्षेत्रों तक संपर्क और बेहतर होगा। बेंगलुरु को हैदराबाद और चेन्नई से जोड़ने वाले बुलेट रेल गलियारों को भी मंजूरी मिल चुकी है।

आंध्र प्रदेश सरकार का बड़ा ऐलान- तीसरा-चौथा बच्चा पैदा करने पर देंगे इनाम

एजेंसी

अमरावती: आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की घटती आबादी को संभालने के लिए एक योजना लॉन्च की है. श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नपेटा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कैश इंसेंटिव देने का एलान किया है. इस नए फैसले के तहत अब राज्य में तीसरा बच्चा होने पर परिवार को तुरंत 30,000 रुपये दिए जाएंगे. इसके साथ ही चौथा बच्चा पैदा होने पर 40,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी. मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि इस योजना की पूरी गाइडलाइन एक महीने के भीतर सामने आ जाएगी. सीएम नायडू ने कहा है कि बच्चे देश की संपत्ति हैं और समाज को मिलकर जन्म दर को बढ़ाना होगा.

इस बड़े फैसले के पीछे सबसे मुख्य वजह राज्य का गिरता हुआ टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) है. आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक आंध्र प्रदेश का टीएफआर इस समय घटकर करीब 1.50 पर पहुंच गया है. आबादी को स्थिर रखने के लिए रिप्लेसमेंट लेवल टीएफआर का 2.1 होना बहुत जरूरी माना जाता है. इसका मतलब है कि राज्य में आबादी अब तेजी से घटने की कगार पर है.

किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी: शिल्पी नेहा तिर्की

बिभा संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड के पुरनापानी बाजारटांड़ मैदान में पायोनियर कंपनी द्वारा आयोजित किसान सम्मान समारोह में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को आधुनिक एवं वैज्ञानिक दिशा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। समारोह में किसानों को उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती की नई तकनीकों की जानकारी दी गई तथा प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया गया। मंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति यह दशार्ती है कि झारखंड के किसान अब जागरूक होकर आधुनिक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर नई योजनाएं और कार्यक्रम लागू कर रही है।

उन्होंने कहा कि किसानों को ट्रैक्टर, कृषि यंत्र, स्प्रेयर सहित अन्य उपकरण अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सके। साथ ही मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी सरकार बेहतर कार्य कर रही है। मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा केज फार्मिंग के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि ग्रामीण बाजारों को सशक्त बनाने के लिए बाजार शेड एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण युद्धस्तर पर किया जा रहा है, ताकि किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने और बेहतर बाजार उपलब्ध कराने में सहायता मिल सके।

उन्होंने अल नीनो की संभावित स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। ऐसे में किसानों को समय पर धान की रोपनी करने के साथ-साथ कम पानी में होने वाली फसलों एवं मोटे अनाज की खेती की ओर भी ध्यान देना चाहिए।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित उप प्रमुख मुदस्सिर हक, विश्वनाथ गोप, शाहदेव, पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा, तंजीर हुसैन, मतियस खेस, बुधराम लोहरा, चन्द्रावती देवी सहित बड़ी संख्या में किसान एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एसआईआर जागरूकता अभियान को लेकर रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

बिभा संवाददाता

राँची: पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को कांके प्रखंड के उरुगुट्टू मदरसा में रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य एसआईआर जागरूकता अभियान को तेजी से आगे बढ़ाना तथा लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए जारी किए गए हेल्पलाइन सेवा से लोगों को अवगत कराना था।

बैठक में निर्णय लिया गया कि रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस की ओर से पूरे जिले के लिए जारी हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, मुस्लिम एवं ओबीसी वर्ग सहित सभी समुदायों के लोगों को रक्फ़ से संबंधित जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए लोग हेल्पलाइन नंबर 8877135731, 7992310326, 8051063698, 8340239134, 8789567827, 6201344532, 9661878708, 9798392211 एवं 9939602922 पर संपर्क कर सकते हैं।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को जागरूक कर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार करना जरूरी है। हेल्पलाइन के माध्यम से लोगों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

इटकी पुलिस ने चार वारंटियों को भेजा जेल 13 गैर-जमानती वारंटों का किया निष्पादन

इटकी(बिभा) : इटकी थाना पुलिस ने वारंट निष्पादन अभियान चलाते हुए चार वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार वारंटियों में रियाजूल अंसारी, मो० यासीन,महमूद अंसारी एवं मकसूद अंसारी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार इटकी पुलिस द्वारा अभियान के दौरान कुल 13 गैर-जमानती वारंटों का भी सफल निष्पादन किया गया। इस कार्रवाई में मनीष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। वारंटियों की गिरफ्तारी एवं वारंट निष्पादन अभियान में ऐएसआई मनिभूषण कुमार तथा सशस्त्र पुलिस बल का सराहनीय योगदान रहा। इटकी पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस की सक्रियता स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

बेड़ो प्रखंड में भाजपा का विशाल धरना प्रदर्शन आज

बेड़ो(बिभा)। भारतीय जनता पार्टी बेड़ो प्रखंड की ओर से आगामी 18 मई 2026, सोमवार को सुबह 11:30 बजे प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में विभिन्न जन समस्याओं को लेकर विशाल धरना प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार आयोजित किया जा रहा है। धरना प्रदर्शन के दौरान आम जनता की समस्याओं से संबंधित आवेदन भी लिया जाएगा तथा उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों तक मामला पहुंचाने और समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। इस संबंध में भाजपा बेड़ो प्रखंड की ओर से सभी पदाधिकारियों, पंचायत प्रभारियों, बूथ अध्यक्षों, मंच-मोर्चा के पदाधिकारियों, शुभचिंतकों एवं कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है। साथ ही गांव-गांव में प्रचार-प्रसार करने का भी आग्रह किया गया है। कार्यक्रम की जानकारी भाजपा नेता मनोज कुमार साहु द्वारा दी गई।

ऐतिहासिक पाड़हा जतरा की तैयारी को लेकर बारीडीह में बैठक

बेड़ो(बिभा)। आगामी 3 जून 2026 को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक पाड़हा जतरा की भव्य तैयारी को लेकर रविवार को बारीडीह पाड़हा मैदान में एक वृहद पाड़हा बैठक आयोजित की गई। बैठक मुख्य संरक्षक निलमनी भगत की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न गांवों के महतो, पाहान, पुजार, पाड़हा राजा, दीवान, कोटवार एवं पाड़हा प्रेमियों ने भाग लिया। इस दौरान जतरा को सफल एवं भव्य रूप देने के उद्देश्य से जतरा संचालन समिति द्वारा कुल 14 विभागों की जिम्मेदारी अलग-अलग लोगों को सौंपी गई। सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगली वृहद बैठक 24 मई 2026 दिन रविवार को सुबह 11 बजे पाड़हा मैदान बारीडीह में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में बेड़ो के प्रशासनिक पदाधिकारी, प्रेस मीडिया, पाड़हा संचालन समिति ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं पाड़हा प्रेमी शामिल होंगे। बैठक को सफल बनाने में मुख्य रूप से डॉ. दिवाकर मिंज, जुगेश उरांव, सुका उरांव, धनंजय कुमार राय, पाड़हा राजा विशाल उरांव, महादेव कुजूर, दीवान बिरवा खेस, डहरु उरांव, मंगरु मुंडा, सोमरा तिर्की, मीडिया प्रभारी चरवा उरांव, पीटर तिर्की, घिनु उरांव, बंदे उरांव, जगरनाथ उरांव, भौवा उरांव, अल्फ्रेड मिंज एवं मंजु धान सहित कई लोग उपस्थित थे।

बेड़ो के जरिया और करॉंजी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म, लोगों में हाहाकार

बेड़ो(बिभा): प्रखंड क्षेत्र के जरिया पेट्रोल पंप और करॉंजी स्थित एचपी पेट्रोलियम पंप में रविवार सुबह से पेट्रोल खत्म हो जाने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पेट्रोल लेने पहुंचे बाइक और अन्य वाहन चालकों की लंबी कतार पंप परिसर से निकलकर सड़क तक पहुंच गई, जिससे अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह से ही दोनों पेट्रोल पंपों में पेट्रोल उपलब्ध नहीं है। पेट्रोल खत्म होने से रोजमर्रा के कामकाज, नौकरी और व्यवसाय से जुड़े लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि रोजी-रोटी के लिए दूर-दराज क्षेत्रों में आना-जाना पड़ता है और पेट्रोल नहीं मिलने से उनकी परेशानी और बढ़ गई है। कई वाहन चालकों ने पेट्रोल वितरण व्यवस्था और अव्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। भीषण गर्मी के बीच लोगों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ा। लोगों ने प्रशासन और पेट्रोल पंप संचालकों से जल्द पेट्रोल की आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

संजीव सरदार ने 17 लाभुकों के बीच बकरी एवं बतख चूजों का किया वितरण, कहा

किसानों को आत्मनिर्भर बनाना सरकार का लक्ष्य

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: पोटका प्रखंड मुख्यालय में झारखंड सरकार के पशुपालन विभाग की अति महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री पशुधन वितरण योजना के तहत किसानों के बीच बकरी एवं बतख (चूजा) का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पोटका विधायक संजीव सरदार ने कुल 17 लाभुक किसानों के बीच पशुधन का वितरण किया। योजना के तहत छह किसानों को 10-10 बीमाकृत बकरी, टब, मग एवं कृमिनाशक दवा उपलब्ध कराई गई, जबकि 11 किसानों को प्रति किसान 30-30 बतख चूजों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में किसानों में खासा उत्साह देखने को

मिला।

मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि हेमंत सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि पशुपालन ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनने का एक सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री पशुधन योजना का उद्देश्य किसानों और ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है ताकि वे पशुपालन के जरिए अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकें। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ सही और जरूरतमंद लोगों तक पारदर्शिता के साथ पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ाने और किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। विधायक ने किसानों को पशुपालन से जुड़ी अन्य योजनाओं की जानकारी भी दी और उन्हें सरकारी योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार मुंडा, पशुपालन पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार, बीटीएम कौशल झा, प्रधान लिपिक संजय कुमार, पशुधन सहायक राजकुमार साहू, वैष्णवी इंटरप्राइजेज के अख्तर हुसैन समेत विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान लाभुक किसानों ने सरकार एवं विधायक संजीव सरदार के प्रति आभार व्यक्त किया।

शशिभूषण सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

खलारी। भाजपा खलाड़ी मंडल द्वारा पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष स्वर्गीय शशिभूषण सिंह की स्मृति में रविवार को वीआईपी सभागार, डकरा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।मंडल अध्यक्ष अनिल गंझू की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं, विभिन्न ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों तथा संघ विचार परिवार के सदस्यों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।पूरा सभागार अपने लोकप्रिय नेता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों से भरा नजर आया। कार्यक्रम की शुरूआत भाजपा खलाड़ी मंडल के पूर्व अध्यक्षों द्वारा दिवंगत नेता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।श्रद्धांजलि सभा का माहौल भावुकता और सम्मान से भरा रहा।सभा को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष फुलेश्वर महतो ने कहा कि स्वर्गीय शशिभूषण सिंह अद्भुत नेतृत्व क्षमता के धनी थे। उन्होंने खलारी जैसे औद्योगिक क्षेत्र में भाजपा संगठन को मजबूत आधार देने में अहम भूमिका निभाई। पूर्व मंडल अध्यक्ष आनंद झा ने अपने संस्मरण साझा करते हुए झारखंड राज्य गठन के समय की राजनीतिक परिस्थितियों को याद किया। उन्होंने बताया कि चूरी पंचायत को पुनःरांची जिले में शामिल करवाने तथा खलाड़ी को अलग प्रखंड बनाने की लड़ाई में शशिभूषण सिंह की भूमिका निर्णायक रही। सभा के दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष भरत रजक अपने अनुभव साझा करते हुए भावुक हो उठे, जिससे माहौल गमगीन हो गया। उपस्थित लोगों की आंखें भी नम हो गईं।कार्यक्रम को पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा, वर्तमान मंडल अध्यक्ष अनिल गंझू, जिला पार्षद सरस्वती देवी, भाजपा नेत्री किरण देवी, श्याम सुंदर सिंह, शत्रुंजय सिंह, चतुर्गुण भुईयां, बीएन पांडे, गिरिधर मिश्रा, विकास दुबे एवं रतनलाल सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं, ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों एवं संघ विचार परिवार से जुड़े सैकड़ों लोग उपस्थित थे। श्रद्धांजलि सभा ने स्वर्गीय शशिभूषण सिंह के प्रति लोगों के सम्मान, स्नेह और जुड़ाव को एक बार फिर उजागर कर दिया।

सार्वजनिक स्थानों पर अड्डेबाजी के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बिभा संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों और सार्वजनिक स्थानों पर हो रही अड्डेबाजी पर अंकुश लगाने को लेकर डीएसपी राम नारायण चौधरी के नेतृत्व में खलारी थाना गश्ती दल द्वारा व्यापक छापेमारी अभियान चलाया गया। यह अभियान डकरा स्टेडियम, दुर्गा मंदिर ग्राउंड तथा डकारा वर्कशॉप रोड इलाके में चलाया गया।छापेमारी के दौरान पुलिस ने कई संदिग्ध स्थलों की जांच की और मौजूद लोगों से पूछताछ भी की।अचानक हुई कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में डकरा स्थित लाइसेंसी शराब दुकान के बाहर खुलेआम शराब पी रहे लोगों को भी पुलिस ने खदेड़ दिया।पुलिस ने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन,अड्डेबाजी और हुड़दंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि लगातार हो रही छापेमारी और गश्ती अभियान से क्षेत्र में शांति व्यवस्था मजबूत होगी तथा असामाजिक तत्वों में भय का माहौल बनेगा।पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आगे भी क्षेत्र में नियमित गश्ती और छापेमारी अभियान जारी रहेगा तथा कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

आरक्षण के जननायक छत्रपति साहू जी महाराज को श्रद्धांजलि सभा में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के नवनियुक्त महासचिव विजय यादव का अभिनंदन

जमशेदपुर: भारतीय ओबीसी विचार मंच के तत्वावधान में आज न्यू काशीडीह स्थित चंद्रवंशी समाज भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आरक्षण के जननायक छत्रपति साहू जी महाराज के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त महासचिव विजय यादव का ओबीसी समाज के लोगों द्वारा अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ओबीसी समुदाय के भारी संख्या में लोग उपस्थित हुए।

दरहाटांड में मौत को दावत दे रही बिजली विभाग की लापरवाही, करंट दौड़ते पोल से दहशत में ग्रामीण

विशाल कुमार

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के दरहाटांड गांव में बिजली विभाग की भारी लापरवाही सामने आई है। गांव में नए कनेक्शन के लिए लगाया गया कवरयुक्त तार,जिसमें अभी तक बिजली सप्लाई शुरू भी नहीं हुई है, पुराने जर्जर और बिना कवर वाले चालू तार से सट गया। इसके बाद नए तार और उससे जुड़े पोल में करंट दौड़ने लगा। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है।ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग की लापरवाही के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। गांव के बीचों-बीच करंट दौड़ते पोल से बच्चों, बुजुर्गों और पशुओं की

जान पर खतरा मंडरा रहा है, लेकिन विभाग अब तक मूकदर्शक बना हुआ है।स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार बिजली विभाग को जर्जर तार और पोल की स्थिति से अवगत कराया गया,लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब हालत यह है कि पोल को छूते ही करंट लगने का डर बना हुआ है।ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि बिना सुरक्षा जांच और तकनीकी निगरानी के तार लगा दिए गए। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते सुधार नहीं हुआ तो गांव में बड़ा हादसा होना तय है।

विजय पाहन ने कहा, बिजली विभाग गांव वालों की जान से खेल रहा है।पोल में करंट आने से बच्चे डर के मारे बाहर नहीं निकल रहे हैं। अगर किसी की जान गई तो इसका जिम्मेदार कौन होगा?

रामोतार राम ने नाराजगी जताते हुए कहा, दिन-रात डर बना हुआ है। मवेशी और बच्चे पोल के पास जाते हैं तो डर लगता है कहीं करंट न लग जाए।विभाग को कई बार सूचना दी गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

ग्रामीण भरत राम ने कहा, पुराना नंगा तार हटाने की जगह उसके बगल में नया तार लगा दिया गया।अब दोनों तार सटने से पूरे पोल में करंट आ गया है।विभाग हादसे का इंतजार कर रहा है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग से तत्काल मरम्मत कार्य कराने, जर्जर तार हटाने और पूरे इलाके की सुरक्षा जांच कराने की मांग की है।

बागबेड़ा के युवा वैज्ञानिक डॉ. निखिल कुमार सिंह को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों पर पंचायत प्रतिनिधियों ने दिया सम्मान

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : बागबेड़ा कॉलोनी के युवा वैज्ञानिक डॉ. निखिल कुमार सिंह को जीनोमिक्स और बायोइन्फॉर्मेटिक्स के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली उपलब्धियों के लिए पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने सम्मानित किया। बागबेड़ा कॉलोनी स्थित कुंवर सिंह मैदान में आयोजित समारोह में उन्हें शॉल देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान उनके माता-पिता ओमप्रकाश सिंह को भी विशेष रूप से शॉल देकर सम्मानित किया गया। पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि डॉ. सिंह की उपलब्धियां पूरे बागबेड़ा क्षेत्र और जमशेदपुर के लिए गौरव की बात हैं। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने

बताया कि डॉ. निखिल कुमार सिंह का हाल ही में भारत सरकार की प्रतिष्ठित ह्लविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग प्रेरणा संकाय फेलोशिपह्व के लिए चयन हुआ है। इसके अलावा उन्हें ह्लअनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठानह्व की ओर से ह्लप्रधानमंत्री प्रारंभिक शोध अनुदानह्व भी मिला है। वर्तमान में वे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान में सहायक प्राध्यापक एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग प्रेरणा संकाय फेलो के रूप में कार्यरत हैं। उनका शोध जीनोमिक्स, बायोइन्फॉर्मेटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कृषि अनुसंधान पर केंद्रित है।

डॉ. सिंह अब तक लगभग 10 अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित कर चुके हैं। साथ ही उन्होंने जीनोमिक्स और बायोइन्फॉर्मेटिक्स विषय पर दो पुस्तकें भी लिखी हैं। उनकी पुस्तक ह्लजीनोम विश्लेषण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जैव सूचना उपकरणह्व छात्रों और शोधार्थियों के बीच काफी चर्चित रही है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जीनोमिक्स के आधुनिक उपयोग को सरल भाषा में समझाया गया है।

सम्मान समारोह में बागबेड़ा के ग्राम प्रधान चुनका मार्डी,पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता,उप मुखिया संतोष ठाकुर, मुखिया उमा मुंडा, मायावती टुडू,धनमुनी मार्डी,उपमुखिया धनंजय कुमार, कुमोद यादव, वार्ड सदस्य सीमा पांडे, कुमुद रंजन सिंह, पूजा कुमारी, समाजसेवी भोला झा,दिग्विजय सिंह, अनील मिश्रा,पवन ओझा,राजीव चौधरी, विजय झा, मिथिलेश सिंह,अरविंद पांडेय, अनुरोध पांडेय, गुड्डू ओझा,टिंकू शर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

तुलसी भवन में लोकमंच के अन्तर्गत बहुभाषी काव्य गोष्ठी का आयोजन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन, तुलसी भवन द्वारा संस्थान के प्रयाग कक्ष में मासिक 'लोकमंच' (बहुभाषी काव्य गोष्ठी) का आयोजन किया गया।जिसकी अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र मुनका तथा संचालन श्रीमती माधवी उपाध्याय ने की। इस अवसर पर स्वागत वक्तव्य संस्थान के मानद महासचिव डॉ० प्रसेनजित तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के उपाध्यक्ष राम नन्दन प्रसाद द्वारा किया गया।

मौकेपर, अतिथि के रुप में साहित्य समिति की मार्गदर्शिका डॉ रागिनी भूषण मंचासीन रहीं।

कार्यक्रम का आरंभ कैलाशनाथ शर्मा 'गाजीपुरी' के सरस्वती वंदना एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्पण किया गया इसके बाद शहर के कुल 38 कलमकारों ने अपनी - अपनी मातृभाषाओं में यथा भोजपुरी, राजस्थानी, ब्रजभाषा, बंगला, उडिया, मगही, पंजाबी, संथाली, अंगिका, कुमायूंनी, हिन्दी वगैरह में रचित काव्य रचनाएं प्रस्तुत की।

इस अवसर पर मुख्य रुप से तुलसी भवन साहित्य समिति के सचिव डॉ० अजय कुमार ओझा, वसंत जमशेदपुरी, डॉ अनिता निधि, उपासना सिन्हा, डॉ० संजय पाठक 'सनेही', डॉ राकेश पाण्डेय एवं सुजय कुमार उपस्थित थे।

उपायुक्त ने 85 वर्षीय बुजुर्ग को 24 घंटे के भीतर मिला पेंशन और आयुष्मान योजना का लाभ

बुजुर्ग ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दिया धन्यवाद

बिभा संवाददाता

रांची : जिला प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली का एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर 85 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक राधेश्याम नाथ को 24 घंटे के भीतर सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया।

किशोरगंज निवासी राधेश्याम नाथ को सर्वजन पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र उनके घर पहुंचकर उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही उनका आयुष्मान कार्ड भी बनवाकर सौंपा गया, ताकि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सके। राधेश्याम नाथ योजनाओं के लाभ के लिए समाहरणालय पहुंचे थे। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम ने बुजुर्ग की स्थिति को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी कर योजनाओं का लाभ बुजुर्ग के घर पर उपलब्ध कराया गया।

लाभ प्राप्त करने के बाद वरिष्ठ नागरिक राधेश्याम नाथ ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री रांची जिला प्रशासन ने कहा कि जरूरतमंद एवं पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा आगे भी इसी तरह संवेदनशीलता के साथ कार्य जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज 319 असिस्टेंट प्रोफेसर को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 18 मई (सोमवार) को सहायक आचार्य के पद पर नियुक्त 319 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। साथ ही महिला और बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के लिए नियुक्त महिला पर्यवेक्षक के पदों पर नियुक्त 19 अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति पत्र देंगे। इसे लेकर प्रोजेक्ट भवन सभागार में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया है।

सहायक आचार्य के पदों पर जिन अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाना है, उनमें 158 अभ्यर्थियों का चयन इंटर प्रशिक्षित सहायक आचार्य और 161 का चयन स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य के पदों पर किया गया है।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने इन अभ्यर्थियों की नियुक्ति की अनुशंसा पिछले वर्ष दिसंबर में ही की थी। इनकी जिला स्तर पर काउंसिलिंग के बाद नियुक्ति पत्र देने का निर्णय लिया गया।

हेमंत सरकार में जनजातीय समाज के नेताओं की गरिमा की अनदेखी, बनी परम्परा : आदित्य साहू

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री और जनजातीय समाज के सम्मानित नेता अर्जुन मुंडा के साथ चाईबासा परिसदन में जिला प्रशासन की ओर से उपेक्षापूर्ण व्यवहार पर भाजपा ने कड़ा एतराज जताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर राज्य सरकार को लोकतांत्रिक मूल्यों का पाठ पढ़ाते हुए लिखा है कि किसी का पद स्थाई नहीं होता, लेकिन लोकतांत्रिक परंपरा हर हाल में कायम रहनी चाहिए।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि अर्जुन मुंडा के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया गया, वह केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं, प्रशासनिक मयार्दाओं एवं जनजातीय समाज के सम्मान का भी विषय है। पद स्थायी नहीं होते, समय के साथ आते-जाते रहते हैं, लेकिन किसी व्यक्ति का योगदान, अनुभव एवं सामाजिक सम्मान सदैव महत्वपूर्ण रहता है। जो व्यक्ति राज्य के मुख्यमंत्री एवं देश के केंद्रीय मंत्री जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन कर चुके हो, उसके प्रति सामान्य प्रशासनिक शिष्टाचार एवं गरिमा का पालन किया जाना अपेक्षित था।

साहू ने आगे कहा है कि यह भी अत्यंत चिंताजनक है कि पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के साथ भी चाईबासा में डीसी द्वारा असम्मानजनक व्यवहार किए जाने का मामला सामने आ चुका है। क्या यह अब एक परंपरा बनती जा रही है कि जनजातीय समाज के वरिष्ठ नेताओं की गरिमा की अनदेखी की जाए?

वर्तमान झारखंड में हेमंत सोरेन के शासनकाल में लोकतांत्रिक मूल्यों, प्रशासनिक संवेदनशीलता एवं सामाजिक सौजन्यता की परंपराएं कमजोर पड़ती दिखाई दे रही हैं। पश्चिम सिंहभूम जैसे ऐतिहासिक एवं जनजातीय बहुल जिले में प्रशासन की इस प्रकार की उदासीनता अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक है। भारतीय जनता पार्टी सदैव लोकतांत्रिक मयार्दाओं, जनजातीय अस्मिता एवं सम्मानजनक राजनीतिक संस्कृति की पक्षधर रही है। जनजातीय समाज के सम्मानित नेतृत्व के प्रति इस प्रकार का व्यवहार लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं सामाजिक सम्मान की भावना को आहत करने वाला है।

संक्षिप्त खबरें

प्यार बांटते चलो अभियान के तहत जरूरतमंदों के बीच बांटा गया भोजन

रांची(बिभा)। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से रविवार को प्यार बांटते चलो अभियान के तहत अन्नपूर्णा सेवा कार्यक्रम का आयोजन हरमू रोड स्थित गौशाला परिसर में किया गया। शाखा अध्यक्षा शुभा अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित इस सेवा कार्य में जरूरतमंदों के बीच भोजन का वितरण किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्षा शुभा अग्रवाल ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाकर समाजसेवा और मानवता का संदेश देना है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सहायता करना हर व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है तथा मंच आगे भी इसी तरह के सेवा कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान शाखा की सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई और पूरे उत्साह के साथ भोजन वितरण कार्यक्रम को सफल बनाया। मीडिया प्रभारी वेदिका सिंघानिया ने बताया कि अन्नपूर्णा सेवा के दूसरे माह के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन साखी सोनम अग्रवाल के सौजन्य से किया गया। उन्होंने कहा कि प्यार बांटते चलो अभियान के माध्यम से मंच लगातार जनसेवा के कार्य कर रहा है और आगे भी नियमित रूप से जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों ने भोजन ग्रहण किया। उपस्थित लोगों ने मंच की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाजहित में प्रेरणादायक कदम बताया। इस मौके पर शाखा की कई सदस्याएं एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री जीण माता प्रचार समिति की नई टीम गठित, अध्यक्ष बने ओम प्रकाश अग्रवाल

रांची (बिभा): श्री जीण माता प्रचार समिति की बैठक मारवाड़ी भवन में नई समिति का गठन किया गया । बैठक में ओम प्रकाश अग्रवाल को निर्विरोध रूप से अध्यक्ष के लिए चुना गया, वहीं विजय पालड़ीवाल को उपाध्यक्ष, नारायण विजयवर्गीय को सचिव, प्रदीप शर्मा सहसचिव, बजरंगलाल सोमानी कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ दिलाई गई। इनके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में संदीप शर्मा हात्मा,संदीप शर्मा कोकर,संदीप विजयवर्गीय, विनोद अग्रवाल,पवन अग्रवाल कृष्णा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, नेहा सचिन सिंघानिया, कविता सोमानी,सुनीता मित्तल मनोज चौधरी, एकता मोहित शर्मा ने पदभार ग्रहण किया।

रांची पुलिस ने चोरी का मामला सुलझाया, दो आरोपित गिरफ्तार

रांची(बिभा)। रांची की लोअर बाजार थाना पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में मो. अदनान अंसारी और मो. अफसर शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। लोअर बाजार थाना प्रभारी लव कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि 13 मई को पीड़ित अमन के लिखित आवेदन के आधार पर अज्ञात अपराधियों के खिलाफ घर से मोबाइल फोन और नकदी चोरी करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। तकनीकी साक्ष्यों और जांच के आधार पर दोनों आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपितों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित मो. अफसर का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ पहले से ही सदर थाना और लोअर बाजार थाना में विभिन्न मामले दर्ज हैं। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

चांद नजर नहीं आया, ईद-उल-अजहा की नमाज 28 मई को अदा की जाएगी: इदार ए शरिया

रांची(बिभा): इदार ए शरिया झारखंड के नाजिमे आला मौलाना मुहम्मद कुतुबुद्दीन रिजवी ने कहा है कि रविवार,17 मई को चांद देखने के इंतजाम किए गए थे, लेकिन आसमान साफ होने के बावजूद रांची, खूंटी, गढ़वा, जमशेदपुर, लोहरदगा, हजारीबाग, गिरिडीह, धनबाद, राजमहल, गुड्डा, बोकारो, रामगढ़, पलामू, चतरा, दुमका, कोडरमा, लातेहार, जामताड़ा, सिमडेगा में बकर ईद का चांद नजर नहीं आया। अतःदारुल कजा एदार ए शरीया झारखण्ड से फैसला और ऐलान किया है कि मंगलवार,19 मई, को जिल हिज्जा महीने की पहली तारीख है और गुरुवार 28 मई को ईद-उल-अजहा की नमाज पढ़ी जाएगी और कुबार्नी दी जाएगी। एदार ए शरीया ने राज्य के मुसलमानों से अपील की है कि वे पूरी सादगी, अकीदत और एहतराम के साथ ईद-उल-अजहा की तैयारी में जुट जाएं।

ऑपरेशन प्रहार : रांची पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक रात में 100 से ज्यादा अपराधी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची: राजधानी में शनिवार रात फरार चल रहे वारंटियों और अपराधियों के लिए कार्रवाई की गई. एसएसपी रांची के निर्देश पर सिटी, ट्रैफिक और ग्रामीण एसपी ने अपनी टीम के साथ 100 से ज्यादा वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.

रांची पुलिस द्वारा रविवार को जारी किए गए प्रेस रिलीज में यह बताया गया कि वरीय एसपी के निदेर्शानुसार एसपी नगर, यातायात तथा ग्रामीण के नेतृत्व में ऑपरेशन प्रहार के तहत रांची पुलिस की ओर से 100 से ज्यादा अपराधियों को गिरफ्तार किया गया. साथ ही 220 से अधिक लंबित वारंटों का निष्पादन भी किया गया. अपराधियों के खिलाफ रांची पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक है.

सीनियर एसपी राकेश रंजना ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के तहत अपराध नियंत्रण, वारंट निष्पादन और संगठित अपराध पर शिकंजा कसने की विशेष रणनीति बनाई गई थी, शनिवार देर रात तक चली इस कार्रवाई में पुलिस टीमों ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दबिश देकर फरार अपराधियों, वारंटियों और संदिग्धों को धर दबोचा है. कई आरोपी ऐसे भी पकड़े गए है, जो लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे थे। अभियान में जिले के सभी पुलिस अधीक्षक, उपाधीक्षक, थाना प्रभारी और अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल थे. रांची पुलिस द्वारा भविष्य में भी इसी तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रखने के संकेत दिए हैं.

पुंदाग स्थित श्रीराधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद वितरण

बिभा संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में रविवार को 266वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्री राधा-कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी थी। पूरे परिसर को रंग-बिरंगे फूलों, आकर्षक विद्युत सज्जा और पारंपरिक अलंकरण से भव्य रूप से सजाया गया था। मंदिर में विराजमान श्री राधा रानी और भगवान श्रीकृष्ण का दिव्य श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा।

कार्यक्रम के तहत दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कर महाप्रसाद का भोग लगाया। इसके बाद भक्तों के बीच अन्नपूर्णा सेवा के अंतर्गत महाप्रसाद वितरण किया गया।

महाप्रसाद कार्यक्रम में प्रकाश अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल एवं अजय अग्रवाल के सौजन्य से श्रद्धालुओं के बीच मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, जलजीरा शर्बत और सत्तू पानी का वितरण किया गया। भीषण गर्मी के बीच शीतल पेय और प्रसाद की व्यवस्था से श्रद्धालुओं ने विशेष संतोष व्यक्त किया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण कर स्वयं को धन्य महसूस किया।

ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि अन्नपूर्णा सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और आध्यात्मिक एकता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की ओर से नियमित रूप से इस प्रकार के धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं।

डीएसपीएमयू के छात्रों का राष्ट्रीय मंच पर जलवा: बीआईटी सिंदरी के 'हिनोवेशन-2026' में टीम हैकस्मिथ्स का शानदार प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), राँची के तीन छात्रों की एक टीम ने राष्ट्रीय स्तर के हैकाथॉन, 'हिनोवेशन-2026' प्रतियोगिता में शामिल होकर और उसमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय स्तर के इस प्रतियोगिता का आयोजन बीआईटी सिंदरी द्वारा भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के सहयोग से किया गया था।

इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी हैकाथॉन प्रतियोगिता में पूरे भारत से शॉर्टलिस्ट की गई 20 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें झारखंड के बाहर से आई 8 उत्कृष्ट टीमें भी शामिल थीं। उन आठ टीमों में से एक डीएसपीएमयू का प्रतिनिधित्व करते हुए 'टीम हैकस्मिथ्स'–जिसमें बी.एस.सी. आईटी (सेमेस्टर-05) के तीन सदस्य के दल जिसमें अयन मुखर्जी, सेजल गुप्ता और विशाल कुमार शामिल थे, ने देश की कुछ सबसे बेहतरीन प्रतिभाओं के खिलाफ सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा कर अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन दिया। इस दल ने विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राजीव मनोहर से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें पूरी प्रतियोगिता की जानकारी दी। मौके पर डीएसपीएमयू के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) राजीव मनोहर ने इस तीन सदस्यों के दल को बधाई देते हुए कहा कि इतने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना और उसमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करना एक बड़ी बात होती है । उन्होंने आगे कहा कि आज के डिजिटल युग में नवाचार (इन्नोवेशन) और तकनीकी समस्या-समाधान के महत्व लगातार बढ़ता ही जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों के समर्पण और प्रतिस्पर्धा की भावना की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से सामूहिकता और प्रतिस्पर्धा की भावना का निरंतर विकास होता है। विज्ञान संकाय की डीन डॉ. नमिता सिंह ने भी इस दल को उनके आगामी भविष्य के तकनीकी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर विज्ञान संकाय की डीन डॉ नमिता सिंह और बीएससी आईटी विभाग के प्राध्यापक डॉ. राहुल देव साह और डॉ. राजेंद्र कुमार महतो की उपस्थिति रही । यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

सेवा, संगठन और सामाजिक जागरण का नया संकल्प: झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के अध्यक्ष ने संभाला कार्यभार

संघ का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ना: दिनेश साहू

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहू ने एक भव्य, गरिमामयी एवं उत्साहपूर्ण समारोह के बीच अपना कार्यभार आधिकारिक रूप से ग्रहण किया। कार्यक्रम का स्वागत महासचिव विद्याधर प्रसाद ने किया तथा संगठन की आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी उपस्थित सदस्यों के समक्ष रखी। स्वास्थ्य कारणों से कुछ समय तक संगठनात्मक गतिविधियों से दूर रहने के बाद पूर्णतः स्वस्थ होकर लौटे अध्यक्ष का संघ के वरिष्ठ संरक्षकों, पदाधिकारियों एवं सैकड़ों कार्यकताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यभार संभालने के पश्चात अपने भावुक संबोधन में अध्यक्ष ने पूरे शौंडिक समाज का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को विकास के नए स्वर्णिम दौर में ले जाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि संघ का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ना तथा संगठन को अधिक मजबूत, शिक्षित और प्रगतिशील बनाना है। आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता एवं संवैधानिक अधिकारों को लेकर व्यापक अभियान चलाया जाएगा। साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वास को वैज्ञानिक सोच एवं शिक्षा के माध्यम से समाप्त करने के लिए युवाओं को संगठित कर विशेष सामाजिक अभियान प्रारंभ किया जायेगा.

इस अवसर पर मुख्य संरक्षक उदय शंकर प्रसाद ने छात्रवृत्ति योजना एवं गरीब कन्याओं के विवाह सहायता कार्यक्रम को प्राथमिकता देने पर बल दिया। प्रेस को संबोधित करते हुए संघ पदाधिकारियों ने हाल ही में हुई कार्यकारिणी बैठकों में लिए गए निर्णयों की जानकारी साझा की। बताया गया कि 28 अप्रैल 2026 को सुनील साहू की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के निर्णय के अनुसार भीषण गर्मी को देखते हुए रांची शहर के छह प्रमुख स्थानों पर जनहित में प्याऊ की व्यवस्था की गई है। इस सेवा कार्य में उदय साहू का विशेष मार्गदर्शन रहा, जबकि सभी केंद्रों के लिए स्टील ग्लास रमेश साहू द्वारा उपलब्ध कराए गए। इसके अतिरिक्त सांसद प्रदीप कुमार वर्मा के सौजन्य से समाज को एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी प्रगति पर है। वहीं आगामी दिनों में रमेश साहू के नेतृत्व में एक विशाल चिकित्सा शिविर आयोजित करने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

सामाजिक एकता को लेकर संघ पदाधिकारियों ने बताया कि 3 मई 2026 को लोहरदगा में मुख्य संरक्षक उदय शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में सूड़ी-शौंडिक वैश्य समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से ऐतिहासिक बैठक आयोजित की गई थी। संघ ने इस सामाजिक एकता अभियान को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। वहीं समाज के वरिष्ठ सदस्य अरुण देव कुमार ने समाजहित एवं जनकल्याण के लिए शीघ्र विशेष सत्संग आयोजित करने की आधिकारिक घोषणा की। नवनियुक्त अध्यक्ष ने सामाजिक सेवा की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की घोषणा करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में लगातार ड्यूटी कर रहे यातायात पुलिसकर्मियों को संघ की ओर से उच्च गुणवत्ता वाले इंसुलेटेड स्टील वाटर फ्लास्क वितरित किए जाएंगे। उदय साहू की पहल पर आयोजित यह कार्यक्रम रांची के फिरायालाल चौक (अल्बर्ट एक्का चौक) में आयोजित किया जाएगा, जिसमें एसपी ट्रैफिक रांची को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष ने कहा कि इन सभी सामाजिक एवं कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए जल्द ही कार्यकारिणी समिति की विशेष बैठक बुलाई जाएगी। समारोह के दौरान झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ की निर्देशिका के आवरण पृष्ठ का भी विधिवत अनावरण किया गया। इस अवसर पर संरक्षक दिलीप गुप्ता, अरुण गुप्ता, श्री कुमुद प्रसाद साहु, अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहु, महासचिव विद्याधर प्रसाद, वरीय उपाध्यक्ष सुनील साहू, उपाध्यक्ष रमेश साहू, सचिव रूपेश साहू, अरुण देव कुमार, कोषाध्यक्ष निशांत गुप्ता, सह-कोषाध्यक्ष कुणाल शाह, राष्ट्रीय समन्वयक विरेन्द्र साहू, संघ संयोजक सह प्रवक्ता उदय साहू सहित समाज के सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

जीवन का आधार है योग, इसके बिना कुछ नहीं : सूबेदार मेजर ब्रज भूषण

बिभा संवाददाता

बोकारो। विद्यार्थियों में योग विद्या के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बेकारो में आयोजित दोदिवसीय चतुर्थ योगासन क्रीड़ा प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हो गई। शहर के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे 250 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंडर- 9, अंडर- 14 (सब-जूनियर) और अंडर- 18 (जूनियर) आयुवर्गों में प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता की कलात्मक तथा पारंपरिक योग स्पधाओं में अपनी काबिलियत दिखाई। सभी वर्गों में समेकित प्रदर्शन के आधार पर डीपीएस बोकारो की

टीम ने एक बार पुनः ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब जीता। दूसरे स्थान पर गुरु गोविन्द सिंह पब्लिक स्कूल (जीजीपीएस), सेक्टर-5 और तीसरे पायदान पर एआरएस पब्लिक स्कूल की टीम रही।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि देश के जाने-माने बॉक्सिंग चैम्पियन द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सूबेदार मेजर ब्रज भूषण मोहंती ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया। श्री मोहंती ने योगासना स्पोर्ट एसोसिएशन ऑफ झारखंड के मुख्य संरक्षक, प्रतियोगिता आयोजक बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासना स्पोर्ट एसोसिएशन (बीडीवाईएसए) के अध्यक्ष एवं मेजबान डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के साथ प्रत्येक स्पर्धा के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री मोहंती ने योग को जीवन का आधार बताया। कहा कि इसके बिना कहीं कुछ भी नहीं। क्रीड़ा के रूप में योगासन के प्रति जिस प्रकार से आज चौतरफा क्रांति आई है, वह अपने-आप में सराहनीय है। इस दिशा में उन्होंने एसोसिएशन एवं डीपीएस बोकारो के प्रयासों को अनुकरणीय बताया। यहां आकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जिलास्तरीय इस आयोजन में बच्चों की जो उत्साहपूर्ण भागीदारी दिखी, वह किसी राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम से कम नहीं। उन्होंने यह प्रयास आगे भी जारी रखते हुए योगासन को ओलंपिक तक में सशक्त भागीदारी से प्रतिष्ठित करने का संदेश दिया। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने योग को सतत आगे बढ़ाने की दिशा में एसोसिएशन और विद्यालय की ओर से हरसंभव सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही, सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागी बच्चों, उनके शिक्षकों एवं समस्त सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसके पूर्व, समापन समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि के स्वागत और छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत प्रेम, प्रकृति व जीवन के उत्सव को दर्शाते मनभावन आसामी लोकनृत्य से हुई। डॉ. गंगवार ने एसोसिएशन की राज्य इकाई के महासचिव चंदू कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष एवं प्रतियोगिता के तकनीकी निदेशक प्रशांत कुमार सिंह सहित तकनीकी पदाधिकारियों में चैताली मुखर्जी, उषा शर्मा, अजय कुमार महतो, पूजा सिंह, रितिका जोशी, प्रदीप कुमार साहु और बोकारो इकाई की संयुक्त सचिव निभा कुमारी को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

झारखंड कबड्डी संघ की बैठक संपन्न, जून के दूसरे सप्ताह में होंगे चुनाव

बिभा संवाददाता

बोकारो। झारखंड राज्य कबड्डी संघ की विशेष बैठक रविवार को यहां आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता महासचिव संजय कुमार झा ने की। बैठक में राज्य संघ की वर्ष 2026झ2030 के लिये नई कार्यकारिणी गठन का मसला मुख्य रूप से चर्चा में रहा और निर्णय लिया गया कि जून के दूसरे सप्ताह में निर्वाचन के माध्यम से नई कमेटी का गठन किया जाएगा।

बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सभी जिला कबड्डी संघ 31 मई तक अपने-अपने स्तर पर बैठक कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर राज्य संघ को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बैठक से पहले पूर्वी एवं पश्चिमी जिला कबड्डी संघ के पदाधिकारियों ने विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया। वर्ष 2026झ27 के लिये सर्वसमिति द्वारा खेल कैलेंडर भी तैयार किया गया। साथ ही झारखंड राज्य कबड्डी संघ की विभिन्न उप-समितियों का गठन किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से संघ के अध्यक्ष तपन रावत, महासचिव संजय कुमार झा, कोषाध्यक्ष हरीश कुमार और टेक्निकल बोर्ड के अध्यक्ष ए.एम. त्रिपाठी उपस्थित थे।

अन्य उपस्थित प्रतिनिधियों में एम.पी. सिंह, तिलक साहू, रमेश साहू, शिव कुमार के साथ बोकारो से मनोज कुमार शर्मा, दीपक कुमार, अनवर मुश्ताक, दीपक तिवारी, श्यामल दास, जगदेव गोप, सुशील कुमार हसल, तिलक साहू, शिव प्रसाद, ओम प्रकाश साहू, जंगेल, जसवंत साहू, बसंती प्रसाद, दीपिका कुजूर, अनु पुर्ती, कुमारी नीतू नाग और नेहा सहित विभिन्न जिलों के अध्यक्ष, सचिव व प्रतिनिधि शामिल थे।

संगठन ने यह भी घोषणा की कि सीनियर राज्य कबड्डी प्रतियोगिता चार मई से धनबाद में आयोजित की जाएगी। आयोजन से जुड़ी तैयारियों का समन्वय तथा आवश्यक व्यवस्थाओं पर जल्द ही विस्तृत निर्देश जारी किए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ स्वदेशी जागरण मंच कार्यालय का उद्घाटन

बोकारो(बिभा) : स्वदेशी जागरण मंच बोकारो के कार्यालय का विधिवत उद्घाटन कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। पूजा के मुख्य जजमान स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय मेला प्रमुख सचिंद्र कुमार बरियार की अगुवाई में पूजा पाठ व हवन के साथ कार्यालय का विधिवत उद्घाटन हुआ। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय प्रयांशी जगन्नाथ शाही, मंच के क्षेत्रीय संयोजक राजेश उपाध्याय ,पूर्व विधायक बीरांची नारायण, रोहित लाल सिंह, अमरेंद्र कुमार सिंह, अजय चौधरी 'दीपक' आदि सामूहिक रूप से पूजा हवन में शामिल हुए। इस मौके पर मंच के अखिल मेला प्रमुख सचिंद्र कुमार बरियार ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच का अपना कार्यालय होने से स्वदेशी आंदोलन को और मजबूती मिलेग। उन्होंने कहा कि स्थाई कार्यालय होने से स्वदेशी की रणनीति को बल मिलेगी। इस मौके पर विवेकानंद झा प्रमोद कुमार सिन्हा जिला संयोजक, रोहित लाल सिंह, के के बोराल , विवेक सिंह, दीपक चौधरी, अजय सिंह, ददन प्रसाद, जयशंकर प्रसाद, कुमार संजय, नवीन सिन्हा, बिनोद चौधरी, पूनम सिन्हा, मनोरमा चौधरी, अनुजा सिंह, राधा सिंह, अनीता सिंह, प्रतिमा प्रसाद, आशा सिन्हा,विवेकानंद झा, राम टहल सिंह एवं दर्जनों कार्यकताओं के साथ अनुषंगी के पदाधिकारी और आम नागरिक उपस्थित थें.

युवा राजद ने चास प्रखंड में सफल सदस्यता अभियान चलाकर जनसमर्थन जुटाया

बोकारो(बिभा) । युवा राष्ट्रीय जनता दल (युवा राजद), बोकारो जिला ने संगठन विस्तार और पार्टी विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से चास प्रखंड के बांधडीह व अलकुसा क्षेत्र में एक व्यापक सदस्यता अभियान चलाया। अभियान में स्थानीय युवाओं, कार्यकताओं एवं आमजन की बड़ी संख्या में उपस्थिति और उत्साह देखा गया, जिससे संगठन की बढ़ती लोकप्रियता और जनविश्वास की तस्वीर उभरकर आई। कार्यक्रम के दौरान संगठन ने क्षेत्रीय नेतृत्व को और सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां भी कीं। श्री कंचन पासवान उर्फ कंचन हाजरा को चास प्रखंड अध्यक्ष तथा श्री अर्जुन हाजरा को चास प्रखंड सचिव नियुक्त किया गया। दोनों नेताओं को संगठन की नीतियों, सिद्धांतों एवं सामाजिक न्याय की विचारधारा को गांव-गांव तथा घर-घर तक पहुँचाने और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। युवा राष्ट्रीय जनता दल, बोकारो जिला ने बताया कि वह आगे भी ऐसे जागरूकता और सदस्यता अभियानों के माध्यम से पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करता रहेगा और समाज के हर वर्ग की समस्याओं व अपेक्षाओं को प्रमुखता देगा।

दुग्दा में तार बदलते समय पोल गिरा; ठेकेदार मजदूर गंभीर रूप से घायल, बोकारो रेफर

बोकारो (दुग्दा)(बिभा): महेश सिनेमा हॉल के पीछे बने विद्युत पोल पर तार बदलते समय पोल सहित पोल पर काम कर रहे ठेका मजदूर नागेश्वर महतो जमीन पर गंभीर रूप से गिर गए। साथी कर्मियों की सहायता से उन्हें तुरन्त डीवीसी चंद्रपुरा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत देखते हुए उन्हें मुस्कान अस्पताल, बोकारो रेफर कर दिया गया। उनका इलाज वर्तमान में जारी है। घटना का संबंध 13 मई को महेश टाकिज के पास लगे 25 केवीए ट्रांसफॉर्मर से जुड़ी तकनीकी खराबी से है। उस दिन एलटी की तार टूटकर गिरने के कारण ट्रांसफॉर्मर के स्पर्श में आने से चार मवेशियों की मौत हो गई थी। झारखंड विद्युत वितरण निगम के एसडीओ तेनुघाट के निर्देश पर मेसर्स रायल इंटर प्राइजेज नामक ठेका कंपनी से टूटे हुए पोल और तारों की मरम्मत का काम कराया जा रहा था। स्थानीय लोगों और अस्पताल सूत्रों के अनुसार, मरम्मत कार्य में लगे ठेका मजदूरों को आवश्यक सुरक्षा किट प्रदान नहीं की गई थी। ठेकेदार की ओर से सुरक्षा उपक्रम न अपनाने के कारण मजदूर कार्य के दौरान लोहे के पोल के साथ जमीन पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल मजदूरों में से नागेश्वर महतो की हालत सबसे गंभीर बताई जा रही है। एसडीओ तेनुघाट ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की विस्तृत जांच करायी जाएगी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। वहीं स्थानीय निवासी और काम में लगे मजदूरों ने ठेकेदार पर सुरक्षा उपकरण उपलब्ध न कराने का आरोप लगाया है। पुलिस और विद्युत विभाग की टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया है। अस्पताल अधिकारियों ने बताया कि मरीज की हालत स्थिर नहीं है और आगे की चिकित्सा रिपोर्ट आने पर उपचार जारी रहेगा।

चास नगर निगम क्षेत्र में पानी मीटर चोरी से दहशत, 10-12 घर बने निशाना

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो) : चास नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 17 अंतर्गत बेंदिटार स्थित गांधीनगर मोहल्ले में पानी के मीटर की चोरी की घटना ने लोगों में भय और चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। रविवार को पूरे इलाके में यही घटना चर्चा का प्रमुख विषय बनी रही।

जानकारी के अनुसार, शनिवार की रात नगर निगम द्वारा पाइपलाइन के माध्यम से घरोंमें पानी की आपूर्ति की जा रही थी। इसके लिए प्रत्येक घर में पानी की खपत मापने हेतु मीटर लगाए गए थे, जिसके आधार पर

उपभोक्ताओं से शुल्क लिया जाता है। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने करीब 10 से 12 घरों के पानी के मीटर चोरी कर लिए।

घटना का खुलासा तब हुआ जब सुबह पानी की सप्लाई शुरू हुई और कई घरों में टंकी भरने के बजाय पानी बाहर बहने लगा। संदेह होने पर जब लोग बाहर निकले तो पाया कि उनके घरों से पानी के मीटर गायब हैं। पड़ोसियों से पूछताछ करने पर पता चला कि कई अन्य घर भी इसी चोरी का शिकार हुए हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और लोगों के बीच यह मामला चर्चा का विषय बन गया। स्थानीय लोगों ने संबंधित थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

इधर, लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से लोगों में असुरक्षा की भावना गहराने लगी है। निवासियों का कहना है कि जब घरों के बाहर लगे पानी के मीटर ही सुरक्षित नहीं हैं, तो घरों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता स्वाभाविक है। उन्होंने प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

करेंट लगने से पत्रकार की पत्नी की मौत

बोकारो। चंद्रपुरा की डीवीसी आवासीय कॉलोनी के पश्चिम पल्ला में रविवार सुबह करंट लगने से 33 वर्षीय नीलम बरनवाल की दर्दनाक मृत्यु हो गई। मृतका स्थानीय पत्रकार सुभाष बरनवाल की पत्नी थीं। घटना रविवार सुबह करीब 8 बजे तब सामने आई जब सुभाष घर लौटे और पत्नी को आंगन में गिरी हुई पाया। उनके शरीर पर विद्युत तार सटा हुआ था। समाचार मिलने पर मौके पर मौजूद लोगों ने तार हटाने का प्रयास किया; सहायता करते समय सुभाष को भी करंट लगा। बाद में पड़ोसियों की मदद से दोनों को पिलास लेकर चंद्रपुरा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने नीलम को मृत घोषित कर दिया। सुभाष को प्राथमिक उपचार के बाद सुरक्षित कर दिया गया। नीलम बरनवाल पतंजलि योग समिति से जुड़ी थीं और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती थीं। उनकी मौत की खबर फैलते ही स्थानीय पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में महिलायें घटनास्थल पर एकत्रित हो गईं और शोक व्यक्त किया।

नाराज होकर भागा 13 वर्षीय नाबालिग इटावा से बरामद, परिजनों के हवाले

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो के बी एस सिटी थाना पुलिस ने रविवार को स्ट्रीट नंबर 7 एवं क्वार्टर संख्या 140 निवासी मुकेश कुमार राय के 13 वर्षीय पुत्र सूरज को उत्तर प्रदेश के इटावा से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने देर शाम बच्चे को परिजनों के हवाले कर दिया।

थाना पदाधिकारी ने बताया कि सूरज 11 मई को परिजनों से डांट-फटकार के बाद घर से नाराज होकर भाग गया था। परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद 12 मई को बी एस सिटी थाना में बच्चे की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना की ओर से तलाशी अभियान शुरू किया गया।

खोजबीन में बी एस सिटी थाना के पुं.-अं.-नि. विरेन्द्र खाखा की भूमिका निर्णायक रही। उन्होंने

लगातार जांच-पड़ताल कर और संबंधित स्थानों से संपर्क कर आखिरकार रविवार को सूरज को उत्तर प्रदेश के इटावा से बरामद किया। थाना ने बताया कि बच्चे की तबीयत ठीक है और सुरक्षा में किसी तरह की अनहोनी नहीं हुई। परिजन पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट दिखे और उन्होंने अपने बच्चे को सुरक्षित लौटाने के लिए थाने की टीम तथा विशेष तौर पर विरेन्द्र खाखा का धन्यवाद किया। पुलिस का कहना है कि इस तरह के मामलों में समय पर सूचना व सहयोग मिलने पर बच्चे को सुरक्षित वापस लाया जा सकता है।

बालीडीह थाना क्षेत्र में करहरिया निवासी बिनोद महतो की संदिग्ध हाल में मौत, पुलिस जांच में जुटी

बिभा संवाददाता

बोकारो: बालीडीह थाना क्षेत्र के करहरिया पंचायत अंतर्गत कशियाटांड़ गांव में शनिवार रात करहरिया निवासी 45 वर्षीय बिनोद महतो का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। मृतक के सर, पेट और पीठ पर कई जगह चोट के निशान देखे गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही बालीडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के लिए खोजी कुत्ते का भी सहारा लिया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घटना के संबंध में पुलिस अधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों से पूछताछ जारी है और हत्या के

कारण व आरोपियों की भूमिका का पता लगाने के लिए पटाक्षेप किए जा रहे हैं। फिलहाल किसी भी संभावित संदिग्ध की गिरफ्तारी की सूचना नहीं मिली है।

मृतक के परिवार ने कहा कि बिनोद महतो अधिकांश समय बाहर मजदूरी करता था और गांव में अक्सर अकेला रहता था। उसके पुत्र उदय कुमार साव ने बताया कि बिनोद कभी-कभार ही गांव में रहते थे और शुक्रवार रात वह घर आए थे। घटना शनिवार रात को हुई। उदय वर्तमान में पेटरवार स्थित ननीहाल में मां और बहन के साथ रहकर पढ़ाई कर रहा है। घटना की सूचना मिलने पर वह पेटरवार से गांव आया।

मृतक के पिता छोटू महतो ने बताया कि उनका परिवार गांव के मुहाने पर सूरज मोड़ में रहता है। रविवार सुबह ग्रामीणों ने उन्हें घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने पोते को भी सूचित किया।

पुलिस ने कहा कि शव का पोस्टमार्टम कराकर हत्या के कारण व समय की पुष्टि की जाएगी। बालीडीह थाना मामले की आगे की कार्रवाई कर रही है और ग्रामीणों से मिली सूचनाओं के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास जारी है।

एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर-4एफ में संध्या काल ग्रीष्मकालीन शिविर सम्पन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल, सेक्टर-4 एफ में 11 से 15 मई तक आयोजित संध्या कालीन ग्रीष्मकालीन शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। विद्यालय के प्राचार्य फादर डा. जोशी वर्गीस ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में टीम भावना और विभिन्न कौशलों का विकास कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था।

शिविर के दौरान छात्रों को विविध गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिला। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में बच्चों को चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाना सिखाया गया और उन्हें गीत व नृत्य की बारीकियों से परिचित कराया गया। छात्र रोमांचक रोबोटिक्स व टीम चैलेंज में भाग लेकर तकनीकी और टीमवर्क क्षमताओं का प्रदर्शन

कर सके। स्नैक फेस्ट और नो-फायर कुकिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने बिना आग के स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर कौशल दिखाया।

अभिभावकों के लिए आयोजित पेयरेंट-चाइल्ड बांडिंग गेम्स ने भी खूब उत्साह और जुड़ाव पैदा किया; माता-पिता ने अपने बच्चों के साथ खेलों में भाग लेकर यादगार पल बिताए। शिविर का मुख्य आकर्षण रेन डांस रहा, जिसमें बच्चों ने उमंग के साथ भाग लिया और मस्ती भरे क्षण बिताए।

प्रभारी बिन्सी मधुर, नेहा सहगल और कंचन सिंह सहित अन्य शिक्षक और सहयोगियों के समर्पित प्रयासों से यह शिविर सफल रहा। प्राचार्य फादर डा. जोशी वर्गीस ने कहा कि ग्रीष्मावकाश में इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को अपनी तैयारी का आकलन करने, सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने और बहुमुखी विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने में सहायक होते हैं।

रामनगर कॉलोनी, चास, भोलूर बांध मैदान में विशाल हिन्दू सम्मेलन संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। शताब्दी वर्ष के निमित्त विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में अखिल भारतीय स्तर पर सकल हिन्दू समाज द्वारा बस्ती सह ₹हिन्दू सम्मेलन₹ की कड़ी में वीर सावरकर नगर के 'रामनगरकालोनी, भोजपुर कालोनी, गुजरात कालोनी, कैलाश नगर एवं मेन रोड' बस्ती का सम्मेलन आज ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा रविवार, 17 मई, 2026 को भोलूर बांध मैदान, रामनगर कॉलोनी, चास में संपन्न हुआ। सम्मेलन में रामनगर कालोनी, भोजपुर कालोनी, गुजरात कालोनी, कैलाश नगर एवं मेन रोड में निवास करने वाले सनातनी परिवार मातृ शक्ति

बड़ी संख्या के साथ इस सम्मेलन में अपनी भागीदारी की।

हिन्दू सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह संजय कुमार जी ने उपस्थित सभी सनातनियों को

संबोधित करते हुए सर्वप्रथम हिन्दू सम्मेलन के आयोजन हेतु उपस्थित सकल हिन्दू समाज के प्रति विशेष आभार प्रकट किया। उन्होने कहा कि संघ के लिए राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि है। संघ का उद्देश्य राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान देना और समाज को एकजुट कर देश की प्रगति में योगदान करना है। उन्होंने वर्ष 1925 में विजयादशमी के अवसर पर महाराष्ट्र के मोहितेबाड़ा में संघ की स्थापना से लेकर आज 100 वर्ष पूर्ण करने तक की गतिविधियों पर क्रमवार विवरण प्रस्तुत करते हुए संघ की संगठनात्मक परंपरा, अनुशासन और राष्ट्र सेवा के आदर्शों पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने शताब्दी वर्ष में संघ के पंच परिवर्तन के संकल्प का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि इसे अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। इनमें 'स्व का भाव' के अंतर्गत आम गौरव और राष्ट्रीय अस्मिता पर बल, 'कुटुंब प्रबोधन' के अंतर्गत परिवारों में संस्कार और संवाद, 'सामाजिक समरसता' के अंतर्गत समाज के सभी वर्गों में समानता और एकता, 'पर्यावरण' के अंतर्गत प्रकृति संरक्षण और सतत विकास तथा एक विषय 'नागरिक कर्तव्य' है जिसमें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा है। हिंदू समाज की एकता में सबसे बड़ी बाधा जाति है, इसके लिए समाज को मजबूती से खड़ा होना होगा। हिन्दू सम्मेलन का उद्देश्य समाज के लिए मार्गदर्शन तैयार करना है हिन्दू सम्मेलन के माध्यम से उन्होंने संघ के संकल्पों को दोहराते हुए समाज से अधिक निकट से जुड़ने और राष्ट्रीय हित में सक्रिय योगदान का आह्वान किया। हिंदू समाज में नेतृत्व क्षमता का विकास एवं एक दुसरे के प्रति सहयोगात्मक भावना विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा।

कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना के उपरांत विभिन्न धुनों में हनुमान चालीसा का पाठ से हुआ। दीप प्रज्जवलन के साथ मंचीय कार्यक्रम की शुरूआत हुई प्रताप जायसवाल के साथ कलाकारों द्वारा भक्तिमय भजन के गायन के पश्चात पतंजली महिला योग समिति के मातृशक्ति द्वारा भारत माता आरती गाया गया। ग्रीन फील्ड्स स्कूल के अंकित कुमार के द्वारा एक बच्चे की सोच कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। अगला कार्यक्रम रामचरितमानस पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित जनों का भरपूर सहभागिता रही प्रश्नों का सही उत्तर देने वालों को उपहार के रूप में हनुमान चालीसा दिया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर समाज के लिए कुछ ना कुछ योगदान देने वाले वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया गया सम्मानित होने वालों में पुजारी मिथिलेश पाण्डेय, पुजारी निर्मल पाण्डेय, दयाराम परमार, जया सिंह, दुर्गा देवी, अनंत कुमार सिन्हा, आनंदी स्वर्णकार, दिलीप धीवर, सुरेश ठाकुर, शंकर साव, अंजनी कुमार रूपक, सज्जन अग्रवाल, सोहन लाल रूप राय, विवेक सिंह, परिंदा सिंह, प्रताप जायसवाल, चिन्मया मिशन प्रमुख रहे।

सम्मेलन को सफल करने वालों प्रमुख रूप से रूद्रदेव उपाध्याय, विजय प्रसाद, अशोक कुमार जगनानी, राम बालक भगत, आयुष कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार शर्मा, कृष्ण कुमार, अरूण कुमार सिंह, विष्णु देव प्रसाद, दयाराम परमार, कन्हैया श्री, गौरीशंकर सिंह, मनोज पाठक, कौशल किशोर, सुबोध कुमार, राज कुमार, कुमार अक्ष, हर्ष वर्मा, कार्तिक वर्मा, ऋषि कुमार, राम लखन, मा0 रंजीत वर्णवाल, संदीप तिवारी, रतन लाल महतो, जैनेन्द्र चौहान, शशि सुमन, दिनेश्वर सिंह, सुरेन्द्र कुमार, देवेन्द्र कुमार, पंकज कुमार सिंह,एवं मनोज अग्रवाल, प्रशांत कुमार।

रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में महिला कैदी के यौन शोषण का आरोप, नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गंभीर आरोपों से भरा एक पत्र लिखते हुए राज्य की जेल प्रशासन व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। पत्र में उन्होंने राजधानी रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में एक महिला कैदी के कथित यौन शोषण, उसके गर्भवती होने और पूरे मामले को दबाने के लिए उच्च अधिकारियों की मिलीभगत का आरोप लगाया है।

मरांडी ने अपने पत्र में कहा कि उन्हें विश्वसनीय और सत्यापित प्रशासनिक सूत्रों से जानकारी मिली है कि जेल परिसर के भीतर एक महिला कैदी का लगातार मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह शोषण जेल के सर्वोच्च पद पर बैठे काराधीक्षक द्वारा किया गया, जिसके परिणामस्वरूप महिला कैदी गर्भवती हो गई है।

नेता प्रतिपक्ष ने इसे राज्य की कानून-व्यवस्था और जेल प्रशासन की गंभीर विफलता बताते हुए कहा कि जिस स्थान पर कैदियों की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित होना चाहिए, वहीं अपराध और शोषण को संरक्षण दिया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय प्रशासनिक तंत्र इसे दबाने में जुट गया। कारा महानिरीक्षक स्तर तक के अधिकारी इस पूरे प्रकरण को रफा-दफा करने, फाइलों को गायब करने और संबंधित काराधीक्षक को संरक्षण देने में लगे हुए हैं।

मरांडी ने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं बल्कि जेल के भीतर लंबे समय से चल रहे ह्रसंगठित आपराधिक तंत्रह्व का हिस्सा है। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया कि मामले को सार्वजनिक होने से रोकने के लिए जेल कर्मचारियों और संभावित गवाहों को प्रभावित करने के लिए बड़े पैमाने पर धन और रिश्वत का इस्तेमाल किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकारी प्रभाव और सत्ता के बल पर सच को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जो प्रशासनिक व्यवस्था के चरित्र को उजागर करता है।

मरांडी ने यह भी कहा कि वैज्ञानिक और कानूनी साक्ष्यों को मिटाने की कोशिशें जारी हैं। उनके अनुसार, गर्भवती महिला कैदी को बीमारी और इलाज के बहाने बार-बार जेल से बाहर गुप्त स्थानों और अस्पतालों में ले जाया जा रहा है ताकि चिकित्सकीय हस्तक्षेप के जरिए जैविक और फॉरेंसिक साक्ष्यों को नष्ट किया जा सके। साथ ही, इस पूरे घटनाक्रम के प्रत्यक्षदर्शी कुछ कर्मचारियों और गवाहों का रातों-रात तबादला कर दिया गया है।

उन्होंने मुख्यमंत्री सोरेन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा आरोपित काराधीक्षक और कारा महानिरीक्षक के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए।

मरांडी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो यह माना जाएगा कि राज्य सरकार और शीर्ष अधिकारी इस पूरे प्रकरण में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं।

इस मामले को लेकर राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। विपक्ष ने सरकार पर जेल प्रशासन में भ्रष्टाचार और अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है, जबकि सरकार की ओर से इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

हजारीबाग में वट सावित्री पूजा पर चेन छिनतई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

दो अपराधी गिरफ्तार, मंगलसूत्र और स्कूटी बरामद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस ने वट सावित्री पूजा के दौरान व्रतियों की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चेन छिनतई करने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने कोर्रा थाना क्षेत्र स्थित विनोबा भावे यूनिवर्सिटी के पास से दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से छीना गया सोने का मंगलसूत्र और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद कर ली गई है।यह जानकारी सदर एसडीपीओ अमित आनंद ने दी। उन्होंने बताया कि शनिवार को विनोबा भावे यूनिवर्सिटी के पास स्कूटी सवार दो अपराधियों ने एक दंपति को निशाना बनाया। अपराधियों ने चलती स्कूटी से महिला के गले से मंगलसूत्र छीन लिया और भागने लगे। हालांकि, होली क्रॉस स्कूल के पास मुस्तैद ट्रैफिक पुलिस और आम जनता ने साहस दिखाते हुए एक अपराधी को मौके पर ही दबोच लिया। सूचना मिलते ही कोर्रा थाना की गश्ती टीम ने उसे हिरासत में ले लिया।पकड़े गए अपराधी की पहचान पगमिल (लोहसिंगना) निवासी अरबाज खान के रूप में हुई। तलाशी में उसके पास से टूटा हुआ मंगलसूत्र मिला। कड़ाई से पूछताछ में अरबाज ने खुलासा किया कि वह अपने साथियों अहमद रजा और अन्य के साथ मिलकर शहर में चेन छिनतई करने वाला एक गिरोह चलाता है। वारदात में इस्तेमाल स्कूटी अहमद रजा की थी। अरबाज की निशानदेही पर पुलिस ने फ्रेंड्स कॉलोनी (पगमिल) में छापेमारी कर दूसरे आरोपी, 23 वर्षीय अब्दुल रहमान को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस फिलहाल इस गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

भीषण गर्मी में झील बनी सुकून का ठिकाना, परिवार संग पहुंच रहे लोग उठाने लुफ्त

हजारीबाग(बिभा): गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। तेज धूप और उमस भरी गर्मी से राहत पाने के लिए लोग अब प्राकृतिक और शांत वातावरण की ओर रुख कर रहे हैं। शहर की प्रसिद्ध झील इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जहां सुबह से लेकर शाम तक परिवार, बच्चे और युवा बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। झील किनारे ठंडी हवा और मनमोहक दृश्य लोगों को काफी सुकून दे रहे हैं। बच्चे नौका विहार और खेलकूद का आनंद ले रहे हैं, वहीं परिवार के लोग झील के किनारे बैठकर खुशनुमा पल बिता रहे हैं। कई लोग मोबाइल और कैमरे में सुंदर तस्वीरें कैद करते नजर आए।शाम होते ही झील क्षेत्र में रौनक और बढ़ जाती है। लोग चाय, नाश्ते और स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेते हुए मौसम का आनंद उठा रहे हैं। युवाओं में सेल्फी लेने और सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करने का भी खास उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के दिनों में झील क्षेत्र लोगों को मानसिक शांति और प्राकृतिक ठंडक प्रदान करता है। यही कारण है कि छुट्टी के दिन यहां लोगों की भीड़ और अधिक बढ़ जाती है।

चौथी एचडीसीए ऑल इंडिया ओपन फाइड रेटिंग चेस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन के तत्वावधान में तथा ऑल इंडिया चेस फेडरेशन एवं ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन की अधिकृत अनुमति से आयोजित चौथी एचडीसीए ऑल इंडिया ओपन फाइड रेटिंग चेस प्रतियोगिता 2026 का भव्य शुभारंभ शनिवार को विनोबा भावे विश्वविद्यालय मल्टीपरपज हॉल में हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे दिन मुकाबले पूरी तरह रोमांच, रणनीति और उत्साह से भर गए हैं प्रतियोगिता में प्रतिदिन दो-दो राउंड खेले जा रहे हैं और अब तक कुल चार राउंड संपन्न हो चुके हैं। तीसरे राउंड तक सुबीयान टुंडू अपने शानदार प्रदर्शन के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ी अपनी रणनीति और अनुभव का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। हर बोर्ड पर चल रहे मुकाबलों में खिलाड़ियों की निगाहें बिसात पर टिकी हैं और हर चाल के साथ जीत की उम्मीदें और मजबूत होती जा रही हैं। तीसरे राउंड की पेयरिंग में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। शीर्ष बोर्ड पर आईएम सुभयान कुंडू का मुकाबला विराट जालान से हुआ। वहीं सिकंदर अनीस का सामना अनुपतोष बिस्वास से, संबर्ता बनर्जी का मुकाबला अनिर्बान साहू से तथा पल्लब बाला की भिड़ंत राघव श्रीवास्तव से हुई।

आरोग्यम कुणाल महिला एवं शिशु अस्पताल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

हजारीबाग(बिभा) : शहर के खिरगांव स्थित मोमिन उर्दू गर्ल्स स्कूल परिसर में रविवार को आरोग्यम कुणाल महिला एवं शिशु अस्पताल की ओर से निःशुल्क स्त्री रोग एवं बाल रोग स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के आयोजन में वार्ड संख्या 32 के वार्ड पार्षद एमडी मुस्तकीम उर्फ मांदुल का विशेष सहयोग रहा। स्वास्थ्य शिविर में 250 से अधिक महिलाओं एवं बच्चों ने पहुंचकर मुफ्त स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श एवं निःशुल्क दवाइयों का लाभ उठाया। शिविर में नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश चंद्र ने बच्चों की स्वास्थ्य जांच करते हुए अभिभावकों को सही पोषण, समय पर टीकाकरण, साफ-सफाई एवं मौसमी बीमारियों से बचाव को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रीमा वर्मा ने महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, संतुलित भोजन, नियमित जांच तथा महिलाओं से जुड़ी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षद एमडी मुस्तकीम उर्फ मांदुल ने कहा कि समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने गरीब एवं जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से इस प्रकार के शिविरों को महत्वपूर्ण बताया तथा अस्पताल की इस पहल की सराहना की। शिविर को सफल बनाने में फहीमुद्दीन सहायक सचिव ताज्जुशरिया मस्जिद, एजाज आलम, अबराक हसन सहायक सचिव शमा लाइब्रेरी, एमडी साहबान, परवेज आलम, सुनील स्टोर, एमडी इशाक कैशियर मस्जिद ताजुस्सरिया, मोहसिन रजा, इस्तियाक अंसारी, साहाबुद्दीन, मोबास्सिर एवं सोहायेब का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ब्राउन शुगर के साथ तीन अपराधी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिले के कोर्रा थाना क्षेत्र में 17 मई को जिब्रालटर हाउस दीपूगढ़ा के पास से अवैध ब्राउन शुगर की बरामदगी तथा ब्राउन शुगर के साथ तीन (03) अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं। यह जानकारी सदर एसडीपीओ अमित आनंद ने दी। उन्होंने बताया कि रविवार को पुलिस अधीक्षक अमन कुमार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कोर्रा थाना क्षेत्र के जिब्रालटर हाउस दीपूगढ़ा में दो व्यक्तियों द्वारा अवैध ब्राउन शुगर की खरीद-बिकी की जा रही है। प्राप्त सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए उनके नेतृत्व में अमित आनन्द एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिब्रालटर हाउस दीपूगढ़ा के पास से तीन व्यक्तियों रौशन कुमार, उम्र करीब 21 वर्ष, पिता केदार दांगी, ग्राम लोवागड्?डा, थाना जिला-चतरा, संदीप कुमार दांगी, उम्र करीब 27 वर्ष, ग्र ग्राम-लोवागड्?डा, थाना+जिला-चतरा तथा सौरभ कुमार दांगी, उम्र करीब 22 वर्ष, पिता-योगेन्द्र प्रसाद, ग्राम-चापी, थाना शेरघाटी, जिला गया, बिहार वर्तमान पता-ग्राम-लोवागड्डा, थाना जिला-चतरा स्थित मामा कमल दांगी का घर कुल 20.5 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर के साथ रंगे हाथ पकड़े गये। इस संदर्भ में कोर्रा थाना में कांड संख्या 81 एनडीपीएस एक्ट दर्ज करते हुए प्राथमिक आरोपियो गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।सौरभ कुमार दांगी का अपराधिक इतिहास रहा है।उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहतगिद्धौर थाना कांड संख्या 70/23 और कटकमसांडी (पेलावल) थाना कांड संख्या 215/25 दर्ज हैं। उनके पास से तीन स्मार्टफोन ब्राउन शुगर-कुल 20.5 ग्राम, एक अपाची मोटरसाईकिल और एक क्रेटा कार बरामद किया गया है।छापामारी दल मे पुलिस निरीक्षक शाहिद रजा, बड़कागांव अंचल, नेमधारी रजक, थाना प्रभारी कोर्रा निशांत केरकेट्टा थाना प्रभारी लोहसिंगना, वेद प्रकाश पाण्डेय, ओ०पी० प्रभारी पेलावल, एसआई बिट्टू रजक, कोर्रा थाना और तकनीकि शाखा, हजारीबाग के पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल थे।

नवविवाहित ऋषभ और निधि ने की शादी के बाद पहली वटवृक्ष पूजा, सुख-समृद्धि की कामना

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग में वट सावित्री पूजा के अवसर पर नवविवाहित दंपति ऋषभ और निधि के लिए यह दिन बेहद खास रहा। शादी के बाद पहली बार निधि ने पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ वटवृक्ष की पूजा-अर्चना की। पारंपरिक परिधान और सोलह श्रृंगार में सजी निधि ने पति ऋषि की लंबी आयु, सुखमय वैवाहिक जीवन एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। पूजा स्थल पर सुबह से ही सुहागन महिलाओं की भीड़ उमड़ी रही। महिलाओं ने वटवृक्ष के चारों ओर धागा बांधकर कथा सुनी और पूजा संपन्न की। इस दौरान ऋषभ भी पत्नी निधि के साथ मौजूद रहे और दोनों की जोड़ी आकर्षण का केंद्र बनी रही।निधि ने बताया कि विवाह के बाद पहली वटवृक्ष पूजा उनके लिए भावनात्मक और यादगार पल है। वहीं परिवार के सदस्यों ने भी नवदंपति को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दामोदर नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ शहर के दो बच्चों की मौत दामोदर नदी में डूबने से हो गई। जबकि एक बच्चे की जान स्थानीय लोगों के सक्रियता और सूझबूझ से बची। पूरे दिन दामोदर नदी में शव की तलाश जारी रही। शाम को गढ़बांध चेकडैम के पास दोनों बच्चों का शव बरामद किया गया।

घटनास्थल पर मौजूद रामगढ़ अंचल अधिकारी रमेश रविदास ने बताया कि रामगढ़ शहर के मेन रोड, सुभाष चौक निवासी बबलू सोनकर का 14 वर्षीय पुत्र प्रिंस सोनकर और बिजुलिया तालाब के अयोध्या नगर निवासी दीपक कुमार वर्मा का 14 वर्षीय पुत्र वैभव अपने एक अन्य साथी बंगाली टेला निवासी आयुष के साथ नहाने दामोदर नदी गया हुआ था। गढ़बांध के पास बने चेकडैम में उन लोगों ने नहाना शुरू किया। इसी दौरान वे लोग नदी में गिरे। देखते ही देखते तीनों बच्चे गहरी नदी में समा गए। वहां पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाई और आयुष को डूबने से बचा लिया। लेकिन प्रिंस और वैभव को वे लोग नहीं बचा पाए।

रामगढ़ अंचल अधिकारी रमेश रविदास ने बताया कि जब बच्चे डूब रहे थे, उस समय वहां मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। जब वे बचाने में सफल नहीं रहे तो उनका शव ढूंढने का प्रयास किया। घंटों तलाश के बाद भी जब वे सफल नहीं हो पाए, तो पतरातू से चार गोताखोरों को बुलाकर नदी में तलाश शुरू की गई। लगभग 8 घंटे तक चली तलाश के बाद सबसे पहले वैभव शव निकाला गया। इसके बाद लगभग 1 घंटे बाद प्रिंस का शव निकाला गया।

बच्चों के डूबने की खबर जब परिजनों को मिली तो वह दामोदर नदी तट पर पहुंच गए। हर पल जब उन्हें बच्चों की खबर नहीं मिल रही थी तो वे लोग वहां रोने बिलखने लगे। परिजनों के चीत्कार से वहां मौजूद हर व्यक्ति का कलेजा दहल उठा। कोई बच्चों की मां को सांत्वना दे रहा था, तो कोई उसके पिता को ढांढ़स बांधते हुए नजर आया।

दोनों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। रामगढ़ अंचल अधिकारी रमेश रविदास ने बताया कि बच्चों के परिजनों को सरकारी प्रावधानों के अनुरूप सहायता प्रदान की जाएगी।

नाम इस्तेमाल, निमंत्रण नहीं; वेल्स ग्राउंड में मैच के दौरान भड़के विधायक प्रदीप प्रसाद

स्टेडियम किसी व्यक्ति विशेष की जागीर नहीं : प्रदीप प्रसाद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: शहर के ऐतिहासिक वेल्स ग्राउंड में टाटा स्टील और एचडीसीए टीम के बीच आयोजित क्रिकेट मैच के दौरान शनिवार को उस समय माहौल गर्म हो गया, जब हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद मैदान पहुंचकर आयोजन समिति एचडीसीए हजारीबाग जिला किक्रट संघ पर खुलकर नाराज हो गए। विधायक ने साफ शब्दों में कहा कि हर मैच और आयोजन में उनका नाम प्रमुखता से लिखा जाता है, लेकिन उन्हें आधिकारिक रूप से कभी आमंत्रित नहीं किया जाता और न ही किसी प्रकार की पूर्व सूचना दी जाती है। मैदान परिसर में मौजूद खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और पदाधिकारियों के सामने विधायक ने कहा कि वह हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के लाइफ टाइम मेंबर हैं। इसके बावजूद उन्हें लगातार नजरअंदाज किया जाना समझ से परे है।

विधायक ने कहा कि किसी भी संस्था में आजीवन सदस्य का अपना सम्मान और अधिकार होता है, लेकिन यहां स्थिति बिल्कुल उल्टा है। विधायक ने कहा कि वह केवल जनप्रतिनिधि ही नहीं, बल्कि लंबे समय से खेल और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। समाजसेवा के माध्यम से उन्होंने वेल्स ग्राउंड को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किया है और अब विधायक बनने के बाद भी उनकी प्राथमिकता खेल मैदानों का विकास और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए, लेकिन बार-बार उपेक्षा किया जाना दुखद है। इस दौरान विधायक ने क्रिकेट संघ की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि क्रिकेट एसोसिएशन को नए सिरे से व्यवस्थित करने की जरूरत है, ताकि आम खिलाड़ियों को उचित अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रतिभावान और गरीब परिवारों के बच्चों को भी खेलने और आगे बढ़ने का समान मौका मिलना चाहिए।

विधायक ने स्पष्ट कहा कि वेल्स ग्राउंड और स्टेडियम किसी व्यक्ति विशेष की जागीर नहीं है, बल्कि यह हजारीबाग की जनता की संपत्ति है और इसका लाभ जिले के हर खिलाड़ी तक पहुंचना चाहिए। मैदान पहुंचने के बाद विधायक ने एचडीसीए के सचिव बंटी तिवारी समेत अन्य पदाधिकारियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए स्पष्ट हिदायत दी कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आगे से किसी भी खेल आयोजन में जनप्रतिनिधियों और लाइफ टाइम सदस्यों को सम्मानपूर्वक सूचना और आमंत्रण देना सुनिश्चित किया जाए। वहीं विधायक के साथ मौजूद समर्थकों में भी नाराजगी देखने को मिली। समर्थकों ने कहा कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और संस्था के आजीवन सदस्य के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। कुछ देर तक मैदान परिसर में गहमागहमी की स्थिति बनी रही, हालांकि बाद में बातचीत के बाद मामला शांत हुआ।

जेईई एडवांस परीक्षा संपन्न, आईआईटी (आइएसएम) बनी छात्रों की पहली पसंद

बिभा संवाददाता

धनबाद। देश के प्रतिष्ठित 23 आईआईटी सहित अन्य शीर्ष तकनीकी संस्थानों में नामांकन के लिए रविवार को जेईई एडवांस परीक्षा आयोजित की गई। धनबाद में परीक्षा के लिए दो केंद्र बनाए गए थे, जहां सुबह से ही परीक्षार्थियों की भीड़ देखने को मिली। परीक्षा दो पालियों में हुई और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरती गई।

पहली पाली की परीक्षा सुबह ०9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा शुरू होने से काफी पहले ही छात्र-छात्राएं केंद्रों पर पहुंच गए थे। प्रवेश से पहले सभी अभ्यर्थियों की कड़ी जांच की गई और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी की गई। परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों की भी भारी भीड़ देखने को मिली।

पहली पाली की परीक्षा खत्म होने के बाद बाहर निकले छात्रों ने पेपर को संतुलित बताया। अधिकांश परीक्षार्थियों के अनुसार इस बार मैथ और फिजिक्स सेक्शन में कुछ सवाल चुनौतीपूर्ण थे, जबकि केमिस्ट्री अपेक्षाकृत आसान रही। छात्रों का कहना था कि नियमित तैयारी करने वालों के लिए पेपर ज्यादा कठिन नहीं था।

भूली निवासी परीक्षार्थी कुमार राज ने बताया कि उनकी परीक्षा काफी अच्छी गई है और उन्हें अच्छे अंकों के साथ क्वालिफाई करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उनका सपना कंप्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग करने का है और उनकी पहली पसंद आईआईटी (आइएसएम) धनबाद है। वहीं धनबाद की रहने वाली तनिष्का ने भी परीक्षा को संतुलित बताते हुए कहा कि सही समय प्रबंधन की वजह से वे सभी सवाल हल कर सकीं। उन्होंने कहा कि भविष्य में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाना उनका लक्ष्य है।

वहीं परीक्षा समाप्त होने के बाद अब छात्रों को रिजल्ट का इंतजार है, जिसके आधार पर देश के प्रतिष्ठित आईआईटी संस्थानों में दाखिला मिलेगा।

गौवंश ले जा रहा टाटा मैजिक जब्त, पांच गौवंश रेस्क्यू

बिभा संवाददाता

धनबाद। धनबाद के बिनोद बिहारी चौक के समीप रविवार की सुबह कथित गौ तस्करी के आरोप में लोगों ने एक टाटा मैजिक वाहन को पकड़ लिया। वाहन में गौवंशों को कथित रूप से ठूंस-ठूंस कर ले जाया जा रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन सहित पांच गौवंशों को कब्जे में लेकर धनबाद थाना ले गई। मामले में झारखंड गौहत्या प्रतिषेध अधिनियम और परिवहन नियमों के तहत कार्रवाई की मांग की जा रही है।

पवित्रम सेवा दल के सदस्यों के अनुसार रविवार की सुबह बिनोद बिहारी चौक के पास लोगों को तेज रफ्तार से गुजर रहे एक टाटा मैजिक वाहन पर संदेह हुआ। जब स्थानीय लोगों ने वाहन को रोकने का प्रयास किया तो चालक कथित रूप से वाहन लेकर भागने लगा। इसके बाद दुकानदारों और राहगीरों की मदद से वाहन को रोक लिया गया।

वाहन की जांच करने पर उसमें 10 गौवंश पाए गए। इनमें पांच दुधारू गाय, चार बछड़ियां और एक बछड़ा शामिल थे। आरोप है कि सभी गौवंशों को बेरहमी से बांधकर रखा गया था और वाहन में चारा-पानी की भी कोई व्यवस्था नहीं थी। वाहन को तिरपाल से पूरी तरह ढंका गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि चालक कोई वैध कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं दिखा सका।

इसी दौरान कथित रूप से कुछ लोगों की मदद से पांच दुधारू गाय मौके से भगा दी गईं। सूचना मिलने पर पुलिस और जीव-जंतु कल्याण बोर्ड की टीम मौके पर पहुंची और शेष बचे पांच गौवंशों को रेस्क्यू कर धनबाद थाना ले गई। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बहुपक्षवाद का संकट और डब्लूटीओ में सुधार की अनिवार्यता

लेखक

राजेश अग्रवाल

बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली औचित्य के गहरे संकट का सामना कर रही है। बीसवीं सदी के उत्तरार्ध और इक्कीसवीं सदी की शुरूआत में, विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) वैश्विक व्यापार का केंद्रीय स्तंभ था, जो नियम-आधारित व्यवस्था की पेशकश करने के साथ तटस्थता, पूवार्नुमेयता और निष्पक्षता का वादा करता था। हालांकि आज, ये वादे काफी कमजोर प्रतीत होते हैं। डब्लूटीओ में विश्वास की कमी, किसी एक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह संरचनात्मक असंतुलन, असमान प्रवर्तन और वैश्विक आर्थिक शक्ति के बदलते स्वरुप के संचयी प्रभाव को प्रतिबिंबित करती है।

इस संकट के मूल में है - वैश्विक उत्पादन का अत्यधिक केंद्रीकरण और आक्रामक व्यापार प्रथाओं की निरंतरता। समय के साथ, आपूर्ति श्रृंखलाएँ परस्पर अत्यधिक निर्भर हो गई हैं और उनका वितरण भी असमान है, जहाँ कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाएँ महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अनुपात से कई गुनी ज्यादा नियंत्रण रखती हैं। हालांकि, इस केंद्रीकरण ने कुछ मामलों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक कुशल बना दिया है, लेकिन इसने उन्हें काफी हद तक कमजोर भी बना दिया। व्यवधान–चाहे भू-राजनीतिक हो, आर्थिक हो, या पर्यावरण-संबंधी हों–अब प्रणालीगत नतीजे लेकर आते हैं। परिणामस्वरूप, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी अब केवल एक आर्थिक चिंता के रूप में नहीं देखी जाती; इसे अब राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक अस्तित्व के मामले के तौर पर देखा जाने लगा है।

धारणा में हुए बदलाव ने नीतिगत प्रतिक्रियाओं की एक ऐसी लहर को जन्म दिया है, जो बहुपक्षवाद के मौलिक सिद्धांतों को चुनौती देती हैं। देश घरेलू हितों की रक्षा के लिए संरक्षण उपायों, आक्रामक औद्योगिक नीतियों और निर्यात नियंत्रण को अपना रहे हैं। हालांकि ऐसी रणनीतियाँ अल्पकालिक सहनशीलता ला सकती हैं, लेकिन वे डब्लूटीओ की सहयोग भावना और कानूनी रूपरेखा को अक्सर कमजोर कर देती हैं। तकनीकी अवरोध, महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण और भू-राजनीतिक प्रभाव के उपकरण के रूप में बाजार पहुंच का बढ़ता उपयोग एक व्यापक परिवर्तन का संकेत देता हैः व्यापार अब केवल आर्थिक लेन-देन ही नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति के बारे में है।

डब्लूटीओ सदस्यों के बीच एक व्यापक रूप से मान्य दृष्टिकोण यह है कि संगठन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को उनके प्रतिबद्धताओं के प्रति जवाबदेह ठहराने में अक्षम रहा है और इसने वर्तमान स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जब नियम असमान रूप से लागू किए जाते हैं या प्रवर्तन तंत्र विफल हो जाते हैं, तो प्रणाली में विश्वास कमजोर हो जाता है। कई देशों में, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों में, यह धारणा मजबूत हुई है कि डब्लूटीओ अब एक निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में कार्य नहीं करता। इसके बजाय, इसे एक ऐसे संस्थान के रूप में देखा जाता है, जो तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के प्रति अनुकूल होने के लिए संघर्ष कर रहा है।

इस संदर्भ में, सुधार प्रयासों का केंद्रीय उद्देश्य डब्लूटीओ की विश्वसनीयता को बहाल करना हो गया है। यद्यपि डब्लूटीओ सुधार की आवश्यकता पर सदस्यों के बीच व्यापक सहमति है, फिर भी इसे हासिल करने के तरीके पर सहमति न के बराबर है। सुधार की संरचना और विषय वस्तु पर बहसें लगातार विवादास्पद होती जा रही हैं। याओंडे के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में, सदस्यों ने डब्लूटीओ के मूलभूत सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की, जिनमें निष्पक्षता, पारदर्शिता, समावेश और सहमति-आधारित निर्णय शामिल हैं। इन सिद्धांतों ने लंबे समय से डब्लूटीओ को अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से अलग बनाये रखा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी सदस्य, चाहे उनका आकार या उनकी आर्थिक शक्ति कुछ भी हो, वैश्विक व्यापार नियमों को अंतिम रूप देने में अपनी बात रख सकें। हालांकि, इन सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोग को, विशेष रूप से बहुपक्षीय समझौतों से जुड़ी चचाओं में, समस्याओं का सामना करना पड़ा है। ये समझौते डब्लूटीओ सदस्यों के उपसमूहों के बीच बातचीत के बाद तैयार किए गए हैं। इन्हें कई देश–विशेष रूप से वैश्विक उत्तर के देश –सहमति-आधारित नियम निर्माण की चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान मानते हैं। ऐसी सदस्यता के लिए, जहां विकास स्तर और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में व्यापक असमानताएँ मौजूद हैं, जटिल मुद्दों पर सर्वसम्मति प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। बहुपक्षीय समझौते आगे बढ़ने का एक तरीका प्रदान करते हैं, जिससे इच्छुक प्रतिभागी नए नियम स्थापित कर सकते हैं, इसमें उन देशों को रुकावट नहीं माना जाता, जो प्रतिबद्ध होने के लिए अभी तैयार नहीं हैं, ऐसी ही प्रणाली डब्लूटीओ से पहले गैट, 1947 (टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता) के तहत अस्तित्व में थी।

इस मुद्दे पर भारत का रुख एक सावधानीपूर्वक तैयार संतुलनकारी कार्य को दशार्ता है। नियम-निर्माण को आगे बढ़ाने में बहुपक्षीय समझौतों की क्षमता को स्वीकार करते हुए भारत ने लगातार मजबूत सुरक्षा उपायों की मांग की है, ताकि ऐसे समझौतों द्वारा बहुपक्षीय प्रणाली को कमजोर न होना सुनिश्चित हो सके। बहुपक्षीय समझौतों को प्रमुख डब्लूटीओ सिद्धांतों को दरकिनार नहीं करना चाहिए, मौजूदा कायार्देश को कमजोर नहीं करना चाहिए या गैर-प्रतिभागी सदस्यों के लिए नुकसानदेह नहीं होना चाहिए। उन्हें बहुपक्षीय रूपरेखा की जगह लेने के बजाय एक पूरक भूमिका निभानी चाहिए। भारत एक तदर्थ, समझौता-दर-समझौता मॉडल के बजाय बहुपक्षीय समझौतों को डब्लूटीओ संरचना में समेकित करने के लिए एक व्यापक और व्यवस्थित दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

सुधार बहस का एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा, संगठन के पिछले कायार्देशों को पूरा करने में विफलता से संबंधित है। यह कई विकासशील देशों के लिए असंतोष का एक प्रमुख कारण रहा है। ये अधूरी प्रतिबद्धताएं–जिनमें कृषि, विकास और विशेष व्यवहार प्रावधानों जैसे क्षेत्र शामिल हैं – केवल नियम बनाने की कमियों को ही नहीं दशार्ती, बल्कि वैश्विक व्यापार प्रणाली में लंबे समय से मौजूद असमानताओं को दूर करने के अवसरों की चूक को भी उजागर करती हैं।

विशेष रूप से कृषि, इन असंतुलनों की गंभीरता को दशार्ती है। विकसित देशों ने अपने कृषि क्षेत्रों को सब्सिडी देने में महत्वपूर्ण लचीलापन बनाए रखा है, जिससे उनके किसान वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहते हैं। वहीं, विकासशील देशों को अपने किसानों को दिए जाने वाले समर्थन के प्रकारों और स्तरों में प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है। यह विषमता संरचनात्मक असुविधाओं को बनाए रखती है, वैश्विक दक्षिण में लाखों लोगों की आजीविका को कमजोर करती है और वैश्विक व्यापार प्रवाह को विकृत करती है। कृषि से परे, ऐसी न्यायसंगत रूपरेखाओं की मांग बढ़ रही है, जो प्रौद्योगिकी स्थानांतरण और क्षमता निर्माण को नियंत्रित करती हैं। तेज तकनीकी प्रगति के युग में ज्ञान, नवाचार और ज्ञान-कौशल तक पहुँच आर्थिक विकास का एक प्रमुख निर्धारक बन गया है। फिर भी, मौजूदा नियम अक्सर मौजूदा पदानुक्रम को मजबूत करते हैं, जिससे विकासशील देशों की मूल्य श्रृंखला में ऊपरी पायदान पर चढ़ने की क्षमता सीमित हो जाती है। अधिक समावेशी और संतुलित व्यापार प्रणाली बनाने के लिए इन असमताओं को दूर करना आवश्यक है।

विशेष और विभेदपूर्ण व्यवहार (एस एंड डीटी) पर बहस डब्लूटीओ सुधार की जटिलताओं को और अधिक उजागर करती है। एस एंड डीटी मूल रूप से सबसे कम विकसित और विकासशील देशों को गैर-पारस्परिक बाजार पहुँच और व्यापार प्रतिबद्धताओं को लागू करने में अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था, जो अब एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है। कुछ विकसित देशों का तर्क है कि स्व-निर्धारण की मौजूदा प्रणाली अपेक्षाकृत उन्नत अर्थव्यवस्थाओं को उन प्रावधानों से लगातार लाभ उठाने की अनुमति देती है, जो कम विकसित राष्ट्रों के लिए बनाए गए थे। भारत इन चिंताओं को स्वीकार करता है, लेकिन सकल आर्थिक आकार जैसे मनमाने पैमानों पर आधारित सरल समाधानों के प्रति आगाह भी करता है।

इसके बजाय, ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होना चाहिए कि एस एंड डीटी वास्तविक विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक प्रभावी उपकरण बना रहे। इसके लिए एक अधिक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है–ऐसा दृष्टिकोण, जो विकासशील दुनिया में मौजूद आर्थिक स्थितियों की विविधता को मान्यता देता हो और उसी के अनुसार लचीलापन तैयार करता हो। यह मुद्दा और भी जटिल हो जाता है, क्योंकि कई विकसित देशों ने कृषि सब्सिडी अधिकारों के संदर्भ में, जिसे कभी-कभी विपरीत एस एंड डीटी कहा जाता है, का फायदा उठाना जारी रखा है।

अंततः, बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का भविष्य इसके सदस्यों की प्रतिस्पर्धी हितों को सुलझाने और साझा संस्थानों में विश्वास पुनः स्थापित करने की क्षमता पर निर्भर करता है। चुनौतियाँ कठिन हैं, लेकिन हित इतने महत्वपूर्ण हैं कि उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक कमजोर डब्लूटीओ से एक विभाजित वैश्विक अर्थव्यवस्था को जन्म देने का खतरा है, जो एकपक्षीय और शक्ति-आधारित सौदेबाजी पर आधारित हो सकती है। इसके विपरीत, सुधार किये गये और फिर से सशक्त बनाये गये डब्लूटीओ में एक अधिक सुदृढ़, समावेशी और सहयोगात्मक वैश्विक व्यवस्था को आधार प्रदान करने की क्षमता है।

भारत की व्यापक व्यापार रणनीति, बहुपक्षीय मंचों में भागीदारी को द्विपक्षीय और क्षेत्रीय समझौतों के साथ जोड़ती है। जैसे-जैसे व्यापार नीति जटिल होती जा रही है–जिसमें नियामक मानक, डिजिटल शासन और आपूर्ति श्रृंखला का एकीकरण शामिल है–समान विचारधारा वाले भागीदारों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) मजबूत आर्थिक एकीकरण के महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरे हैं। हालांकि, वर्तमान में जारी चचाओं में भारत की रचनात्मक भागीदारी इस कार्य की तात्कालिकता और जटिलता, दोनों को प्रतिबिंबित करती है। संतुलित, समावेशी और भविष्य-केंद्रित सुधारों को समर्थन देकर, भारत यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि डब्लूटीओ तेजी से बदलती दुनिया में प्रासंगिक बना रहे–एक ऐसा संस्थान, जो न केवल व्यापार को प्रबंधित करने में सक्षम हो, बल्कि एक अधिक न्यायसंगत वैश्विक आर्थिक भविष्य को आकार देने की भी क्षमता रखता हो। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डब्लूटीओ व्यवसायों को निश्चितता, पूवार्नुमेयता, समावेशिता, समानता और सरलता प्रदान करता है, यानि नियम-आधारित व्यापार व्यवस्था।

व्यक्त किए गए विचार निजी हैं ।

(लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं ।)

संपादकीय

चुनाव तू फिर आना

नगर निगम चुनाव की हसरतों में राजनीति ने यह बता दिया कि आइंदा इस सफर की ओट में विकास की परिभाषा बदलेगी। विजन जिस तरह स्थानीय मुद्दों से सभी के आचरण तक पहुंचा, उससे स्वाभाविक तौर पर अंतर आएगा। चार नगर निगमों के बहाने आम नागरिक यह समझ सकता है कि चुनाव में टिके रहने के लिए राजनीति को अपने दूत सही करने पड़ेंगे। अफसोस यह कि पार्षदों से मेयर और मेयर बनने की मेहरबानियों से ये शहर गफलत में हैं, लेकिन शहरी चरित्र और जवाबदेही के विषय घूम फिर कर वापस आ गए। संकल्पों से हटकर राजनीति ने तू-तू, मैं-मैं की रट में एक लाजिमी बहस से किनारा किया और बीच-बीच में लगने लगा कि भाजपा सत्ता को कोस रही और कांग्रेस दिल्ली की सत्ता को कोस रही है। अगर चुनाव पारंपरिक राजनीति में उछलते वैमनस्य पर ही होने हैं, तो हम शहरी व्यवस्था को समझ ही नहीं रहे। यह दीगर है कि पार्टियों ने कुछ शहरी बिंदुओं पर चुनाव की फेहरिस्त बनाई है, लेकिन राज्य के लिए यह द्वार पूरी तरह नहीं खुला। कांग्रेस ने अपने विजन की वकालत में चारों शहरों को अपनी उमंगों से जोड? का मंतव्य समझाया। बेहतर होता सत्ता दल इस बहाने हिमाचल के शहरीकरण को संबोधित करता यानी पूरे प्रदेश के शहरों में अगले दशक में क्या तस्वीर होगी। कौन से व्यवस्थागत व ढांचागत परिवर्तन अहम होते। स्थानीय परिवहन या लोकल ट्रांसपोर्ट पर बहुत सा कार्य संभव है। जलापूर्ति और विद्युत आपूर्ति के नक्शे पर शहरीकरण की नई परिभाषा क्या होगी। बेशक नगर निगम चुनावों में हौले से कुछ ऐसे मुद्दे या संकल्प आए हैं, जो शहर को नई दृष्टि से देख रहे हैं। मसलन पर्यटन ने ऊंची आवाज देकर चुनाव से कहा है, 'मैं यहां हूं।' पालमपुर में 'पर्यटन सर्किट' खोजती भाजपा ने एक हुंकार भरा है, तो मंडी का शिवधाम और मंदिर प्रदक्षिणा के करीब चुनाव ने संभावना देखी है। सोलन की कसौटियां अभी भी नहीं समझीं कि महानगर बनने की आभा को बचाने की कितनी जरूरत है। कांग्रेस और भाजपा के घोषणा पत्रों का एक बड़ा युद्ध धर्मशाला में देखा गया। वादे सफेद चादर पर लिखे दाग हो जाएं, तो कौन अपनी चैन को मुगालते में देखेगा। यह इसलिए कि हर पार्टी और पार्टियों की हर सरकार ने शहरों को सियासत का मुर्गा बना दिया। राजनीति प्रभाव से कई सिंह द्वार अगर किसी विधानसभा क्षेत्र की पहचान हैं, तो यह कारनामा सिर्फ प्रचार है। प्रतीक और चिन्ह ढूंढते नेताओं ने हिमाचल की समग्रता को समझा ही नहीं। हर शहर अगर एक आर्थिक केंद्र तथा रोजगार का मंच है, तो विकास की योजनाएं इस आधार को आकार देतीं। हिमाचल के कई कस्बे व शहर अपने वजूद में, पर्यटन की मौलिकता के साथ हाजिर हैं, तो इनका विकास इसी लिहाज से होना चाहिए। कुछ शहर शिक्षा के हब बन रहे हैं, तो कुछ खेल गतिविधियों के केंद्र। कुछ युवा पर्यटकों के आकर्षण में फल फूल रहे, तो कई अन्य आयोजन के कारण मशहूर हैं। किसी शहर के नक्षत्र वहां के मंदिर तय कर रहे हैं, तो योजना अलग-अलग प्रारूप में होनी चाहिएं। क्या चुनाव के बाद मंडी को हम सांस्कृतिक राजधानी की क्षमता में खड़ा कर पाएंगे। क्या पालमपुर अपने परिवेश में चाय के बागीचों के संतुलन से 'पर्यटन सर्किट' का इतिहास लिखेगा।

चिंतन-मनन

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

सीमित धरती पर असीमित इच्छाएं : आखिर कब समझेगा इंसान?

लेखक

दिवाकर आनंद

आज मानव सभ्यता विकास के जिस शिखर पर खड़ी दिखाई देती है, उसी के नीचे एक बहुत बड़ा संकट भी धीरे-धीरे आकार ले चुका है। हम आधुनिकता, सुविधा और उपभोग की दौड़ में इतने आगे निकल आए हैं कि अब यह भूलते जा रहे हैं कि जिस धरती पर हम खड़े हैं, उसकी भी एक सीमा है। हमारे पास पृथ्वी केवल एक है। धरती सीमित है, जल सीमित है, खनिज संपदाएँ सीमित हैं, उपजाऊ मिट्टी सीमित है। यहाँ तक कि हमारी आय और आर्थिक संसाधन भी सीमित हैं। फिर प्रश्न उठता है कि जब सब कुछ सीमित है, तो हमारी जरूरतें असीमित क्यों होती जा रही हैं? आज इंसान जरूरत और लालच के बीच का अंतर भूल चुका है। पहले लोग वस्तुओं का उपयोग आवश्यकता के अनुसार करते थे लेकिन आज दिखावे और सुविधा के नाम पर अत्यधिक उपभोग जीवनशैली बन चुकी है। हर नया मोबाइल, नई कार, नए कपड़े, बड़ा घर, अत्यधिक यात्रा, अनावश्यक बिजली की खपत । सब कुछ एक ऐसी दौड़ बन गया है जिसका कोई अंत नहीं। धरती को अब बुखार आ गया है और विज्ञान इसे ग्लोबल वार्मिंग कहता है। हर वर्ष गर्मी नए रिकॉर्ड तोड़ रही है। कहीं भीषण सूखा है, कहीं अचानक बाढ़, कहीं जंगलों में आग, कहीं जल संकट। मौसम का संतुलन बिगड़ चुका है। हिमालय के ग्लेशियर पिघल रहे हैं, नदियाँ सिकुड़ रही हैं, भूजल समाप्त हो रहा है। किसान परेशान है, शहरों में हवा जहरीली हो चुकी है और आने वाली पीढ़ियाँ एक असुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ रही हैं। हम अक्सर सोचते हैं कि सिर्फ पेड़ लगा देने से या प्लास्टिक कम कर देने से धरती बच जाएगी। निस्संदेह यह अच्छे प्रयास हैं, लेकिन समस्या की जड़ कहीं अधिक गहरी है। असल समस्या है कि अत्यधिक उपभोग करना । यदि एक व्यक्ति दस वस्तुओं के स्थान पर सौ वस्तुएँ उपयोग करेगा, तो चाहे वह कितने भी पेड़ लगा ले, प्रकृति पर दबाव बढ़ता ही जाएगा। क्योंकि हर वस्तु के पीछे जल, ऊर्जा, खनिज और श्रम लगता है। एक मोबाइल बनाने में धरती से धातुएँ निकाली जाती हैं। एक कार बनाने में भारी मात्रा में ऊर्जा और संसाधन खर्च होते हैं। फैशन उद्योग अकेले ही करोड़ों लीटर पानी नष्ट करता है। अर्थात समस्या सिर्फ कचरे की नहीं है, समस्या जरूरत से अधिक उपभोग की है। आज समाज में सफलता का पैमाना बन गया है कि अधिक कमाओ और अधिक खर्च करो। लेकिन क्या यही वास्तविक विकास है? क्या वह समाज विकसित कहलाएगा जहाँ मॉल तो चमक रहे हों लेकिन नदियाँ सूख रही हों? क्या वह प्रगति है जहाँ एयर कंडीशनर बढ़ रहे हों लेकिन तापमान भी बढ़ता जा रहा हो? क्या वह आधुनिकता है जहाँ भोजन की बबार्दी बढ़े और दूसरी ओर करोड़ों लोग भूखे सोएँ ? सच्चा विकास वह है जो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रखे। जो प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चले। जो आवश्यकता और जिम्मेदारी दोनों को समझे। भारतीय संस्कृति हमेशा से संयम और संतुलन की शिक्षा देती आई है। हमारे ऋषियों ने सादा जीवन, उच्च विचार का मार्ग बताया। पहले लोग वस्तुओं को लंबे समय तक उपयोग करते थे। कपड़े फटने तक पहने जाते थे, चीजों की मरम्मत होती थी, भोजन की बबार्दी नहीं होती थी। लेकिन आज यूज एंड थ्रो संस्कृति ने धरती पर कचरे का पहाड़ खड़ा कर दिया है। यदि सच में धरती को बचाना है, तो हमें अपनी जीवनशैली बदलनी होगी। हमें स्वयं से आवश्यक प्रश्न पूछने होंगे कि क्या हर साल नया मोबाइल लेना जरूरी है, क्या छोटी दूरी के लिए वाहन का उपयोग आवश्यक है, क्या जरूरत से अधिक कपड़े खरीदना उचित है, क्या दिखावे के लिए अत्यधिक बिजली और पानी खर्च करना सही है, क्या हम आने वाली पीढ़ियों का हिस्सा आज ही समाप्त कर रहे हैं? धरती को बचाने का सबसे बड़ा उपाय है कम उपभोग, कम खरीदना, कम बबार्दी करना, कम संसाधनों में संतुष्ट रहना, जरूरत और लालच के बीच फर्क समझना। सरल जीवन ही श्रेष्ठ जीवन है। कम संसाधनों में भी खुश रहा जा सकता है एवं प्रकृति का सम्मान ही भविष्य की सुरक्षा है। यदि युवा पीढ़ी यह समझ जाए कि धरती माता केवल हमारी नहीं, आने वाली पीढ़ियों की भी है, तो बदलाव निश्चित है। हम अक्सर हर समस्या का समाधान सरकार से चाहते हैं और आज समाज में एक प्रवृत्ति बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है कि हर समस्या के लिए सरकार को दोष देना। बिजली अधिक खर्च हो रही है तो सरकार जिम्मेदार, पानी की कमी है तो सरकार जिम्मेदार, प्रदूषण बढ़ रहा है तो सरकार जिम्मेदार, जलवायु परिवर्तन हो रहा है तो सरकार जिम्मेदार। निस्संदेह सरकारों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण होती है। नीतियाँ बनाना, सुविधाएँ उपलब्ध कराना, व्यवस्था तैयार करना, यह सरकार का कार्य है। लेकिन क्या केवल सरकार के प्रयासों से समाज बदल सकता है? क्या कोई भी व्यवस्था तब सफल हो सकती है, जब नागरिक स्वयं जिम्मेदारी न निभाएँ । सच्चाई यह है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल सरकार नहीं तय करती, बल्कि उस देश के नागरिकों की आदतें और सोच भी तय करती हैं। सरकार हमें बिजली उपलब्ध करा सकती है, लेकिन कमरे से निकलते समय स्विच बंद करना या पूरी रात अनावश्यक पंखा और लाइट चलाना यह निर्णय हमें स्वयं लेना होता है। सरकार पानी घर तक पहुँचा सकती है, लेकिन नल खुला छोड़ देना या आवश्यकता से अधिक पानी बहाना यह हमारी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। सरकार सड़क बना सकती है, लेकिन सड़क पर कचरा फेंकना या साफ रखना यह हमारे संस्कार तय करते हैं। अधिकारों के साथ कर्तव्य भी आवश्यक हैं और आज हर व्यक्ति अपने अधिकारों की बात करता है, लेकिन कर्तव्यों की चर्चा बहुत कम होती है। हम चाहते हैं कि शहर साफ हों, लेकिन स्वयं कचरा सड़क पर फेंक देते हैं, हम चाहते हैं कि पानी की समस्या खत्म हो, लेकिन ब्रश करते समय नल खुला छोड़ देते हैं, हम चाहते हैं कि बिजली की कमी न हो, लेकिन जरूरत न होने पर भी लाइट और एसी चलते रहते हैं। यदि करोड़ों लोग प्रतिदिन थोड़ी-थोड़ी बबार्दी करते रहें, तो उसका परिणाम पूरे देश को भुगतना पड़ता है। सरकार कानून बना सकती है, लेकिन जिम्मेदारी की भावना परिवार और समाज से आती है। यदि माता-पिता बच्चों को बचपन से पानी और बिजली बचाने की आदत सिखाएँ, तो आने वाली पीढ़ी अधिक संवेदनशील बनेगी। यदि स्कूलों में केवल अंक नहीं, बल्कि संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी भी सिखाई जाए, तो समाज में बड़ा परिवर्तन आ सकता है। समस्या यह नहीं कि हमारे पास संसाधन कम हैं। समस्या यह है कि हमने संयम को पुराना विचार मान लिया है। एक बूंद पानी भले छोटी लगे, लेकिन करोड़ों बूंदें मिलकर नदियाँ बनाती हैं। उसी प्रकार करोड़ों लोगों की छोटी-छोटी गलत आदतें मिलकर बड़े संकट खड़े करती हैं। लेकिन जलवायु संकट केवल कानूनों से नहीं रुकेगा। यह तब रुकेगा जब समाज स्वयं अपनी आदतें बदलेगा। जब लोग जरूरत के अनुसार उपभोग करेंगे। जब परिवार बच्चों को सादगी का महत्व सिखाएँगे। जब सफलता का अर्थ केवल महंगी वस्तुएँ नहीं बल्कि जिम्मेदार जीवन होगा। धरती हमें लगातार संकेत दे रही है। बढ़ती गर्मी, प्राकृतिक आपदाएँ, जल संकट और प्रदूषण केवल समाचार नहीं हैं बल्कि ये प्रकृति की चेतावनियाँ हैं। यदि अब भी इंसान नहीं समझा, तो आने वाले समय में परिस्थितियाँ और भयावह होंगी। हमें तय करना होगा कि हम आने वाली पीढ़ियों को कैसी पृथ्वी देना चाहते हैं ।एक जलती हुई धरती या संतुलित और सुरक्षित भविष्य ? समय आ गया है कि हम विकास की परिभाषा बदलें। समय आ गया है कि हम जरूरतों को सीमित करें। समय आ गया है कि हम धरती का बोझ कम करें।

लेखक - दिवाकर आनंद, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, झारखण्ड माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से सम्मानित।

एचआईवी वैक्सीन की खोजः चुनौतियों के बीच चमकती उम्मीद

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया में एचआईवी एक खतरनाक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर रहा है। एचआईवी मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है और उपचार नहीं किए जाने पर एड्स में बदल सकता है। एड्स पहली बार 1981 में अमेरिका में रिपोर्ट किया गया था और देखते ही देखते यह एक विश्वव्यापी महामारी बन गया। एड्स ऐसी स्थिति होती है, जो संक्रमण से लड़ने की शरीर की क्षमता को बेहद कमजोर कर देती है। ऐसे व्यक्ति को तपेदिक, विभिन्न संक्रमण और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार विश्वभर में इस समय चार करोड़ से भी ज्यादा लोग एचआईवी से प्रभावित हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2021 में साढ़े छह लाख लोग एचआईवी से संबंधित कारणों से मारे गए और 15 लाख लोगों को एचआईवी हुआ। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि एचआईवी दुनियाभर में 4.01 करोड़ लोगों की मौत का कारण बन चुका है और अभी भी सभी देशों में एचआईवी संचरण देखा जा रहा है तथा कुछ देश तो नए मामलों में वृद्धि भी रिपोर्ट कर रहे हैं।

यही कारण है कि एचआईवी को आज भी सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक माना जाता है। एचआईवी संक्रमण का हालांकि अभी तक कोई कारगर इलाज नहीं है लेकिन आवश्यक और प्रभावी उपचार तथा देखभाल एचआईवी से पीड़ित लोगों को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है। लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी के लिए टीका विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालने के लिए 18 मई को 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' मनाया जाता है, जिसे 'एचआईवी वैक्सीन जागरूकता दिवस' भी कहा जाता है। वास्तव में यह उन वैज्ञानिकों और शोधकताओं के काम का सम्मान करने का अवसर है, जो लंबे समय से एचआईवी की रोकथाम के लिए टीका बनाने के लिए प्रयासरत हैं।

पहली बार 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भाषण का सम्मान करते हुए 18 मई 1998 को मनाया गया था। दरअसल बिल क्लिंटन ने 18 मई 1997 को मैरीलैंड में मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी में दिए अपने भाषण में इस घातक बीमारी को रोकने और उन्मूलन में टीकाकरण के महत्व पर जोर देते हुए एचआईवी का एक ऐसा टीका विकसित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा था कि एक प्रभावी एचआईवी टीका ही एचआईवी के प्रसार को नियंत्रित करने और उन्मूलन में मदद करेगा और एचआईवी से लड़ने की लोगों की क्षमता में सुधार करेगा। तभी से वैश्विक स्तर पर कई समूहों द्वारा लोगों को एड्स निवारक उपाय करने, एड्स संबंधी शिक्षा का प्रसार करने, शोधकताओं को प्रोत्साहित करने तथा इस कार्य में आम आदमी की पूर्ण भागीदारी का आश्वासन देने के लिए विश्व एड्स वैक्सीन दिवस मनाया जाता है। विभिन्न बीमारियों के उपचार और रोकथाम के लिए टीके मानवता की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य उपलब्धियों में से एक हैं, जो मानव शरीर को वायरस अथवा बैक्टीरिया के कमजोर या निष्क्रिय रूप में उजागर करके अपना काम करते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को एंटीबॉडी विकसित करने के लिए उत्तेजित करते हैं ताकि शरीर भविष्य के संक्रमण से भी लड़ सके। इसीलिए एक सफल एचआईवी टीका बनाने के लिए भी दुनियाभर के शोधकर्ता प्रयासरत हैं, जिससे वायरस के प्रसार को रोकते हुए लाखों लोगों की जान बचाने में मदद मिल सके। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में एड्स के टीके की खोज की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है लेकिन एक कारगर सार्वभौमिक एचआईवी वैक्सीन की राह में अभी भी काफी चुनौतियां बरकरार हैं।

एचआईवी का वर्तमान में कोई सुरक्षित इलाज नहीं है, एक बार जब वायरस शरीर में प्रवेश कर जाता है तो इसे हटाया नहीं जा सकता है लेकिन हाल के वर्षों में जीवन-रक्षक एंटीरेट्रोवायरल उपचारों के आगमन ने लाइलाज मानी जाने वाली एड्स की बीमारी को लेकर स्थिति को काफी बदल दिया है और इन उपचार पद्धतियों से इलाज कराकर लोग अब लंबा तथा स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी (एआरटी) प्रतिरक्षा प्रणाली को होने वाले नुकसान को रोक सकती है अथवा उलट सकती है। यदि रोगी एआरटी का पालन करते हैं तो ऐसे अधिकांश मरीज स्वस्थ रहते हैं। फिलहाल व्यापक रूप से तटस्थ एंटीबॉडी (बीएनएबीएस) की खोज भी एचआईवी उपभेदों की विस्तृत श्रृंखला को प्रभावी ढ़ंग से बेअसर करने में अहम भूमिका निभा रही है। इन एंटीबॉडीज ने एक ऐसी सार्वभौमिक एचआईवी वैक्सीन के विकास की आशा को प्रेरित किया है, जो वायरस के खिलाफ व्यापक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। एमआरएनए तथा वायरल वेक्टर प्रौद्योगिकियों जैसे वैक्सीन वितरण प्लेटफार्मों में प्रगति ने भी वैक्सीन विकास प्रयासों को तेज कर दिया है और सफलता की संभावनाएं काफी बढ़ गई है।

1987 में अमेरिका के मैरीलैंड में राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) में वैज्ञानिकों ने एड्स वैक्सीन पर शोध करना शुरू किया था। इस शोध प्रक्रिया को कोविड-19 वैक्सीन पर हुए शोध ने गति देने में मदद की है। जिस एम-आरएनए तकनीक का इस्तेमाल कोविड वैक्सीन में किया गया, स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के इम्यूनोला/जिस्ट अब उसी तकनीक का उपयोग एड्स वैक्सीन पर भी कर रहे हैं। बहरहाल, एक कारगर सार्वभौमिक एड्स वैक्सीन की खोज का रास्ता लंबा और कठिन भले ही माना जा रहा है लेकिन इस दिशा में अभी तक हुई प्रगति को देखते हुए एड्स वैक्सीन की खोज में आगे आने वाली चुनौतियों के बावजूद तीव्र प्रगति संभव है और वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दशकों में एड्स मुक्त दुनिया हमारी पहुंच में है।

मन की साधना

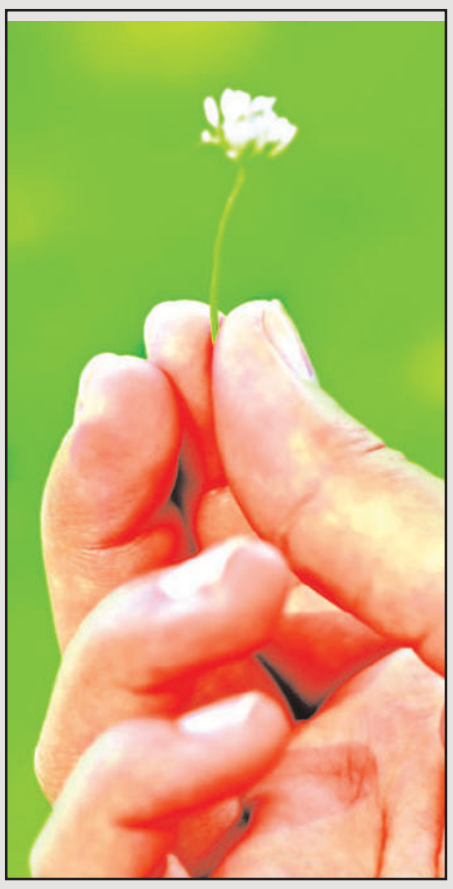

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

बेटे के टॉपर बनने पर सांवलिया सेठ को चढ़ाई चांदी की किताब

जयपुर (एजेंसी)। उदयपुर के प्रसिद्ध सांवलियाजी मंदिर के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का एक बेहद अनोखा उदाहरण सामने आया है। अपने बेटे के शानदार परीक्षा परिणाम से खुश होकर एक परिवार ने अपनी मन्नत पूरी होने पर भगवान सांवलिया सेठ के दरबार में चांदी की एक विशेष किताब अर्पित की है। परिवार द्वारा दी गई यह अनोखी भेंट अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। उदयपुर के प्रताप नगर निवासी बर्तन व्यवसायी सुनील काबरा अपने बेटे चिन्मय काबरा और पूरे परिवार के साथ सांवलियाजी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने राजभोग आरती के दौरान भगवान को करीब 50 ग्राम चांदी से निर्मित यह अनूठी किताब भेंट की। व्यवसायी सुनील काबरा ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे के बेहतर भविष्य और अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए भगवान सांवलिया सेठ से विशेष मन्नत मांगी थी। हाल ही में घोषित हुए सीबीएसई 12वीं कॉमर्स के रिजल्ट में उनके बेटे चिन्मय काबरा ने 97 प्रतिशत अंक हासिल कर न केवल परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि वह अपने स्कूल के टॉपर बनने के साथ-साथ पूरे जिले के टॉपर भी बने हैं। बेटे की इस ऐतिहासिक सफलता से पूरे परिवार में उत्सव और खुशी का माहौल है। इस मन्नत को पूरा करने के लिए चांदी की यह खास किताब अहमदाबाद के कारीगरों से विशेष ऑर्डर देकर तैयार करवाई गई थी। इस अनूठी किताब में कुल पांच पन्ने बनाए गए हैं। इसके पहले पन्ने पर एक तरफ 'श्री सांवलिया सेठ की जय' और दूसरी तरफ '12वीं पास' खूबसूरती से अंकित किया गया है। किताब के दूसरे पन्ने पर भगवान सांवलिया सेठ की मनमोहक तस्वीर उकेरी गई है, जबकि बाकी के पन्नों पर भगवान के जयकारे और विभिन्न धार्मिक चित्र बनाए गए हैं। मंदिर परिसर में चांदी की इस कलात्मक किताब को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। चिन्मय ने अपनी इस शानदार सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता के त्याग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और भगवान सांवलिया सेठ के परम आशीर्वाद को दिया है। चिन्मय ने अपने भविष्य के लक्ष्यों को साझा करते हुए बताया कि वह आगे चलकर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने अभी से अपनी कठिन तैयारी भी शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, चिन्मय शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं और वह अपनी 10वीं की बोर्ड परीक्षा में भी टॉपर रह चुके हैं। मंदिर में दर्शन और इस विशेष भेंट के दौरान चिन्मय के साथ उनके पिता सुनील काबरा, मां डिंपल काबरा और बहन चार्वी काबरा भी मौजूद रहीं, जिन्होंने भगवान का आभार व्यक्त किया।

जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए?

चेन्नई (एजेंसी)। दिग्गज एक्टर रजनीकांत ने रविवार को अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने राज्य के पूर्व सीएम एमके स्टालिन के साथ अपनी हालिया मुलाकात को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच अपनी राजनीतिक स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि विजय के सीएम बनने की खबर सुनकर वो हैरान थे। उन्होंने कहा कि वे अब राजनीति में सक्रिय नहीं हैं और कई सालों से इससे दूर हैं। रजनीकांत ने कहा कि उनके और विजय के बीच उम्र में 28 साल का अंतर है और विजय ने दो प्रमुख राजनीतिक दलों (डीएमके-एआईएडीएमके) के खिलाफ खड़े होकर स्वतंत्र रूप से अपनी पहचान बनाई है। जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रजनीकांत ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके राजनीतिक रुख और स्टालिन के साथ उनकी मुलाकात के बारे में बार-बार की जा रही आलोचनाओं का अगर जवाब नहीं दिया गया तो उन्हें सच मान लिया जाएगा। रजनीकांत ने चुनाव परिणामों के बाद स्टालिन के साथ अपनी मुलाकात का बचाव करते हुए कहा कि उनका रिश्ता राजनीति से परे है। उन्होंने कहा कि मुझे दुख हुआ कि एमके स्टालिन कुलथुर से हार गए। रजनीकांत कोई घटिया या निम्न स्तर के व्यक्ति नहीं हैं जो बेवजह किसी और बात पर टिप्पणी करें। रजनीकांत ने विजय के सीएम बनने पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर हो रही आलोचनाओं का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरे बारे में यह भी कहा गया कि मैंने एयरपोर्ट पर विजय को बधाई नहीं दी। उन्होंने कहा कि मैंने उनकी जीत के तुरंत बाद एक्स पर बधाई संदेश पोस्ट किया था। जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए? जिसके भाग्य में जो लिखा है, वो होकर रहेगा और जिसका नहीं लिखा है, वो नहीं होगा। बता दें रजनीकांत की यह टिप्पणियां चुनाव परिणामों के बाद तमिलनाडु में चल रही गहन राजनीतिक चर्चाओं और राज्य में फिल्म जगत की हस्तियों और मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों के बीच राजनीतिक समीकरणों को लेकर अटकलों के बीच आई है।

राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट हाई अलर्ट पर

हैदराबाद (एजेंसी)। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार को उस समय हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया जब नीदरलैंड से आने वाली एक अंतर्राष्ट्रीय उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए प्राप्त हुई। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं और एयरपोर्ट परिसर में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार, ईमेल में फ्लाइट को निशाना बनाने की बात कही गई थी, जिसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। यात्रियों और उनके सामान की सघन जांच की जा रही है, जबकि पूरे टर्मिनल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की पुष्टि नहीं हुई है। स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और जांच पूरी होने तक सुरक्षा प्रोटोकॉल सख्ती से लागू रहेगा।

एक दिन पहले भी मिली थी धमकी - यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब एक दिन पहले ही कुआलालंपुर से हैदराबाद आ रही एयरएशिया की एक उड़ान को भी इसी तरह की बम धमकी मिली थी। हालांकि उस मामले में सुरक्षा जांच के बाद धमकी को झूठा पाया गया था। जांच में पता चला था कि ईमेल के जरिए फ्लाइट में आत्मघाती हमलावर होने का दावा किया गया था, जो बाद में निराधार साबित हुआ। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सुरक्षा जांच में सहयोग करें। सुरक्षा एजेंसियां धमकी देने वाले ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

तमिलनाडु की राजनीति में थलापति विजय का नया धमाका

- विश्वास मत जीतने के बाद अब राज्यसभा में एंट्री की तैयारी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय इस वक्त पूरे देश के राजनीतिक गलियारों में सबसे चर्चित चेहरा बन गए हैं। हालिया विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) को मिली शानदार सफलता के बाद वह राज्य में अपनी सरकार बनाने में कामयाब रहे हैं। अपने दम पर बहुमत के आंकड़े से थोड़ा दूर रहने के बावजूद विजय ने विधानसभा में भारी मतों से विश्वास मत हासिल कर अपनी राजनीतिक कुशलता का लोहा मनवा दिया है। अब उनके लिए एक और बड़ी खुशखबरी आने वाली है, जिसकी धमक सीधे दिल्ली दरबार तक सुनाई देगी। विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद टीवीके अब देश की संसद के ऊपरी सदन यानी राज्यसभा में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की पूरी तैयारी में है।

बीते तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने राज्य की दशकों पुरानी स्थापित राजनीति को पूरी तरह झकझोर कर रख दिया। पार्टी ने 234 सदस्यीय विधानसभा में अकेले 108 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल की। थलापति विजय की यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने राज्य में पिछले करीब छह दशकों से चली आ रही पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के वर्चस्व को चुनौती देकर तोड़ दिया है। उनकी इस शानदार जीत का सीधा असर अगले महीने होने वाले राज्यसभा के समीकरणों पर साफ दिखाई पड़ने वाला है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा में अपने सदस्य को भेजने की टीवीके की मुराद बहुत जल्द पूरी हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत एआईएडीएमके के एक प्रमुख नेता से जुड़ी है। एआईएडीएमके के सी. वीई. शानमुगम ने हाल ही में मैलाम विधानसभा सीट से चुनाव जीता है। विधायक चुने जाने से पहले शानमुगम राज्यसभा के सदस्य थे, लेकिन चार मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उन्होंने नियमतः राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके चलते तमिलनाडु से संसद के ऊपरी सदन की एक सीट खाली हो गई है। खास बात यह है कि शानमुगम एआईएडीएमके के उस बागी गुट का हिस्सा हैं जिसने विश्वास मत के दौरान पार्टी लाइन से अलग जाकर थलापति विजय की सरकार को खुला समर्थन दिया था। ऐसे में इस खाली सीट के लिए अगले महीने उपचुनाव होने की पूरी संभावना है।

अगर विधानसभा के मौजूदा गणित को समझें, तो देश के आठ राज्यों में जून के मध्य में करीब 23 राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने वाले हैं। इनमें से एक सीट तमिलनाडु की है। विधानसभा में बदले समीकरणों और संख्या बल के लिहाज से इस सीट पर टीवीके का दावा सबसे मजबूत है क्योंकि राज्य में इस वक्त उसके पास सबसे अधिक विधायक हैं। हालांकि राज्य में नियमित तौर पर जून 2028 में छह राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं, जिसमें संख्या बल के आधार पर टीवीके अपने दम पर आसानी से तीन सीटें जीत लेगी। लेकिन इस मौजूदा उपचुनाव में जीत दर्ज कर थलापति विजय की पार्टी संसद में अपना खाता खोल सकती है, जो दिल्ली की राजनीति में उनकी पार्टी की सीधी और धमाकेदार एंट्री होगी।

सुप्रीम कोर्ट को मिलेंगे 4 नए जज, अब जजों की संख्या हुई 37, नियुक्ति को राष्ट्रपति मुर्मू ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 कर दिया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस नए अध्यादेश के लागू होने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में आवश्यक संशोधन कर दिया गया है। इस फैसले की खास बात यह है कि जजों की इस बढ़ी हुई संख्या में भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल नहीं हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि मुख्य न्यायाधीश को मिलाकर अब सर्वोच्च न्यायालय में कुल न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी। केंद्रीय कानून मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट कर बताया कि राष्ट्रपति द्वारा जारी इस अध्यादेश के माध्यम से मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 करने का रास्ता अब पूरी तरह से साफ हो गया है। केंद्र सरकार द्वारा लिया गया यह फैसला देश की सबसे बड़ी अदालत में लंबित मुकदमों के भारी बोझ को कम करने के उद्देश्य से प्रेरित है। वर्तमान समय में न्यायालयों पर मामलों का अत्यधिक दबाव है, जिसके कारण न्याय प्रक्रिया में देरी होती है। सरकार को उम्मीद है कि जजों की संख्या में इस बढ़ोतरी से मुकदमों के निपटारे (केस डिस्पोजल) की कार्यवाही में तेजी आएगी। इससे न केवल न्यायिक प्रणाली सुदृढ़ होगी, बल्कि देश के आम नागरिकों को भी समय पर और जल्द न्याय मिल सकेगा।

अब दो नहीं, तीसरा और चौथा बच्चा होने पर सरकार देगी हजारों का इनाम

-आंध्र प्रदेश में घटती आबादी को लेकर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने लॉन्च की योजना

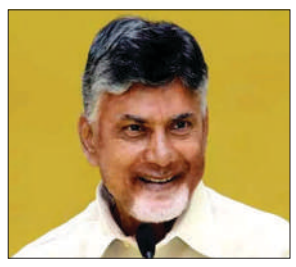

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपका तीसरा बच्चा हुआ तो आपको किसी भी सरकारी स्कीम का फायदा नहीं मिलेगा ऐसा था, लेकिन अब आप भारत में दो से ज्यादा बच्चे होने पर आपको इनाम दिया जाएगा। हां यह सच है, तीसरे बच्चे पर आपको 30 हजार रुपए सरकार देगी। वहीं, चौथे बच्चे पर यह इनाम बढ़कर 40 हजार हो जाएगा। दरअसल, यह योजना आंध्र प्रदेश की तरफ से लॉन्च की गई है। इस योजना की घोषणा सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में घटती आबादी को लेकर चिंता जहिर करते हुए उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 हजार रुपए और चौथे बच्चे के जन्म पर 40 हजार रुपए की आर्थिक मदद देगी। इस योजना की पूरी जानकारी अगले एक महीने में जारी की जाएगी। सीएम ने यह घोषणा श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में आयोजित एक जनसभा के दौरान की। वह यहां स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज मिलकर जन्म दर बढ़ाने की दिशा में काम करे।

दिलचस्प बात यह है कि पहले सीएम चंद्रबाबू नायडू जनसंख्या नियंत्रण के पक्ष में रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने अपनी सोच में बदलाव किया है। उनका कहना है कि राज्य में तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक हालात के कारण परिवार छोटे होते जा रहे हैं। कई दंपति केवल एक ही बच्चा पैदा कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग दूसरा बच्चा तभी चाहते हैं जब पहला बच्चा बेटा न हो। नायडू ने कहा कि इन वजहों से राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर प्रभावित हो रही है।

उन्होंने बताया कि किसी भी समाज की आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर का 2.1 होना जरूरी है। अगर यह दर इससे नीचे चली जाती है तो भविष्य में बुजुर्ग आबादी बढ़ने लगती है और काम करने वाली युवा आबादी कम हो जाती है। सीएम नायडू ने कहा कि दुनिया के कई देशों में घटती आबादी और बढ़ती बुजुर्ग संख्या आर्थिक विकास के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो भारत के कुछ राज्यों में भी ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है।

देश में कहीं बरस रही आग, कहीं तेज आंधी और बिजली से लोग परेशान

-मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश समेत 19 राज्यों में किया अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई की तपती दोपहर और रात में भी बदन झुलसा देने वाली गर्मी के बीच मौसम अब करवट लेता नजर आ रहा है। देश के कई हिस्सों में लोग इस समय दोहरी मार झेल रहे हैं। कहीं आसमान से आग बरस रही है तो कहीं तेज आंधी और बिजली लोगों की चिंता बढ़ा रही है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। यूपी, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पूर्वोत्तर समेत 19 राज्यों में तेज आंधी, गरज-चमक और भारी बारिश हो सकती है। कई इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव सिर्फ राहत नहीं बल्कि खतरा है। खेतों में खड़ी फसल, सड़क पर चल रहे लोग और खुले इलाकों में मौजूद लोगों को खास सतर्क रहने की जरूरत है। इस बार गर्मी और प्री-मानसून एक्टिविटी एक साथ असर दिखा रही है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में दिन में हीटवेव और शाम होते ही धूल भरी आंधी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य उत्तर प्रदेश और दक्षिणी राजस्थान के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर उत्तर और पूर्व भारत के बड़े हिस्से में दिखाई देगा।

पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जिससे हिमालयी राज्यों में बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि की संभावना बढ़ गई है। दूसरी तरफ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में तूफानी बारिश का कारण बन सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मई के तीसरे सप्ताह में यह सिस्टम और मजबूत होगा। इससे कई राज्यों में बिजली गिरने की घटनाएं भी बढ़ सकती हैं। दिल्ली-एनसीआर में जहां गर्म हवाएं लोगों को परेशान करेंगी, वहीं यूपी और बिहार में धूल भरी आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में लू का प्रकोप रहेगा, लेकिन कुछ हिस्सों में बादल राहत देंगे। कुल मिलाकर अगले 48 घंटे देश के मौसम के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जा रहे हैं। रांची, जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद समेत कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बेहद अजीब बना हुआ है। दिन में तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर रही हैं, जबकि शाम के समय धूल भरी आंधी और हल्की बारिश की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में मौसम सबसे ज्यादा अस्थिर नजर आ रहा है। लखनऊ, कानपुर, बरेली, बदायूं, हरदोई, जालौन और बुंदेलखंड के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि कुछ इलाकों में हवाओं की रफ्तार 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। हालांकि बारिश से कुछ जिलों में तापमान में गिरावट आ सकती है, लेकिन बुंदेलखंड क्षेत्र में लू का असर जारी रहेगा।

बिहार में पिछले कुछ दिनों से मौसम तेजी से बदल रहा है। पटना, गया, भागलपुर, पूर्णिया, दरभंगा, कटिहार और बेगूसराय समेत कई जिलों में तेज बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार और रविवार को राज्य के कई हिस्सों में धूल भरी आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है। किसानों और खुले क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

झारखंड में भी मौसम का मिजाज अचानक बदल सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो रही हैं। कई इलाकों में बिजली गिरने और पेड़ उखड़ने जैसी घटनाएं हो सकती हैं, लेकिन तेज हवाएं परेशानी बढ़ा सकती हैं। राजस्थान में फिलहाल गर्मी का कहर जारी है। हालांकि कुछ जिलों में धूल भरी आंधी और हल्की बूंदाबांदी से मौसम थोड़ा नरम हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान में अगले दो दिनों तक लू का असर बना रहेगा।

देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान, इकोलॉजिकल नुकसान का किया जिक्र

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लिखा पत्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान जारी है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर चिंता जताई है। रमेश ने इकोलॉजिकल नुकसान का जिक्र किया है। साथ ही उन्होंने आदिवासी समुदायों के भावना के उल्लंघन की बात कही। बता दें ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट भारत सरकार द्वारा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में शुरू किया जा रहा करीब 92,000 करोड़ रुपए का मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। इस परियोजना में एक बड़ा इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नया आधुनिक शहर और 450 मेगावाट का गैस व सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री को पत्र लिखते हुए कहा कि 1 मई 2026 को भारत सरकार ने द ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट शीर्षक से एक एफएक्यू जारी किया था। इसके बाद 10 मई 2026 को मैंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री को लिखा था कि ये एफएक्यू परियोजना को मिली पर्यावरणीय मंजूरियों को लेकर पूरी तरह भ्रामक तस्वीर पेश करते हैं, जो असल में बेहद संदिग्ध आधारों पर दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि 13 मई 2026 को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री को भी पत्र लिखा था कि ये एफएक्यू परियोजना की मंजूरी प्रक्रिया के तहत प्रावधानों के पालन की स्थिति को पूरी तरह गलत तरीके से प्रस्तुत करते हैं, जबकि असल में यह प्रक्रिया संसद द्वारा आदिवासी समुदायों को दिए गए व्यक्तिगत और सामूहिक अधिकारों का भावना और शब्द दोनों स्तरों पर खुला उल्लंघन करती है। उन्होंने पत्र में लिखा कि मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि हमारे देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की जरुरत पर कोई दो राय नहीं हो सकती। भारत की रणनीतिक क्षमताओं को विश्वसनीय तरीके से प्रदर्शित करने की जरूरत पर भी कोई मतभेद नहीं है। फिर भी, मैं आपके विचारार्थ निम्नलिखित बातें प्रस्तुत करना चाहता हूं।

ग्रेट निकोबार द्वीप के कैंपबेल वे में स्थित आईएनएस बाज को जुलाई 2012 में कमीशन किया गया था, लेकिन मौजूदा रनवे की लंबाई को कम से कम तीन गुना बढ़ाने और एक नौसैनिक जेट्टी बनाने की योजनाएं करीब पांच सालों से मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। इन योजनाओं के पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव भी कहीं कम हैं।

यौन उत्पीड़न के मामले में केंद्रीय राज्यमंत्री संजय कुमार का बेटा गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ को तेलंगाना पुलिस ने शनिवार को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा भगीरथ को अंतरिम राहत देने से इनकार किए जाने के ठीक एक दिन बाद हुई है। गिरफ्तारी से पहले केंद्रीय मंत्री ने एक बयान जारी कर बताया था कि उन्होंने खुद अपने बेटे को पुलिस के समक्ष पेश होने और जांच में पूरी तरह सहयोग करने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि कानून और न्यायपालिका के प्रति पूर्ण सम्मान दिखाते हुए उन्होंने अपने वकीलों के माध्यम से बेटे को तेलंगाना पुलिस के सामने पेश किया। मंत्री के अनुसार, उनका बेटा लगातार खुद को निर्दोष बता रहा है और इस संबंध में उसने अपने वकीलों को पुख्ता सबूत भी सौंपे हैं। वकीलों को उम्मीद थी कि कोर्ट से राहत मिल जाएगी, जिसके कारण आत्मसमर्पण में थोड़ी देरी हुई। लेकिन कोर्ट का आदेश आने का इंतजार किए बिना, न्यायपालिका के प्रति सम्मान और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उन्होंने बेटे को जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया।

यह पूरा मामला करीब एक सप्ताह पहले तब शुरू हुआ जब एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की की मां ने भगीरथ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस ने 8 मई को भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि भगीरथ के नाबालिग लड़की के साथ संबंध थे और उसने लड़की का यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता ने भगीरथ पर गलत तरीके से छूने और जबरदस्ती शराब पिलाने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ एक लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया था।

दूसरी तरफ, आरोपी भगीरथ ने भी पुलिस में एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। भगीरथ का दावा है कि लड़की उसे अपने पारिवारिक कार्यक्रमों और पार्टियों में बुलाती थी। इसके बाद उसके परिवार वालों ने उस पर शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया और कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। फिलहाल, इस हाई-प्रोफाइल मामले को लेकर राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई है और केंद्रीय मंत्री को पद से हटाने की मांग उठने लगी है ताकि मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच सुनिश्चित की जा सके। पुलिस मामले के दोनों पक्षों की गहनता से जांच कर रही है।

भारी तनाव के बीच कच्चा तेल लेकर भारतीय तट की ओर बढ़ा विशाल टैंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी गंभीर सैन्य संकट के बीच भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सकारात्मक और राहत भरी खबर सामने आई है। तमाम रणनीतिक चुनौतियों और युद्ध के खतरों के बावजूद, ग्लोबल एनर्जी कॉरिडोर के नाम से विख्यात होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर कच्चे तेल से लदा एक विशाल टैंकर भारत की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। फारस की खाड़ी (पर्शियन गल्फ) क्षेत्र में ईरान और अमेरिकी सेना के बीच जारी भारी तनाव के बीच इस टैंकर का सुरक्षित निकलना भारत के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। शिप ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार, करोलोस नाम का यह स्वेजमैक्स टैंकर इराकी कच्चा तेल लेकर होर्मुज स्ट्रेट को पार कर चुका है और ओमान की खाड़ी से होते हुए अरब सागर के रास्ते भारत की ओर अग्रसर है।

शिप ट्रैकिंग के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की संख्या में इन दिनों भारी गिरावट दर्ज की गई है। पर्शियन गल्फ में जारी संघर्ष अब 12वें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, जिसके कारण समुद्री व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। युद्ध से पहले की तुलना में वर्तमान ट्रांजिट बेहद निचले स्तर पर बना हुआ है। अमेरिकी प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि ईरान जल्द ही अंतरराष्ट्रीय दबाव में झुक जाएगा, लेकिन तेहरान की ओर से होर्मुज पर अपनी पकड़ ढीली करने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। ईरान ने युद्ध समाप्ति की वार्ता में लौटने के लिए पांच कड़ी शर्तें रखी हैं, जिनमें सबसे प्रमुख शर्त होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की संप्रभुता को वैश्विक स्तर पर स्वीकार करना है।

जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, करोलोस टैंकर इराक के बसरा टर्मिनल से कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था। उपग्रह से मिली तस्वीरों और गुरुवार को ओमान की खाड़ी में इसकी स्थिति से संकेत मिला है कि यह जहाज पूरी तरह कच्चे तेल से लदा हुआ है। इस बीच, इराक से वियतनाम जा रहा एक अन्य तेल टैंकर अभी भी ओमान की खाड़ी में फंसा हुआ है, जिसे अमेरिकी नौसेना द्वारा रोके जाने की खबर है। होर्मुज जलमार्ग में फिलहाल सुरक्षा हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड का दावा है कि ईरान पर प्रतिबंध लागू करने के बाद अमेरिकी सेना अब तक 75 व्यावसायिक जहाजों का मार्ग बदल चुकी है। इसके अलावा, क्षेत्र में ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम संकेतों में बड़े पैमाने पर हो रहे हस्तक्षेप और ईरान से जुड़े जहाजों द्वारा अपने ट्रैकिंग सिग्नल बंद कर देने के कारण स्वतंत्र निगरानी करना कठिन हो गया है। इस अभूतपूर्व संकट और अनिश्चितता के दौर में भारतीय टैंकर का सुरक्षित निकलना देश की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से एक बड़ी खुशखबरी है।

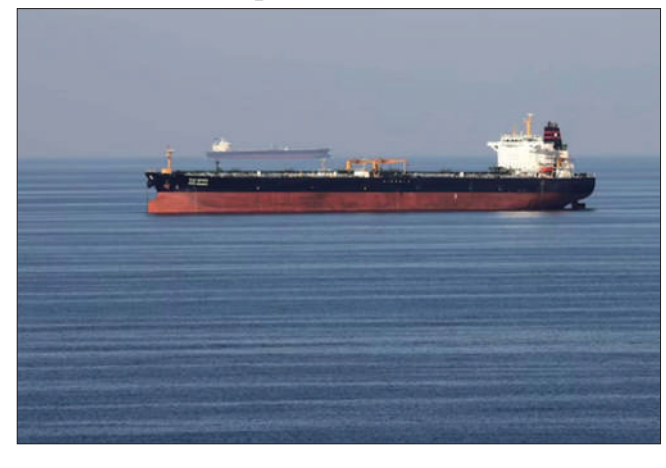

मंडल कारा में मासिक जेल अदालत, स्वास्थ्य शिविर सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता, स्वास्थ्य जांच एवं पुनर्वास योजनाओं की दी गई जानकारी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज द्वारा साहेबगंज मंडल कारा में मासिक जेल अदालत, स्वास्थ्य शिविर सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने उपस्थित बंदियों को उनके विधिक अधिकारों तथा उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन बंदियों के पास अधिवक्ता उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें विशेष रूप से नालसा की स्प्रुहा योजना, 2025 के अंतर्गत प्रदान की जा रही निःशुल्क विधिक सहायता, कानूनी परामर्श एवं आवश्यक मार्गदर्शन की जानकारी साझा की। निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

साथ ही उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत बंदियों के पुनर्वास, कौशल विकास तथा रिहाई उपरांत उन्हें रोजगारोन्मुख अवसरों से जोड़ने की दिशा में विशेष पहल की जा रही है। साथ ही बंदियों के परिजनों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी दी गई। वहीं कार्यक्रम के दौरान बंदियों को समाज की मुख्यधारा से पुनः जुड़ने, सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा भविष्य में अपराध से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। सचिव ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य केवल विधिक सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि बंदियों के सामाजिक पुनर्वास एवं सम्मानजनक जीवन की पुनर्स्थापना सुनिश्चित करना भी है। वहीं शिविर के अंतर्गत एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें चिकित्सकों द्वारा बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। मौके पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल कामनी शर्मा, रविन्द्र श्रीवास्तव, अमरेन्द्र श्रीवास्तव, रतन कुमार द्वारा ऐसे बंदियों की पहचान की गई, जिनके मामलों में अब तक अधिवक्ता नियुक्त नहीं किए गए हैं। टीम द्वारा ऐसे मामलों में शीघ्र विधिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त, बंदियों को उनके वादों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया गया, जिससे वे अपने मामलों की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सके। वहीं विशेष रूप से महिला बंदियों की विधिक आवश्यकताओं पर ध्यान देते हुए उन्हें संबंधित मामलों में आवश्यक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कहा यह आयोजन बंदियों के विधिक अधिकारों के संरक्षण, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा सामाजिक पुनर्वास के प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

विधिक जागरूकता शिविर में बच्चों को अधिकारों और निःशुल्क विधिक सहायता की दी गई जानकारी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में बाल गृह, साहेबगंज में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने उपस्थित बच्चों को उनके विधिक अधिकारों, संरक्षण संबंधी प्रावधानों तथा उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बच्चों को बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा जरूरतमंद बच्चों को हर संभव विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्राधिकार सदैव तत्पर है। श्री भगत ने बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न कानूनों एवं योजनाओं की जानकारी देते हुए बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बाल गृह में रह रहे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वहीं कार्यक्रम के दौरान बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही बच्चों को अनुशासन, सकारात्मक सोच एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर के दौरान बाल गृह की व्यवस्थाओं, बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, शिक्षा व्यवस्था, भोजन, स्वच्छता एवं सुरक्षा संबंधी पहलुओं की समीक्षा की गई। बच्चों को यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे निःसंकोच अपनी बात संबंधित अधिकारियों अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के समक्ष रख सकते हैं। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, बाल गृह की अधीक्षक, संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं अन्य कर्मी भी उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों के बेहतर भविष्य एवं उनके समुचित विकास हेतु सतत प्रयासरत रहने का संकल्प लिया। यह आयोजन बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं उनके समुचित विकास के प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संक्षिप्त खबरें

निशिकांत दुबे ने किया नावाडीह-रोहिणी रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन

देवघर(बिभा)। लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे ने देवघर स्थित नावाडीह-रोहिणी रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सुरेश पासवान, मधुपुर के भाजपा नेता गंगा नारायण सिंह, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि यह ओवरब्रिज क्षेत्र के विकास, सुगम आवागमन और आम जनता की सुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस पुल के चालू होने से देवघर से एम्स देवघर और अन्य प्रमुख शहरों तक पहुंच और अधिक आसान हो जाएगी। सांसद ने इस परियोजना के लिए अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के तहत गोड्डा लोकसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 तक देवघर में बड़े स्तर पर विकास कार्य नहीं हुए थे, लेकिन वर्ष 2009 में सांसद बनने के बाद एक स्पष्ट विजन के साथ देवघर और पूरे गोड्डा लोकसभा क्षेत्र में आधारभूत संरचना के विकास की शुरूआत की गई। सांसद ने बताया कि जल्द ही संथाली और आरोग्य भवन ओवरब्रिज परियोजनाओं पर भी कार्य शुरू किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने सुरेश पासवान और राज्य सरकार से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यदि जसीडीह के लिए भूमि उपलब्ध करा दी जाए, तो जसीडीह रेलवे स्टेशन का और व्यापक विस्तार किया जा सकता है। कार्यक्रम में जिला महामंत्री अभयानंद झा, पंकज सिंह भदौरिया, गंगा नारायण सिंह सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

चोरी के दो ट्रैक्टर के साथ तीन चोर गिरफ्तार

दुमका(बिभा)। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी हुई दो ट्रैक्टर बरामद करते हुए दुमका पुलिस ने अंतरराज्जीय गिरोह के दो सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिला के शांतिनिकेतन थाना क्षेत्र के दरपाशीला गांव निवासी बंशी दास और मोहम्मद बाजार थाना क्षेत्र के सावराकुड़ी गांव निवासी शेख अजीजुल एवं शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के कुलकुलीडंगाल गांव निवासी संजीव मड़ैया शामिल है। जानकारी के अनुसार गत 8 अप्रैल की रात्रि मुफ्फसिल थाना के केशियाबहाल गांव निवासी तापस मांझी के घर के बाहर खड़ी ट्रैक्टर को अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया था। मामले में (कांड संख्या 63/26) दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई थी। कुछ दिनों बाद 13 मई की रात को शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के कोलपाड़ा बांकीजोर गांव निवासी मनोज कुमार मंडल के घर के बाहर से भी उसी तरह उनकी रखी ट्रैक्टर को अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली। इन चोरी की घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निदेर्शानुसार एसडीपीओ, सदर के नेतृत्व में एक टीम गठित चोरी की घटनाओं के उदभेदन एवं बरामदगी को लेकर छानबीन शुरू हुई। गठित टीम ने पहले शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के कुलकुलीडंगाल से संदेह के आधार पर संजीव मड़ैया को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए दो सहयोगी पश्चिम बंगाल निवासी शेख अजीजुल एवं बंशी दास नाम बताया। इसके बाद उनके दोनों सहयोगियों को भी पुलिस गिरफ्तार करने में सफल हुई। गिरफ्तार आरोपियों के निशानदेही पर पुलिस दोनों चोरी हुई ट्रैक्टर में से एक मोहम्मद बाजार थाना क्षेत्र के सावराकुड़ी से एवं एक ट्रैक्टर शांतिनिकेतन, बोलपुर से बरामद करने में सफल हुई। बरामद ट्रैक्टर महिंद्रा कम्पनी का ट्रैक्टर संख्या-डब्लबी 37 सी- 1540 एवं ट्रैक्टर संख्या-जेएच 04जे-9714 है।

नगर पंचायत में 35 लाख से अधिक की योजनाओं का शिलान्यास, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई मजबूती

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल नगर पंचायत क्षेत्र में रविवार को नगर जनप्रतिनिधियों की ओर से कई विकास योजनाओं का शिलान्यास किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख, उपाध्यक्ष मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू व सभी वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में लगभग 35 लाख रुपये की लागत से विभिन्न परियोजनाओं की शुरूआत हुई। वही सबसे अहम मुद्दा यहां की पेयजल समस्या को लेकर उठाया गया। वार्ड नंबर 1 और वार्ड नंबर 3 में कुल 3,25,188 रुपये की लागत से नई बोरिंग के साथ पुराने जलमीनार की मरम्मत का कार्य शुरू हुआ। इससे क्षेत्र के 100 से अधिक घरों को पानी की सुविधा मिल सकेगी। साथ ही जे.के. हाई स्कूल एवं उसके हॉस्टल में पढ़ने वाले छात्रों को भी इसका लाभ मिलेगा, जिससे पेयजल की किल्लत दूर होने की उम्मीद है। वहीं, स्वस्थ राजमहल के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वार्ड नंबर 7 में लगभग 24 लाख रुपये की लागत से उप स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास किया गया। इससे स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। वही नागरिक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शहर में जहां-जहां नालों के ढक्कन टूटे हुए हैं, वहां सभी नालों की सफाई और ढक्कन बदलने का कार्य लगभग 7.5 लाख रुपये (750,000) की लागत से शुरू किया गया। वही इस मौके पर अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख ने कहा कि विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा, ताकि आम जनता को बुनियादी सुविधाओं में किसी तरह की दिक्कत न हो।

जामताड़ा के शिव मंदिर में मां पार्वती की प्रतिमा खंडित, इलाके में तनाव

जामताड़ा। जामताड़ा थाना क्षेत्र के गांधी मैदान स्थित शिव मंदिर में रविवार सुबह उस समय तनाव फैल गया जब श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में मां पार्वती की प्रतिमा को खंडित अवस्था में पाया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और आक्रोश व्यक्त किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार सुबह नियमित पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु मंदिर पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर मंदिर में स्थापित मां पार्वती की प्रतिमा पर पड़ी। प्रतिमा के दोनों ओर गंभीर क्षति के निशान थे और उसका सिर/गर्दन टूटा हुआ मिला। यह दृश्य देखकर श्रद्धालु और स्थानीय लोग स्तब्ध रह गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिमा को जिस तरह नुकसान पहुंचाया गया है, उससे यह आशंका मजबूत होती है कि यह किसी शरारती तत्व द्वारा जानबूझकर की गई हरकत है। घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बन गया और लोगों ने दोषियों की जल्द पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की हर पहलू से गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा सके और जल्द कार्रवाई की जा सके। फिलहाल पुलिस क्षेत्र में शांति बनाए रखने की अपील कर रही है और मामले की जांच जारी है।

ट्रैक्टर के धक्के से बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल, एक रेफर

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल मुख्य मार्ग पर बेगमपुरा झमझमियां काली मंदिर के पास रविवार को एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने राहगीरों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वही जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के कल्याण चक, गंगटियां निवासी बाबूलाल मुर्मू (24), समीन मुर्मू (18) और गदई हेंब्रम (18) बाइक पर सवार होकर राजमहल बाइक शोरूम किसी काम से आ रहे थे। इसी दौरान झमझमियां काली मंदिर के पास एक बिना नंबर का ओवरलोड मिट्टी लदा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर उनकी बाइक में जा घुसा। जोरदार धक्का लगने से तीनों युवक सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। वही स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को बुलाकर तीनों घायलों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल भेजा। वहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टर नाजिश ने प्राथमिक इलाज के बाद बताया कि बाबूलाल मुर्मू का पैर टूट गया है। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। वही घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने ट्रैक्टर को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची राजमहल थाना पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि ट्रैक्टर चालक के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। वही फिलहाल, दोनों घायलों का इलाज राजमहल अनुमंडल अस्पताल में जारी है।

किसानों से किए वादों को लेकर भाजपा का आज प्रखंड मुख्यालय पर धरना, तैयारी बैठक में बनाई गई रणनीति

बिभा संवाददाता

राजमहल । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर राज्यव्यापी धरना प्रदर्शन के क्रम में आज सोमवार को राजमहल प्रखंड मुख्यालय में एकदिवसीय धरना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह धरना राजमहल नगर, राजमहल ग्रामीण व तीनपहाड़ मंडल के संयुक्त तत्वाधान में होगा। वही धरना कार्यक्रम की तैयारी को लेकर रविवार को निरीक्षण भवन में नगर अध्यक्ष दीपक चंद्रवंशी की अध्यक्षता में एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कार्यक्रम प्रभारी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल तथा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र मंडल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वही इस अवसर पर उज्ज्वल मंडल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार लगातार अपने वादों से मुकर रही है। उन्होंने सरकार की करनी और कथनी में अंतर का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसानों से किए गए वादों को याद दिलाने और सरकार की वादाखिलाफी के खिलाफ आवाज उठाने के लिए भाजपा प्रखंड मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करेगी। वही बैठक में ग्रामीण मंडल अध्यक्ष चिरंजीव सरकार, तीनपहाड़ मंडल अध्यक्ष चंदन श्रीवास्तव, मंजू देवी, संजय प्रमाणिक, किशोर जैन, अनीता बसाक, फकीरचंद्र मंडल, संजय मंडल, शेखर बर्मन, परमानंद मंडल, सिंटू घोष, रितेश साहा सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधायक ने 23 योजनाओं का किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

देवघर। सारठ विधानसभा क्षेत्र के डुमरिया स्टेडियम में रविवार को विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह ने करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस दौरान कुल 23 योजनाओं का शिलान्यास तथा 2 योजनाओं का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सारठ विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही उनका प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें चुना है, उस पर खरा उतरने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। विधायक ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोग से राज्य सहित सारठ क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, जिला परिषद, अनाबद्ध निधि एवं विभिन्न विभागों के तहत लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से कुल 53 योजनाओं की आधारशिला रखी गई। इनमें सारठ प्रखंड के सधरिया, कचुवाबांक, झिलुवा, बोचबांध, पारबाद सहित कई गांवों में 7 स्वास्थ्य उपकेंद्रों का निर्माण शामिल है। इसके अलावा डुमरिया में स्टेडियम मरम्मती, अंचल कार्यालय मरम्मती तथा सधरिया में पीसीसी पथ निर्माण सहित कुल 10 योजनाएं शामिल हैं।

वहीं पालोजोरी प्रखंड के पहरुडिह, धावा, कुंजोडा, बांधडिह, सगराजोर आदि क्षेत्रों में 5 स्वास्थ्य उपकेंद्र, धावा एवं बरमसिया में पीसीसी सड़क निर्माण, जेएफएससी गोदाम में चहारदीवारी निर्माण तथा कई जगहों पर चेक डैम निर्माण सहित कुल 13 योजनाओं की आधारशिला रखी गई।

कार्यक्रम में सारठ एवं बामनगामा में शीतल पेयजल योजना का उद्घाटन भी किया गया। साथ ही सारठ एवं पालोजोरी क्षेत्र में 30 हाईमास्ट लाइटों के अधिष्ठापन का शिलान्यास भी किया गया।

विधायक ने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र में पुस्तकालय, अनुसूचित जाति-जनजाति आवासीय विद्यालय, इनडोर स्टेडियम, पथरड्डा पहाड़ का सौंदर्यीकरण, 400 एकड़ भूमि पर उद्योग स्थापना, प्रेस क्लब भवन सहित शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क एवं पेयजल के क्षेत्र में कई और योजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा। इस मौके पर झामुमो जिला उपाध्यक्ष इस्तियाक मिर्जा, प्रखंड अध्यक्ष लखेश्वर मुर्मू, सचिव अनिल सिंह, शालिग्राम मंडल, विक्रम सिंह, पालोजोरी प्रखंड प्रमुख उषा किरण मरांडी, अब्दुल रहीम, इकबाल मिर्जा, सुभाष मंडल सहित कई जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

ब्राउन शुगर के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

देवघर। देवघर पुलिस ने पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिला से संचालित ब्राउन शुगर तस्करी नेटवर्क का खुलासा करते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में शेख इस्ताजुल (25) और मीर समद (23) पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के निवासी हैं, जबकि रोहित कुमार (26) मोहनपुर थाना क्षेत्र के लतासारे गांव तथा नीरज कुमार महथा (30) देवघर नगर थाना क्षेत्र के बरमसिया मोहल्ले का निवासी हैं।

पुलिस ने आरोपियों के पास से दो पैकेट ब्राउन शुगर, 1 लाख 49 हजार 300 रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन तथा तस्करी में प्रयुक्त एक कार और एक मोटरसाइकिल बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, मोहनपुर थाना क्षेत्र में सूचना मिली कि पश्चिम बंगाल से ब्राउन शुगर लेकर आए कुछ लोग बड़ा झरना-खरगडीहा जाने वाली कच्ची सड़क के किनारे एक कार और मोटरसाइकिल के साथ मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल के दुबराजपुर थाना क्षेत्र से ब्राउन शुगर लेकर आए शेख इस्ताजुल और मीर समद को काले रंग की हुंडई आई टेन कार के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं स्थानीय स्तर पर खरीदारी के लिए पहुंचे नीरज कुमार महथा और रोहित कुमार को मोटरसाइकिल सहित पकड़ा गया।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि नीरज कुमार महथा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मामले पहले से दर्ज हैं। वहीं रोहित कुमार साइबर अपराध और एनडीपीएस अधिनियम से जुड़े मामलों में पूर्व में जेल जा चुका है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि दुबराजपुर क्षेत्र के सप्लायर पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार सहित अन्य राज्यों में ब्राउन शुगर की आपूर्ति करते थे। बाद में इसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर स्थानीय बाजारों में बेचा जाता था।

समीक्षा बैठक के बाद सिविल सर्जन से संतुष्ट हुआ कर्मचारी संघ, आंदोलन स्थगित

बिभा संवाददाता

देवघर। वेतन भुगतान सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन की चेतावनी देने वाले झारखंड चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने सिविल सर्जन की कार्रवाई और प्रगति से संतुष्टि जताते हुए प्रस्तावित आंदोलन को स्थगित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, आंदोलन से संबंधित मांग पत्र पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सिविल सर्जन डॉ. रमेश कुमार ने संघ के जिलाध्यक्ष के साथ वार्ता की और सभी बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया।

संघ के पदाधिकारियों ने सिविल सर्जन द्वारा की गई कार्रवाई और कार्य प्रगति की समीक्षा के बाद संतोष व्यक्त किया तथा उन पर विश्वास जताते हुए 18 मई 2026 को काला बिल्ला लगाकर कार्य करने और 19 मई 2026 को प्रस्तावित कलम बंद हड़ताल को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का निर्णय लिया।

संघ के जिलाध्यक्ष ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसीडीह के कर्मचारियों का वेतन भुगतान पहले ही कर दिया गया है, जबकि अन्य स्थानों पर प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल के कर्मचारियों का वेतन प्रपत्र सोमवार को कोषागार भेजने की तैयारी है, जिसकी जानकारी उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ. सुषमा वर्मा द्वारा दी गई है।

बताया गया कि राज्यव्यापी ट्रेजरी संबंधित जांच के कारण वेतन भुगतान से पहले सभी कर्मचारियों की विस्तृत जानकारी, सेवा पुस्तिका की प्रति सहित दस्तावेजों की जांच अनिवार्य की गई है।

इसी कारण प्रक्रिया में समय लग रहा है। इधर, संघ ने सिविल सर्जन की पहल और त्वरित कार्रवाई के लिए धन्यवाद दिया है। संघ के अनुसार, यदि संगठन की ओर से आंदोलन की घोषणा नहीं की जाती तो वेतन भुगतान में और अधिक विलंब की संभावना थी। अब आंदोलन स्थगित कर दिए जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग में वेतन भुगतान की प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

आईपीएल में आज सीएसके को हराकर प्लेऑफ में पहुंचे उतेगी सनराइजर्स

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम सोमवार को यहां आईपीएल के 63 वे लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। सीएसके का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में ये मैच बड़े अंतर से जीत कर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बरकरार रखना रहेगा। उसके लिए हालांकि ये आसन नहीं रहेगा क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है और वह जीत की प्रबल दावेदार है।

सीएसके अगर ये मैच हारी तो वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। दूसरी और सनराइजर्स इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ की ओर बढ़ जाएगी। लीग में सीएसके जहां 12 अंक के साथ छठे स्थान पर है। वहीं सनराइजर्स 14 अंक लिए लेकर तीसरी स्थान पर है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा रहेगा दूसरी ओरे सीएसके पर दबाव रहेगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 24 मैच हुए हैं। इसमें सीएसके ने 16 जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने 08 जीते हैं।

इस मैच में सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के भी खेलने की संभावना है। अगर धोनी इस मैच में खेलते हैं तो इससे सीएसके को मनोवैज्ञानिक लाभ होगा। टीम का मनोबल बढ़ने के साथ ही उसे धोनी से बेहतर मार्गदर्शन भी मिलेगा।

सीएसके की बल्लेबाज जहां कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा संजू सैमसन पर आधारित रहेगी। वहीं सनराइजर्स की बल्लेबाजी अभिषेक शर्मा के अलावा ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर निर्भर करेगी। सीएसके की गेंदबाजी अंकुल कंबोल और नुर अहमद

जबकि सनराइजर्स की ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे पर आधारित रहेगी।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), (कप्तान), उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा/एमएस धोनी (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, प्रशांत वीर, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, गुरजापनीत सिंह। इम्पैक्ट प्लेयर- शिवम दुबे

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, सलिल अरोड़ा, नितीश कुमार रेड्डी, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे, इम्पैक्ट प्लेयर-ट्रैविस हेड

गॉफ को हराकर स्वीटिलोना ने इटेलियन ओपन टेनिस खिताब जीता

रोम (एजेंसी)। यूक्रेन की एलीन एलिना स्वितोलिना ने अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर इटेलियान ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। स्वितोलिना ने महिला एकल सेमीफाइनल में गॉफ को एक रोमांचक मुकाबले में 6-4, 6-7 3, 6-2 से हराया। ये मैच लगभग 2 घंटे 49 मिनट तक चला। ये तीसरी बार है जब गॉफ ने ये खिताब जीता है। इससे पहले साल 2017 और 2018 में भी गॉफ ने ये खिताब जीता था।

मैच के पहले सेट में ही गॉफ ने अच्छी शुरुआत करते हुए 4-2 की बढ़त बना ली थी पर आठवें गेम में गॉफ की दो डबल फॉल्ट्स उन्हें भारी पड़ गयी। स्वितोलिना ने इसके बाद ब्रेक हासिल कर वापसी कर ली। इस खिलाड़ी ने नौवें गेम में तीन ब्रेक अंक बचाए और 6-4 से पहला सेट जीत लिया।

वहीं दूसरे सेट में गॉफ की वापसी अच्छी रही। दोनों खिलाड़ियों के बीच काटे कड़ी टक्कर हुई। गॉफ ने 11वें गेम में ब्रेक हासिल किया पर उनके सर्व करने के दौरान ही स्वितोलिना ने मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में गॉफ ने शानदार खेल दिखाया और 7-3 से जीत दर्ज कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

इसके बाद तीसरे सेट में स्वितोलिना ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने कब्जे में कर लिया।। चैंपियनशिप के लिए सर्व करते समय उन्होंने तीन ब्रेक अंक भी बचाए और अपनी जीत तय की। यूक्रेनी खिलाड़ी ने जीत पर खुशी जतायी पर कहा कि उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा।

सनराइजर्स और टाइटन्स के खिलाफ अंतिम दो लीग मैचों के साथ विदायी लेंगे धोनी ?

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह आईपीएल के इस 19 सत्र में अब तक नहीं उतरे हैं। धोनी फिट नहीं होने के कारण अब तक टीम से बाहर थे पर अब उनके अंतिम लीग मैचों में उतरने की संभवना जतायी जा रही है। अटकलें लगायी जा रही हैं कि धोनी सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच खेलकर लीग से विदायी ले लेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी अब पूरी तरह से फिट हैं। इसलिए भी टीम प्रशंसकों की खुशी के लिए उन्हें उतारना चाहती है। इस सत्र में प्रशंसक उनका खेल देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

धोनी लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए भी फिट थे पर इसके बाद भी नहीं उतरे थे क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी वापसी से टीम का संतुलन बिगड़े। इसका कारण ये है कि शुरुआती मैचों में कुछ हार के बाद सीएसके ने अच्छी वापसी की थी और प्लेऑफ की दौड़ में खुद को मजबूती से शामिल कर लिया था। धोनी का मानना था कि ऐसे महत्वपूर्ण समय में टीम के विजेता संयोजन को बदलना ठीक नहीं होगा। लखनऊ के खिलाफ उस मैच में हालांकि सीएसके को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अब धोनी की वापसी की संभावना फिर से बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि वह अपने अनुभव और नेतृत्व के साथ टीम को मजबूती देने के लिए अंतिम दो लीग मैचों में उतरेंगे।

इस सत्र में सीएसके अपने खिलाड़ियों की चोटों से बुरी तरह प्रभावित रही है। उसके आधे दर्जन से ज़्यादा खिलाड़ी चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं या पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हैं। धोनी भी इसी सूची में शामिल थे पर अब लग रहा है कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और वापसी के लिए तैयार हैं। अंतिम दो मैचों में धोनी के खेलने से टीम का मनोबल बढ़ने की भी संभावना है। इसके अलावा 44 साल के होने जा रहे धोनी आईपीएल से विदायी भी ले सकते हैं क्योंकि सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें नहीं हैं।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान किशन की हो सकती हैं वापसी

– संजू सैमसन की जगह खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के समापन के तुरंत बाद भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में शुरू होगा। इसके बाद 14 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। इस दौरे के लिए टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और विकेटकीपर बल्लेबाजों की दौड़ सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम मैदान पर उतरेगी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। चयनकर्ताओं की पहली

पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल बताए जा रहे हैं। वहीं, बैकअप विकेटकीपर की भूमिका को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अब तक इस भूमिका में ऋषभ पंत को देखा जा रहा था, लेकिन खराब फॉर्म के कारण उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है।

ऐसे में टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन के लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में भी संजू सैमसन ने कई अहम पारियां खेली हैं और वनडे क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड भी प्रभावशाली रहा है। इसके बावजूद चयनकर्ता उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं, जिससे क्रिकेट प्रशंसकों के बीच हैरानी देखी जा रही है। दूसरी ओर, ईशान किशन लंबे समय बाद वनडे टीम में वापसी करते नजर आ सकते हैं। उन्होंने अपना आखिरी वनडे मुकाबला दो साल पहले खेला था। हालांकि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और फिर टी20 विश्व कप टीम में मौका मिला। अब माना जा रहा है कि उसी प्रदर्शन का फायदा उन्हें वनडे टीम में भी मिलेगा।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 19 मई को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने संभावित टेस्ट खिलाड़ियों को तैयारी शुरू करने के निर्देश भी दे दिए हैं। टीम प्रबंधन का मुख्य लक्ष्य विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाना और साथ ही 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों को मजबूत करना बताया जा रहा है।

आईपीएल को सीमित स्थलों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग उठी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को बिना दर्शकों के सीमित स्थल पर आयोजित किये जाने की मांग जोर पकड़ रही है। इस सत्र में आईपीएल मुकाबले अलग-अलग शहरों में खेले जा रहे हैं। इसके कारण हवाई यात्राओं का खर्च बढ़ रहा है। इसके अलावा हजारों दर्शकों के स्टेडिमय पहुंचने के कारण भी प्रेट्रोल और डीजल की जमकर खपत हो रही है। ऐसे में सत्र में टीमों द्वारा की जा रही लगातार हवाई यात्राओं और भारी ईंधन खपत को लेकर केंद्रीय खेलमंत्री मनसुख मांडविया से इस मामले को देखने की अपील की गयी है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया से आईपीएल के शेष मैचों के लिए नया कार्यक्रम जारी करने और उन्हें सीमित मैदानों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग की है। यह मांग ऐसे समय में उठी है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देश भर के सरकारी विभाग, राजनेता, अधिकारी और आम नागरिक अनावश्यक खर्चों से बचने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं 28 मार्च से शुरू हुए इस आईपीएल में टीमों को अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देश के विभिन्न शहरों में यात्रा करनी पड़ रही है। अनुमान है कि अब तक टीमें हवाई और सड़क मार्ग से लाखों किलोमीटर का सफर तय कर चुकी होंगी। मौजूदा परिस्थितियों में, ये हवाई यात्राएं केंद्र सरकार और देश के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डाल रही हैं। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस मुश्किल वक्त में, जब हर क्षेत्र में कटौती और मितव्ययिता पर जोर दिया जा रहा है, आईपीएल ही एक ऐसा बड़ा आयोजन है जिसमें कोई संकट नहीं दिख रहा। इसी मुद्दे पर गोयल ने मांडविया को एक विस्तृत पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने दो प्रमुख मांगें रखी हैं। पहला, हवाई यात्रा में कटौती करते हुए लीग के बचे हुए मैचों के लिए एक नया और संशोधित शेड्यूल जारी किया जाए।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब हर मुकाबला फाइनल जैसा – माइकल हसी

लखनऊ । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेऑफ की राह मुश्किल जरूर हो गई है, लेकिन टीम ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का कहना है कि अब टीम के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले फाइनल जैसे हैं और खिलाड़ी इसी मानसिकता के साथ मैदान पर उतरेंगे। उनका मानना है कि आईपीएल का यही रोमांच इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर उसके समीकरण बिगाड़ दिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवर में 187 रन बनाए थे। टीम की ओर से कार्तिक शर्मा ने शानदार 71 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में लखनऊ ने मिचेल मार्श की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्श ने सिर्फ 38 गेंदों में 90 रन ठोकते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उनके अलावा जोश इंग्लिस और निकोलस पूरन ने भी तेज बल्लेबाजी की। इस हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के 12 मैचों में 12 अंक रह गए हैं। अब टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इसके साथ ही उसे अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। माइकल हसी ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने अंक तालिका का बहुत गहराई से अध्ययन नहीं किया है, लेकिन इतना साफ है कि शीर्ष चार स्थानों के लिए कई टीमें कड़ी टक्कर दे रही हैं। उन्होंने कहा कि टीम को फिलहाल सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए। माइकल हसी ने कहा कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में दबाव काफी बढ़ जाता है और इसी दौरान कई अप्रत्याशित परिणाम भी सामने आते हैं। उनके मुताबिक आईपीएल की यही सबसे बड़ी खासियत है कि आखिरी समय तक अधिकतर टीमें प्लेऑफ की दौड़ में बनी रहती हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी चेन्नई सुपर किंग्स के पास मौका है और खिलाड़ी पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ेंगे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने आईपीएल की तारीफ करते हुए कहा कि यह दुनिया के सबसे बेहतरीन टूर्नामेंटों में से एक है।

सुपरस्टार बनने के लिए प्रदर्शन जरूरी, गौतम गंभीर की सोच पर बोले राहुल द्रविड़

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम इंडिया में सुपरस्टार कल्चर को लेकर मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। द्रविड़ का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता और भारत जैसे क्रिकेट प्रेमी देश में पहचान हासिल करने के लिए लगातार अच्छा खेल दिखाना जरूरी होता है। दरअसल, टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने के बाद गौतम गंभीर ने कहा था कि भारतीय टीम में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की जीत और ट्रॉफी को महत्व दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि जब तक वह कोच हैं, तब तक टीम में सुपरस्टार संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। अब एक पॉडकास्ट में इस मुद्दे पर बात करते हुए राहुल द्रविड़ ने कहा कि हर खेल को अपने नायकों की जरूरत होती है। उनके अनुसार भारत में कोई भी खिलाड़ी सिर्फ लोकप्रियता के दम पर सुपरस्टार नहीं बनता, बल्कि उसके पीछे लगातार शानदार प्रदर्शन और टीम की सफलता में योगदान होता है। द्रविड़ ने कहा कि भारत जैसे देश में खिलाड़ियों पर काफी दबाव और निगरानी रहती है, इसलिए यहां स्टार खिलाड़ी बनने का मतलब है कि उस खिलाड़ी ने लंबे समय तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम पिछले कई वर्षों से लगातार दुनिया की शीर्ष टीमों में शामिल रही है। उन्होंने बताया कि भले ही 2011 विश्व कप के बाद कुछ समय तक टीम ज्यादा आईसीसी ट्रॉफियां नहीं जीत सकी, लेकिन भारतीय टीम लगातार बड़े टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंचती रही। उनके मुताबिक अब भारतीय क्रिकेट से लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ चुकी हैं और हर मैच में टीम से जीत की अपेक्षा की जाती है। राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत और उपमहाद्वीप के फैंस ने विश्व क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। उनके अनुसार भारतीय दर्शकों का खेल के प्रति जुनून और समर्थन क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। द्रविड़ ने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय टीम की सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत, बेहतर योजना, मजबूत ढांचा और संसाधनों का बड़ा योगदान है। उन्होंने माना कि भारतीय क्रिकेट ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह का विकास किया है, वह काफी सकारात्मक और प्रेरणादायक है।

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन में उप-विजेता रहे, फाइनल में इंडोनेशिया से करना पड़ा हार का सामना

पटुमवान (थाईलैंड) (एजेंसी)। भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन में रनर-अप रहे, उन्हें इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन से 53 मिनट में 21-12, 25-23 से हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती गेम में सात्विक और चिराग को मोमेंटम पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, जिसमें इंडोनेशियाई जोड़ी ने 21-12 से जीत हासिल की।

भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी की, जोरदार वापसी की और गेम को आखिर तक खींचा, जहां लगातार पांच चैंपियनशिप पॉइंट बचाने के बाद, वे आखिरकार 25-23 से हार गए। 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीज़न के अपने पहले फाइनल में हिस्सा ले रहे टॉप सीडेड भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, बिना सीड वाली इंडोनेशियाई जोड़ी से 53 मिनट में हार गए। लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन के

खिलाफ सात्विक और चिराग की यह पांच आमने-सामने की मुलाकातों में पहली हार थी।

सात्विक-चिराग ने आखिरी बार दो साल पहले बीडब्ल्यूएफ टाइटल जीता था। इत्तेफाक से, उनकी आखिरी जीत 2024 थाईलैंड ओपन में हुई थी। भारतीय जोड़ी ने 2019 में भी यह टूर्नामेंट जीता था। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले साल चाइना मास्टर्स और हांगकांग ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे, लेकिन खिताब नहीं जीत पाए थे। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल के शुरुआती गेम में, चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी 4-1 से पीछे हो गए और वापसी नहीं कर पाए।

दूसरा गेम काफी करीबी मुकाबला था। शुरुआत में 5-2 से पीछे रहने के बाद, सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए बराबरी कर ली और चार मैच पॉइंट बचाए। हालांकि, इंडोनेशियाई जोड़ी ने अपने पांचवें मैच पॉइंट का फायदा उठाकर उन्हें हरा दिया। सेमीफाइनल में, सात्विक और चिराग ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरी सीडेड मलेशियाई जोड़ी को 19-21, 22-20, 21-16 से हराया और उससे पहले क्वार्टर फाइनल में जापान के ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी को 21-12, 21-13 से हराया।

लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु की हार के साथ सिंगल्स इवेंट्स में भारत की चुनौती क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गई। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अगले हफ्ते मलेशिया मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में खेलते हुए दिखाई देंगे।

आईपीएल में 'चिट सेलिब्रेशन' का नया ट्रेंड, खिलाड़ियों की अनोखी जश्न शैली ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में इन दिनों खिलाड़ियों के बीच एक नया और अनोखा जश्न मनाने का तरीका तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे फैंस 'चिट सेलिब्रेशन' के नाम से जान रहे हैं। इस ट्रेंड में खिलाड़ी अर्धशतक, शतक या विकेट लेने के बाद अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालते हैं और उसे कैमरों की ओर दिखाते हैं। शुरुआत में दर्शक इस संदेश को नहीं पढ़ पाते, लेकिन बाद में कैमरा क्लोजअप और सोशल मीडिया के जरिए इन चिट्स में लिखे संदेश वायरल हो जाते हैं। इस अनोखे अंदाज ने मैदान पर रोमांच के साथ-साथ नई चर्चा भी पैदा कर दी है। 15 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में भी यह ट्रेंड देखने को मिला। लखनऊ के गेंदबाज आकाश सिंह ने चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट करने के बाद पहली बार इस तरह का इशारा किया। इसके बाद उन्होंने संजू सैमसन और उर्विल पटेल को भी आउट करने के बाद पर्ची निकालकर जश्न मनाया। इससे पहले भी इसी तरह के सेलिब्रेशन में उर्विल पटेल और मुंबई इंडियंस के रघु शर्मा का नाम सामने आ चुका है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच इस नए ट्रेंड को लेकर अलग-अलग राय देखने को मिली। कुछ लोगों का मानना है कि यह खिलाड़ियों की भावनाओं और आत्मविश्वास को व्यक्त करने का एक नया तरीका है, जबकि कुछ इसे सिर्फ मनोरंजन का हिस्सा मान रहे हैं। लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायडू ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने खासतौर पर आकाश सिंह के सेलिब्रेशन की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की चीजों को आईपीएल में जगह नहीं मिलनी चाहिए। आकाश सिंह की पर्ची पर लिखा संदेश भी चर्चा में रहा, जिसमें उनकी गेंदबाजी की तारीफ करते हुए आत्मविश्वास झलक रहा था। अंबाती रायडू ने एक स्पोर्ट्स शो में कहा कि यह तरीका भले ही कुछ लोगों को मजेदार लगे, लेकिन यह खेल की गंभीरता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि इस तरह की पर्चियों पर प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि क्रिकेट एक प्रोफेशनल खेल है और इसमें इस तरह के 'स्टंट' की जरूरत नहीं है। हालांकि, कुछ युवा खिलाड़ी इस ट्रेंड को आधुनिक क्रिकेट का हिस्सा मानते हैं और इसे अपनी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का माध्यम बताते हैं। सोशल मीडिया पर भी इस नए सेलिब्रेशन को लेकर लगातार बहस जारी है, जिससे साफ है कि यह ट्रेंड आने वाले समय में और ज्यादा चर्चा में रहने वाला है।

18 करोड़ में पाथिराना को खरीदकर पछता रही होगी केकेआर

कोलकाता । आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के सबसे महंगे खिलाड़ी श्रीलंकाई पेसर मथीसा पाथिराना टीम के लिए घाटे का सौदा साबित हुए हैं। टीम ने काफी उम्मीदों के साथ इस तेज गेंदबाज को 18 करोड़ रुपये में खरीदा था पर उसे इसका लाभ नहीं मिला। ये तेज गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से से भी बाहर रहा था। लंबे इंतजार के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ गत दिवस हुए मैच में फिट होने के कारण केकेआर ने उसे उतारा पर फायदा कुछ नहीं हुआ। पाथिराना इस मैच में 1.2 ओवर के बाद ही हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण फिर चोटिल हो गये। ये केकेआर के लिए दोहरी झटका रहा क्योंकि टीम लंबे समय से पाथिराना की फिटनेस का इंतजार कर रही थी। जब आखिरकार वह फिट हुए और खेलने के लिए तैयार दिखे, तो अपने पहले ही मैच में उन्हें फिर से चोटिल होकर बाहर बैठना पड़ा। इससे सोशल मीडिया पर पाथिराना और केकेआर दोनों पर ही प्रशंसकों ने सवाल उठाये हैं। प्रशंसकों ने टीम के खराब प्रबंधन और खिलाड़ी की फिटनेस पर सवाल उठाये हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स के रिलीज करने के बाद पाथिराना को इस सत्र के लिए केकेआर ने 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। केकेआर को श्रीलंका के इस युवा तेज गेंदबाज से काफी उम्मीदें थीं, खासकर उसकी धारदार यॉर्कर और डेथ ओवरों की गेंदबाजी को लेकर पर उनके चोटिल होने से सभी पर पानी फिर गया। मैच में मुश्किल क्षणों में टीम ने उन्हें उतारा था पर लाभ नहीं हुआ।

मैच फिक्सिंग के दौर में ऐसे संभाली थी टीम इंडिया, सौरव गांगुली ने सुनाया मुश्किल दिनों का किस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में साल 2000 को सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में गिना जाता है। उस समय क्रिकेट की दुनिया मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोपों से घिरी हुई थी और खेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे। प्रशंसकों का भरोसा टूट चुका था और भारतीय क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में टीम इंडिया की कमान सौरव गांगुली के हाथों में आई। हाल ही में एक पॉडकास्ट में गांगुली ने उस दौर की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने टीम को संभाला और भारतीय क्रिकेट को फिर से नई दिशा देने का प्रयास किया। सौरव गांगुली ने बताया कि जब उन्हें कप्तानी सौंपी गई, तब उनकी उम्र केवल 27 साल थी। देशभर में मैच फिक्सिंग को लेकर हंगामा मचा हुआ था, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह सब किस तरह होता है। उन्होंने खुलासा किया कि उस समय वह अपने सीनियर खिलाड़ियों से अक्सर पूछा करते थे कि क्या वास्तव में किसी खिलाड़ी को फिक्सिंग के लिए संपर्क किया जाता है।

गांगुली ने बताया कि उन्होंने सीधे सचिन तेंदुलकर से पूछा था कि क्या कभी किसी ने उन्हें इस तरह के काम के लिए संपर्क किया है। सचिन का जवाब साफ तौर पर ÷नहीं÷ था। इसके बाद उन्होंने अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ से भी यही सवाल किया और सभी ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया। गांगुली ने कहा कि यह उनके लिए राहत की बात थी कि टीम के मुख्य खिलाड़ी इन विवादों से पूरी तरह दूर थे। उन्होंने यह भी बताया कि कप्तानी संभालना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि टीम में ऐसे दिग्गज खिलाड़ी मौजूद थे जिनकी कप्तानी में वह खुद खेल चुके थे। मोहम्मद अजहरुद्दीन और सचिन तेंदुलकर जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के सामने पहली टीम मीटिंग लेने से पहले वह काफी घबराए हुए थे। उन्होंने अपनी पत्नी डोना से भी इस चिंता का जिक्र किया था कि वह इतने बड़े खिलाड़ियों को कैसे निर्देश देंगे।

गांगुली ने बताया कि कोच्चि में अपने पहले मैच से पहले उन्होंने टीम मीटिंग को केवल 15 मिनट में खत्म कर दिया ताकि माहौल सहज बना रहे। उनकी कप्तानी का असर जल्द ही मैदान पर दिखने लगा। भारत ने पहला मैच जीता और अगले मुकाबले में गांगुली ने खुद शतक जड़ा। यहीं से भारतीय क्रिकेट में ÷दादा युग÷ की शुरुआत मानी जाती है। गांगुली ने अपनी कप्तानी के दौरान कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया, जिनमें युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम शामिल रहे। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने विदेशों में जीत दर्ज करना सीखा और 2003 विश्व कप फाइनल तक का सफर तय किया। क्रिकेट विशेषज्ञ मानते हैं कि गांगुली ने उस दौर में भारतीय क्रिकेट को नई पहचान और आत्मविश्वास दिया।

केकेआर को प्लेऑफ के लिए बड़े अंतर से जीतने होंगे बचे हुए मैच

कोलकाकता । आईपीएल के 19 वें सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। शुरुआती मैचों में लगातार हार के बाद टीम ने बाद के 6 में से पांच मैचों में जीत के साथ वापसी की है। उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। अब उसके 11 अंक है और अगर वह अगले दो मैचों को बड़े अंतर से लगातार जीत हासिल करती तो उसके 15 अंक हो जाएंगे, ऐसे में उसके प्लेऑफ की संभावननाएं बनी रहेंगी पर इसके लिए उसे अन्य मैचों के परिणामों के भी उसके अनुसार आने की उम्मीद करनी होगी। केकेआर का अगला मैच मुंबई इंडियंस के खिलाफ 20 मई को है, इसके बाद उसे दिल्ली कैपिटल्स से 24 मई को खेलना है। अभी केकेआर के अलावा गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की की दौड़ में हैं। दिल्ली की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं।

हीरो मोटोकॉर्प का 1500 करोड़ का मेगा प्लान

कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 तक स्कूटर उत्पादन क्षमता दोगुनी करेगी

नई दिल्ली ।

देश की अग्रणी दोपहिया वाहन विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने अपने स्कूटर कारोबार को आक्रामक रूप से विस्तार देने की घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 तक उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 1,500 करोड़ रुपए के भारी निवेश का ऐलान किया है। इस पहल का लक्ष्य लोकप्रिय स्कूटर मॉडल की क्षमता दोगुनी कर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना है। हीरो मोटोकॉर्प के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी वर्तमान 60,000 मासिक स्कूटर बिक्री को 1 लाख इकाई तक पहुंचाने की योजना बना रही है। डेस्टिनी मॉडल की क्षमता पहले ही 50 फीसदी बढ़ी है, जबकि जूम स्कूटर की क्षमता दोगुना करने की प्रक्रिया जारी है। कंपनी कलपुर्जा कारोबार भी मजबूत कर रही है, जिसके तहत दक्षिण भारत में 700 करोड़ रुपए के निवेश से एक वैश्विक कलपुर्जा केंद्र बनेगा। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेगमेंट में भी बड़ी तैयारी है। कंपनी ने अपनी ईवी उत्पादन क्षमता 15,000 से बढ़ाकर 25,000 इकाई कर दी है, और इस साल के अंत तक इसे दोबारा दोगुना करने का लक्ष्य है। उन्होंने पश्चिम एशिया युद्ध के असर पर कहा कि अप्रैल-मई की शुरुआत तक मांग मजबूत है, पर वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण भविष्य की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। युद्ध से पहले` वित्त वर्ष 26-27 में दोपहिया उद्योग के लिए बेहतर वृद्धि की उम्मीद थी, जो अब सतर्कता की मांग करती है।

यूसीआईएल झारखंड में तांबा अपशिष्ट से निकालेगी यूरेनियम

सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर के खनन अपशिष्ट का होगा प्रसंस्करण

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) झारखंड में एक विशेष रिकवरी संयंत्र स्थापित करेगी। इसका उद्देश्य सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के तांबा खनन अपशिष्ट (टेलिंग्स) से यूरेनियम निकालना है। यह पहल देश की परमाणु ऊर्जा उत्पादन और रक्षा जरूरतों के लिए घरेलू यूरेनियम आपूर्ति बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। एचसीएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने यूसीआईएल के साथ सहमे ति बनाई है, जिसके तहत एचसीएल अपने टेलिंग्स यूसीआईएल को सौंपेगी। ये टेलिंग्स तांबे जैसे खनिजों को अयस्क से अलग करने के बाद बचे हुए बारीक अपशिष्ट होते हैं,` जिनमें यूरे नियम के अंशव मौजूद हैं। यूसीआईएल आधु निक तकनीक से इन अपे शिष्ट का प्रसंस्करण कर यूरे नियम` निकालेगी और उपचारित पदार्थ एचसीएल को लौटाएगी। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार यह परियोजना रणनीतिक और पर्यावरणीय दोनों दृष्टि से फायदेमंद है। भारत अभी परमाणु ऊर्जा के लिए काफी हद तक आयातित यूरेनियम पर निर्भर है। ऐसे में यह कदम घरेलू आपूर्ति बढ़ाएगा, पुराने खनन अपशिष्ट का बेहतर प्रबंधन करेगा और पर्यावरण पर बोझ कम करेगा। भारत का लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना है, जिसमें यह पहल अहम भूमिका निभाएगी।

साल में पहली बार वोडा-आइडिया को 51,970 करोड़ का मुनाफा

सोमवार को शेयर में बड़े उछाल की उम्मीद

मुंबई। संकटग्रस्त टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 51,970 करोड़ रुपए का चौंकाने वाला मुनाफा दर्ज किया है। लगभग छह साल में यह कंपनी का पहला मुनाफा है, जिसके पीछे मुख्य कारण समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) देनदारी में मिली भारी राहत है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 7,167 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था, जिससे यह टर्नअराउंड और भी महत्वपूर्ण हो गया है। मुनाफे की मुख्य वजह दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा दी गई एजीआर (एडजस्ट ग्रॉस रेवेन्यू) देनदारियों में बड़ी राहत है। कंपनी के अनुसार डीओटी ने पहले 31 दिसंबर, 2025 तक बकाया एजीआर को 87,695 करोड़ रुपए बताया था। हालांकि, बाद में एक पुनर्मूल्यांकन समिति ने 2006-07 से 2018-19 की अवधि के लिए इस बकाया को घटाकर 64,046 करोड़ रुपए कर दिया। इस प्रक्रिया के चलते कंपनी की वित्तीय देनदारी से 80,502 करोड़ रुपए हटा दिए गए, जिससे संशोधित देनदारी 24,880 करोड़ रुपए रह गई। इसी राहत के कारण कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में भी 34,552 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया।

कच्चे तेल और रुपए की चाल तय करेगी भारतीय शेयर बाजार की दिशा

विदेशी बिकवाली, कमजोर रुपया और बढ़ती महंगाई से निवेशक चिंतित

मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच गहराते भू-राजनीतिक तनाव, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बेलगाम कीमतों के कारण इस सप्ताह भी भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव बने रहने की आशंका है। बाजार विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि महंगाई की चिंता और रुपये की कमजोरी निवेशकों की बेचैनी बढ़ाएगी, जिससे दलाल पथ पर अनिश्चितता का साया गहराएगा। पिछले सप्ताह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96 के स्तर से नीचे गिर गया, जिसने निवेशकों की चिंता को और बढ़ा दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में रुपये की चाल ही बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बाजार के जानकारों ने बताया कि निवेशकों की नजर अमेरिका-ईरान संघर्ष और उसके वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर पर बनी रहेगी। उनके अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों, महंगाई और वैश्विक जोखिम धारणा में बदलाव भारतीय बाजारों को सीधे प्रभावित करेगा। वहीं, एनरिच मनी के एक अे धिकारी ने होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्व पर जोर दिया, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस क्षेत्र में किसी भी तनाव से शेयर, मुद्रा और जिंस बाजारों पर भारी दबाव पड़ सकता है, जबकि कूटनीतिक हल से बाजार में तेजी आ सकती है। इस बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 109 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच चुकी हैं, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। बाजार` विश्लेषकों के अनुसार भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा, इस सप्ताह चीन, अमेरिका और भारत से आने वाले आर्थिक आंकड़े तथा फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा भी बाजार की दिशा तय करने में अहम होगा। इसके साथ ही, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल), गेल और एनटीपीसी जैसी प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। गौरतलब है।

गौतम एक्सिम में स्टॉक स्प्लिट का ऐलान, निवेशकों के लिए जानें पूरी डिटेल

रिकॉर्ड डेट 22 मई तय, हर शेयर के बदले मिलेंगे दो शेयर; जानें इसका मतलब

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए एक बड़ी खबर है। गौतम एक्सिम लिमिटेड अपने शेयरों का बंटवारा करने जा रही है, जिसे स्टॉक स्प्लिट कहते हैं। कंपनी ने इस बदलाव के लिए 22 मई 2026 की रिकॉर्ड डेट तय की है, जिसका फायदा मौजूदा निवेशकों को मिलेगा और नए निवेशकों के लिए भी शेयर अधिक आकर्षक हो जाएंगे। कंपनी ने 1ः2 के अनुपात में स्टॉक स्प्लिट की घोषणा की है। इससे 10 रुपये फेस वैल्यू वाला शेयर 5 रुपये का हो जाएगा, यानी प्रत्येक शेयरधारक को एक शेयर के बदले दो शेयर मिलेंगे। हालांकि, कुल निवेश मूल्य समान रहेगा। कंपनियां आमतौर पर यह कदम शेयर को छोटे निवेशकों के लिए अधिक सुलभ बनाने और बाजार में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए उठाती हैं। इस कॉर्पोरेट एक्शन के लिए कंपनी ने 22 मई को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इसका मतलब है कि जो निवेशक इस तारीख तक गौतम एक्सिम (जीईएल, कोडः 540613) के शेयर अपने डीमैट खाते में रखेंगे।

अंबुजा सीमेंट ने स्वीकारी विस्तार परियोजनाओं में देरी

वित्त वर्ष 2026-27 में कंपनी का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) मध्यम स्तर पर रहेगा

नई दिल्ली।

देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट ने अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हुई देरी को स्वीकार किया है। कंपनी ने संकेत दिया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसका पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) मध्यम स्तर पर रहेगा। निदेशक करण अदाणी ने निवेशकों के साथ एक बातचीत में इन देरी के पीछे ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं, एक मजबूत निष्पादन टीम की कमी और अधूरी इंजीनियरिंग योजनाओं को प्रमुख कारण बताया है। कंपनी अब नई परियोजनाएं शुरू करने से पहले रुककर सुधार की रणनीति अपना रही है। अंबुजा सीमेंट ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए 6,000-6,500 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष के लगभग 7,500 करोड़ रुपये से कम है। करण अदाणी ने स्पष्ट किया कि सीमेंट कारोबार में परियोजनाओं के क्रियान्वयन का स्तर समूह की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया। उन्होंने कहा कि सही ठेकेदारों के चयन में विफलताओं, एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण के बाद एक तैयार निष्पादन टीम का अभाव, और इंजीनियरिंग योजनाएं पूरी होने से पहले ही परियोजनाओं को शुरू करना इन देरी के मुख्य कारण रहे। अदाणी ने जोर दिया कि कंपनी अब पहले मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भविष्य में नई परियोजनाओं पर काम शुरू करने से पहले छह महीने तक इंजीनियरिंग तैयारियों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नई रणनीति के साथ, कंपनी तय समयसीमा के भीतर परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएगी।

खाद्य तेल बाजार में उतार-चढ़ाव मूंगफली सस्ती, सरसों-सोयाबीन में तेजी

आयात शुल्क वृद्धि, रुपये की कमजोरी और कमजोर आवक से सरसों-सोयाबीन हुए महंगे

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन बाजार में मिलाजुला रुख देखने को मिला। गुजरात में गर्मी की मूंगफली फसल की संभावना से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में ` गिरावट देखी गई, वहीं कमजोर आवक और बढ़ती मांग के चलते सरसों, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में तेजी दिखाई दी। सरकार द्वारा सीपीओ और सोयाबीन डीगम पर आयात शुल्क मूल्य क्रमशः 4.5 रुपये और 1.5 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने के साथ-साथ डॉलर के मुकाबले रुपये के सर्वकालिक निचले स्तर के आसपास रहने से आयातित तेलों के दाम बढ़े। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के सोयाबीन प्लांटों द्वारा खरीद मूल्य बढ़ाने से भी सोयाबीन तेल-तिलहन में सुधार आया। बाजार के जानकारों के अनुसार, सरसों का तेल सस्ता होने के कारण इसकी मांग बढ़ी है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक दाम मिलने से वे अपनी फसलें नाप-तौल कर बेच रहे हैं, जिससे आपूर्ति सीमित रहने और मांग बढ़ने से सरसों, सोयाबीन और बिनौला तेल के दाम ऊंचे रहे। कपास नरम का भाव भी एमएसपी से 10-11 प्रतिशत अधिक, 9,000 रुपये क्विंटल से ऊपर बना हुआ है। सूत्रों के मुतो बिक बीते सप्ताह सरसों दाना 175 रुपये के सुधार के साथ 7,175-7,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 500 रुपये के सुधार के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 60-60 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः

2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 350-350 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,300-7,350 रुपये और 6,950-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये सुधार के साथ 15,825 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,725 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 25 रुपये सुधार के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताहांत मूंगफली तिलहन का दाम 125 रुपये टूटकर 6,225-7,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये टूटकर 15,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये टूटकर 2,470-2,770 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री घटी, मांग में नरमी का असर

2026 की पहली तिमाही में 96 हजार इकाइयां बिकीं, सस्ती आपूर्ति का अभाव भी कारण

नई दिल्ली ।

भारत के आठ प्रमुख शहरों में 2026 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान मकानों की बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत घटकर लगभग 96 हजार इकाई रह गई है। मांग में नरमी और सस्ते घरों की नई आपूर्ति कम रहने से बिक्री प्रभावित हुई है। यह जानकारी एक रियल एस्टेट परामर्श कंपनी ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई महानगर क्षेत्र और पुणे जैसे आठ शहरों में कुल 95,973 आवासीय संपत्तियां बिकीं, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 98,095 इकाई था।

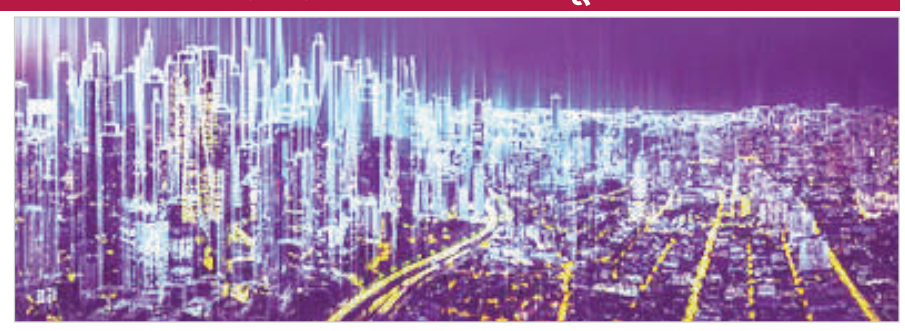

इस दौरान मकानों की नई आपूर्ति भी 93,065 इकाई पर लगभग स्थिर रही।` रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय आवास बाजार अब वास्तविक मांग, नियंत्रित भंडार और खरीदारों के भरोसे पर आधारित एक संतुलित दौर में है। शहरों के प्रदर्शन की बात करें तो बेंगलुरु ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जहां बिक्री 33 प्रतिशत बढ़कर 15,603 इकाई हो गई। चेन्नई में भी बिक्री बढ़कर 6,841 इकाई और हैदराबाद में 25 प्रतिशत बढ़कर 13,297 इकाई रही। दिल्ली-एनसीआर में आवासीय संपत्तियों की बिक्री में 11 प्रतिशत का उछाल देखा गया। हालांकि, मुंबई महानगर क्षेत्र में बिक्री 15 प्रतिशत घटकर 26,116 इकाई, पुणे में 21 प्रतिशत घटकर 13,565 इकाई और कोलकाता में 24 प्रतिशत घटकर 2,883 इकाई रह गई।

टेक्नो डिजिटल ने मुंबई में उतारा दूसरा एज डेटा सेंटर

लो-लेटेंसी व एआई-तैयार सेवाओं पर फोकस; रेलटेल से 20 वर्षीय राजस्व-साझेदारी

नई दिल्ली ।

टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी (टीईईसीएल) की डिजिटल अवसंरचना इकाई टेक्नो डिजिटल ने मुंबई के महालक्ष्मी में अपना दूसरा एज डेटा केंद्र (ईडीसी) शुरू किया है। 25 करोड़ रुपये के निवेश से बना यह केंद्र लो-लेटेंसी और एआई-तैयार डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ 20 वर्ष की राजस्व-साझेदारी में विकसित 800 किलोवाट क्षमता वाला यह ईडीसी वित्तीय, मीडिया और अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक गतिविधियों को तेज व सुरक्षित डिजिटल सेवाएं देगा। इससे पहले कंपनी का एक एज डेटा सेंटर गुरुग्राम में पहले से संचालित है। टेक्नो डिजिटल के एक अे धिकारी ने बताया कि यह निवेश कंपनी की 1 अरब डॉलर की व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसमें देशभर में हाइपरस्केल व एज डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार शामिल है। वित्त वर्ष 2026-27 तक इस योजना का आधा से अधिक निवेश चेन्नई, नोएडा और कोलकाता के हाइपरस्केल परिसरों सहित विभिन्न परियोजनाओं में लगाया जाएगा। चालू वित्त वर्ष में कंपनी इंदौर, विशाखापत्तनम, चंडीगढ़, प्रयागराज और लखनऊ में भी विस्तार की योजना बना रही है।

भारत में बनेगा पहला एआई-केंद्रित डेटा सेंटर

कंपनी ने एआई सेवाओं से 2.3 अरब डॉलर कमाए, वितीय नतीजों में भी दिखी तेजी

मुंबई ।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने घोषणा की है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब दुनिया भर की कंपनियों के कामकाज का मुख्य आधार और बुनियादी ढांचा बन चुका है। अपनी 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में उन्होंने बताया कि॑ढ्ढ अब केवल एक तकनीकी परत नहीं रह गया है, बल्कि यह निवेश से लेकर आपूर्ति श्रृंखला, जोखिम प्रबंधन और ग्राहक सेवा तक, हर पहलू को पूरी तरह से बदल देगा। टीसीएस ने अपने ह्यूमन प्लस आई ऑपरेटिंग मॉडल के जरिए एआई सेवाओं से सालाना 2.3 अरब डॉलर की कमाई की है। कंपनी अब भारत में पहला उच्च-घनत्व वाला एआई-केंद्रित डेटा सेंटर बनाने की तैयारी में है, जबकि उसके वित्तीय नतीजे भी शानदार रहे हैं। चंद्रशेखरन के अनुसार, कंपनियां अब एआई का केवल प्रयोग नहीं कर रही हैं, बल्कि इसे सीधे अपने मुख्य और सबसे जरूरी कामकाज में शामिल कर रही हैं। एआई के अलावा, क्लाउड, डेटा और साइबर सुरक्षा जैसी नई तकनीक वाली सेवाओं से टीसीएस ने 11.5 अरब डॉलर का राजस्व हासिल किया है। भविष्य की रणनीति के तहत टीसीएस एक सुरक्षित और विश्वसनीय एआई ढांचा तैयार करने पर जोर दे रही है। कंपनी एक ऐसा एआई ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित करना चाहती है, जिसे विभिन्न उद्योगों की जरूरतों के अनुसार इस्तेमाल किया जा सके। इसके साथ ही टीसीएस भारत का पहला एआई-फोकस्ड डेटा सेंटर स्थापित करेगी, जिसकी रैक डेंसिटी 160 किलोवाट से अधिक होगी। वित्तीय मोर्चे पर, मार्च तिमाही में टीसीएस का शुद्ध लाभ 12.22 फीसदी बढ़कर 13,718 करोड़ रुपये रहा। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, कंपनी का टैक्स के बाद मुनाफा 1.35 फीसदी की बढ़त के साथ 49,210 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कर्मचारियों की संख्या में आ रही गिरावट भी थम गई है; मार्च तिमाही में 2,356 नए कर्मचारी जोड़े गए, जिससे कुल संख्या 5,84,519 हो गई।

स्टारबक्स करेगी 300 कॉर्पोरेट नौकरियों में कटौती, कई कार्यालय होंगे बंद

लाभप्रदता बढ़ाने और संचालन सुव्यवस्थित करने की रणनीति; स्टोर कर्मचारी अप्रभावित

मुंबई ।

कॉफी दिग्गज स्टारबक्स ने अमेरिका में 300 कॉर्पोरेट कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। यह कंपनी द्वारा अटलांटा, बरबैंक और शिकागो सहित कई शहरों में अपने लोकल सपोर्ट ऑफिस बंद करने के साथ-साथ कारोबार को मुनाफे की राह पर लाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये छंटनी सिर्फ कॉर्पोरेट भूमिकाओं तक सीमित हैं और इसका असर उसके कॉफीहाउस या स्टोर कर्मचारियों पर नहीं पड़ेगा। यह कदम स्टारबक्स की बैक टू स्टारबक्स रणनीति के तहत उठाया गया है, जिसका उद्देश्य विभिन्न विभागों की समीक्षा कर कामकाज को सरल बनाना, लागत कम करना और परिचालन क्षमता बढ़ाना है।

कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के नेतृत्व में यह छंटनी का तीसरा दौर है।

इससे पहले कंपनी फरवरी 2025 में 1,100 नौकरियों में कटौती कर चुकी है, जिसके बाद 900 नॉन-रिटेल पद और खत्म

किए गए थे। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों की बदलती खर्च प्राथमिकताओं के कारण बिक्री में गिरावट का सामना कर रही स्टारबक्स इस पुनर्गठन पर करीब 400 मिलियन डॉलर खर्च करेगी। कंपनी अपने कैफे संचालन में सुधार, नए मेन्यू आइटम और स्टोर्स में अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति जैसे कदमों के जरिए कारोबार को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों ने गंवाए 3.12 लाख करोड़

पश्चिमी एशिया में तनाव, सेंसेक्स-निफ्टी भी धड़ाम, रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और रुपये की कमजोरी जैसे वैश्विक और घरेलू कारकों के मेल ने भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली का माहौल पैदा किया। इसके चलते देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3.12 लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ, जबकि भारती एयरटेल एकमात्र ऐसी कंपनी रही जिसने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न दिया। बाजार को लगे जोरदार झटके समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान, वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों में घबराहट देखने को मिली। इस बिकवाली के कारण, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 2,090.2 अंक यानी 2.7 प्रतिशत टूट गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 532.65 अंक यानी 2.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जिससे निवेशकों की चिंताएं बढ़ गईं। शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 1,34,445.77 करोड़ रुपये घटकर 18,08,420.81 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 52,245.3 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को 47,415.04 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने भी अपने बाजार मूल्यांकन में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की। भारती एयरटेल की जोरदार उड़ान इस नकारात्मक माहौल के बीच, दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल ने एक अपवाद के रूप में दमदार प्रदर्शन किया। कंपनी का बाजार पूंजीकरण समीक्षाधीन सप्ताह में 42,470.13 करोड़ रुपये बढ़कर 11,60,525.16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत रहा और बाजार में उसके मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

एनपीएस पेंशनर्स को राहत अब गंभीर बीमारी में सरेंडर कर सकेंगे एन्युटी पॉलिसी

मेडिकल इमरजेंसी में फंसे लाखों लोगों को मिलेगी बड़ी आर्थिक मदद

मुंबई ।

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) से जुड़े लाखों पेंशनर्स और नौकरीपेशा लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) ने एन्युटी पॉलिसी सरेंडर करने के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब गंभीर बीमारी जैसी विशेष परिस्थितियों में एन्युटी पॉलिसी को बीच में बंद कर पैसा निकाला जा सकेगा, जिससे मेडिकल इमरजेंसी में आर्थिक संकट का सामना कर रहे लोगों को बड़ी मदद मिलेगी। पीएफआरडीए को मेडिकल इमरजेंसी में पूंजी तक पहुंच न होने संबंधी लगातार आवेदन मिल रहे थे, जिसके बाद यह फैसला लिया गया है। अब तक, नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत रिटायरमेंट पर कुल फंड का कम से कम 40 फीसदी हिस्सा एन्युटी खरीदने में लगाना अनिवार्य होता था, जिसे एक बार खरीदने के बाद बीच में बंद करना लगभग असंभव था। नए नियमों से उन रिटायर्ड कर्मचारियों को खास राहत मिलेगी जो अचानक आई स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। नए सर्कुलर के तहत, स्वयं या परिवार के सदस्य की गंभीर बीमारी की स्थिति में बीमा कंपनियां विशेष परिस्थितियों में एन्युटी सरेंडर की अनुमति दे सकती हैं। हालांकि, यह प्रक्रिया स्वचालित नहीं होगी और बीमा कंपनियों द्वारा दस्तावेजों की जांच के बाद ही अंतिम मंजूरी मिलेगी। पीएफआरडीए ने पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए कहा है कि बीमा कंपनी को सरेंडर के बाद मिलने वाली राशि, सभी टैक्स और कटौतियों की विस्तृत जानकारी पेंशनर्स को लिखित में देनी होगी, और यह पूरी प्रक्रिया पेंशनर्स की लिखित सहमति से ही होगी। विशेषज्ञ हालांकि सलाह देते हैं कि तात्कालिक राहत के लिए एन्युटी सरेंडर करने से पहले इसके दीर्घकालिक वित्तीय असर पर विचार करना चाहिए, क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य बुढ़ापे में नियमित आय सुनिश्चित करना है।

सड़क हादसे में बड़े भाई की मौत, भाई-बहन सहित तीन घायल

बिभा संवाददाता

खूंटी। खूंटी चाईबासा मुख्य सड़क पर मुरहू थाना क्षेत्र के बिंदा और सांडीगांव के बीच रविवार को थार वाहन पुल की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 20 फीट नीचे गड्ढे में जा गिरा। हादसे में रांची के डोरंडा स्थित गौरीशंकर नगर निवासी उज्जवल साहू की मौत हो गई, जबकि उनकी बहन काजल गुप्ता, भाई सागर कुमार गुप्ता और बहनोई दीपू गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में दीपू गुप्ता की हालत चिंताजनक

बनी हुई है, जबकि काजल और सागर खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

सभी घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकालकर खूंटी सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया।

घायल सागर कुमार गुप्ता ने बताया कि वे लोग रविवार को परिवार के साथ हिरनी फॉल घूमने गए थे। लौटने के दौरान उज्जवल साहू थार वाहन चला रहे थे। बिंदा गांव के पास पुलिया के समीप अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना इतनी भीषण थी कि पुलिया की रेलिंग पूरी तरह टूट गई और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद दो लोग काफी देर तक वाहन के अंदर फंसे रहे। सूचना मिलने पर स्थानीय ग्रामीण और मुरहू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला।

प्रधान जिला जज ने बाल देखरेख संस्थान एवं वृद्धाश्रम का किया निरीक्षण

बिभा सं वाददाता

खूँटी। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खूँटी के द्वारा सहयोग विलेज, आशा किरण और पिपरा टोली स्थित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया गया।

जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूँटी के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष रसिकेश कुमार ने संस्थानों की आवासीय व्यवस्था, स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सीय सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, अभिलेख संधारण एवं शिकायत निवारण तंत्र का जायजा लिया। मौके पर, बच्चों और वृद्धजनों से व्यक्तिगत बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं देखरेख की स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों ने संस्थान प्रबंधन को बाल एवं वरिष्ठजन हितैषी वातावरण बनाए रखने तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा हेतु ऐसे निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे। इस दौरान जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अल्ताफ खान एवं डीएलएसए सचिव कमलेश बेहरा भी शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

खेल, कला और रचनात्मकता का संगम बना सोनी ब्रदर्स विद्यालय में ग्रीष्म शिविर का आयोजन

खूँटी (बिभा)। गुटजोरा पंचायत अंतर्गत चलागी गाँव स्थित सोनी ब्रदर्स अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में 15 एवं 16 मई को दो दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों ने विभिन्न रचनात्मक एवं खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में फुटबॉल प्रतियोगिता, कबड्डी प्रतियोगिता, मानसिक खेल प्रतियोगिता, ड्रामा, नृत्य, परिधान प्रतियोगिता, 'माँ और मैं' मूर्तिकला व रंगाई प्रतियोगिता के अलावे अभिभावकों के लिए भी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के निदेशक सुमन कुमार सोनी ने विद्यालय के संस्थापक स्व. कृष्ण सोनी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के प्रशासनिक निदेशक शुभम सोनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएँ आशिमा बारवा, मुक्ति तिर्की, अनिता बरला, ज्योति कुमारी, अल्पना कांडिर, सोमा मुंडा तथा सुदामा, सौरभ, सोमा सहित आदि उपस्थित थे। अंत में निदेशक सुमन कुमार सोनी ने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विगत दो वर्षों से टूटा बिजली खम्भा अबतक बनने से पनप रहा खतरा

खूँटी(बिभा)। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत दतिया गाँव में विगत दो वर्षों से टूटा बिजली खम्भा खतरा बना हुआ है। दतिया से बेलाहाथी जानेवाला सड़क पर बिजली का खम्भा टूट गया है। जिसके कारण तार भी झूल गया है। मुहल्ले वासियों के अनुसार, 2024 ई में ये बिजली खम्भा टूट गया था। जिसे बनाने के लिए विभाग को जानकारी दी जा चुकी है। साथ ही, बनाने के लिए कहा जा चुका है। लेकिन आज तक नया खम्भा नहीं लगाया गया है। जिसके कारण तार झूल गया है। अगर नंगा तार होता तो काफी खतरा हो जाता। लेकिन तार के झूलने से कभी न कभी घातक हो सकता है। जिसे ठीक करना आवश्यक है। अगर टूटा हुआ खम्भा को बदल कर नया खम्भा नहीं लगाया जाता है तो दोनों ओर का खम्भा भी कमजोर हो जाएगा। इसलिए विभाग से ग्रामीणों ने आग्रह किया है कि जल्द से जल्द खम्भा लगा दिया जाय ताकि खतरा भी न रहे और अन्य खम्भा भी कमजोर होने से बच जाए।

भाजपा नेता जगन्नाथ मुण्डा का वाट्सएप हैक, 1930 पर दिया जानकारी

खूँटी(बिभा)। साईबर क्रीमिनल खूँटी में लोगों पर निगाह लगाए हुए हैं। किसी के बैंक खाते से पैसे उड़ा ले जा रहे हैं। तो वहीं मोबाईल हैक कर रहे हैं। भाजपा नेता जगन्नाथ मुण्डा ने बताया कि उसके मोबाइल भी किसी ने हैक कर लिया है और वाट्सएप के द्वारा लिंक भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं ग्रुप में लिंक नहीं भेज रहा हूँ। लेकिन मेरे नाम से विभिन्न ग्रुप में एक लिंक भेजा जा रहा है। उन्होंने फोन पर बताया कि मोबाइल से वाट्सेप फाईल को अनस्टॉल कर दिया हूँ ताकि मेरे द्वारा वाट्सएप न चले। वहीं 1930 हेल्पलाइन नंबर में फोन करके बतला दिया गया है। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा कोई मैसेज नहीं भेजा गया है। उन्होंने अपील किया है कि ऐसे लिंक से बचें।

सदर अस्पताल में मरीजों के बीच फल व जूस का वितरण

खूँटी(बिभा)। झारखंड वॉलीबॉल एसोसिएशन के निर्देश पर खूँटी जिला वॉलीबॉल संघ के द्वारा सदर अस्पताल खूँटी में मरीजों के बीच फल, जूस एवं केला का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मानवता और सेवा भाव के माध्यम से गरीबों, मरीजों तथा समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना था। कार्यक्रम में जिला वॉलीबॉल संघ के जिलाध्यक्ष दिलीप मिश्रा, उपाध्यक्ष विकास मिश्रा, सचिव पीटर मुंडो, बिक्की गुप्ता, मनोज राय गौतम, अनीमा, तनु, कुश, ओम एवं अमित सहित कई सदस्यों का सहयोग रहा। यह जानकारी दिलीप मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया।

परस्पर सामंजस्य और जमीनी वास्तविकताओं के आधार पर भाषा समस्या का समाधान संभव : बंधु

बिभा संवाददाता

रांची। पूर्व मंत्री एवं झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा है कि परस्पर सामंजस्य और जमीनी वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए ही राज्य में जारी भाषा विवाद का समाधान किया जा सकता है। तिर्की ने कहा कि आपसी मतभिन्नता अपनी जगह पर पूरी तरीके से सही है लेकिन कटुता के आधार पर भाषा संबंधित मामले का समाधान नहीं हो सकता।

रविवार को राजधानी रांची में अपने आवास पर प्रेस वार्ता में तिर्की ने कहा कि उनके मंत्रित्व काल में 1 अप्रैल 2011 को जारी अंधिसूचना संख्या 1632 में जनजातीय एवं

क्षेत्रीय भाषा संबंधी मामले का जिस प्रकार से समाधान सुझाया गया था उससे बेहतर समाधान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि उस अधिसूचना को तैयार करने से पूर्व विशेषज्ञ समिति में राज्य के विख्यात जनजातीय भाषाविद एवं झारखण्ड के समाज को समझने वाले अनेक लोग थे।

तिर्की ने कहा कि राज्य में अनेक सीमावर्ती जिले वैसे हैं जहाँ भोजपुरी, अंगिका जैसी भाषायें बोली जाती है और सरकार द्वारा 2011 में जारी उस वर्णित अधिसूचना में उन सभी बातों का पूरा ध्यान रखा गया था। लेकिन कुछ लोगों ने जैसे सरकार के ऊपर दोषारोपण करने को ही अपनी जिम्मेदारी समझ लिया है। तिर्की ने कहा कि जिस भोजपुरी एवं अंगिका को बिहार में भी आधिकारिक रूप से वैसी मान्यता नहीं दी गयी है उसे झारखण्ड में मान्यता दिलाने के नाम पर कुछ लोग अनावश्यक विवाद पैदा कर रहे हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

तिर्की ने कहा कि बिहार के रोहतास, पूर्णिया, पश्चिमी चंपारण आदि में भी उरांव जनजाति की बड़ी आबादी रहती है जिसकी कुड़ुख भाषा है और जिनकी अपनी संस्कृति है। इसके अतिरिक्त बिहार में संथाल जनजातीय समुदाय के लोग बड़ी संख्या में पूर्णिया, कटिहार, मुंगेर आदि जिलों में रहते हैं। जबकि बिहार में संथाली और कुड़ुख भाषा को मान्यता नहीं दी गयी है। जो लोग अनावश्यक विवाद पैदा करते हैं उन्हें पहले बिहार में कुड़ुख और संथाली भाषा को मान्यता दिलवानी चाहिये। साथ ही बिना बात के अनावश्यक रूप से राई का पहाड़ नहीं बनाना चाहिये।

महाविद्यालय निर्माण की मांग को लेकर मशाल जुलूस, आज रहेगा तमाड़ बंद

बिभा संवाददाता

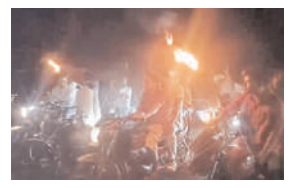

तमाड़। तमाड़ थाना से सटे कृषि विभाग की भूमि पर पीजी कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय ग्रामीणों, छात्रों और युवाओं द्वारा आंदोलन तेज कर दिया गया है. इसी कड़ी में रविवार शाम ग्रामीणों ने मशाल जुलूस निकालकर पूरे तमाड़ क्षेत्र का भ्रमण किया और 18 मई सोमवार को स्वतः तमाड़ बंद का आह्वान किया. जानकारी के अनुसार, मशाल जुलूस राधा रानी मंदिर परिसर से शुरू होकर मुख्य चौक-चौराहा, बस स्टैंड, निचेटोली, रायडीह और डोड़िया मोड़ तक पहुंचा. इस दौरान लोगों ने पीजी कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर नारेबाजी की तथा क्षेत्रवासियों, व्यापारियों, छात्रों और युवाओं से बंद को सफल बनाने की अपील की।

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से तमाड़ में पीजी कॉलेज निर्माण की मांग उठाई जा रही है. लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है. उनका कहना है कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं. बल्कि क्षेत्र के छात्रों और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए किया जा रहा है. आंदोलनकारियों ने स्पष्ट कहा कि जब तक कॉलेज निर्माण की दिशा में पहल नहीं होगी, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

गायत्री परिवार के रक्तदान शिविर में 14 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

खूँटी। अखिल विश्व गायत्री परिवार खूँटी शाखा द्वारा रविवार को थाना के सामने मुख्य पथ स्थित गायत्री मंदिर परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 14 लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा और समाज कल्याण का संदेश दिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में रक्त संग्रहण केंद्र में रक्त की कमी गंभीर समस्या बनी हुई है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में कठिनाई होती है। सदर अस्पताल खूँटी के उपाधीक्षक डॉ. आनंद किशोर उरांव ने कहा कि गायत्री परिवार ने रक्तदान शिविर आयोजित कर ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्व की भावना को समाज के सामने प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद को नया जीवन मिलता है और इससे समाज में मानवता एवं एकात्म मानववाद की भावना मजबूत होती है। रक्त संग्रहण कार्य चिकित्सकीय टीम की देखरेख में सुरक्षित रूप से संपन्न कराया गया। रक्तदान के बाद सभी रक्तदाताओं को ओआरएस, जूस एवं नाश्ता दिया गया। कार्यक्रम के अंत में पुरोहित चंदन मोदी ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकीय टीम एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एसडीएम और एसडीपीओ ने बारूहातू में चलाया एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

बिभा संवाददाता

बुंडू। थाना क्षेत्र अंतर्गत सुदूरवर्ती बारूहातू इलाके में शुक्रवार को प्रशासन और पुलिस की ओर से संयुक्त रूप से एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व एसडीएम किस्टो कुमार बेसरा और एसडीपीओ ओमप्रकाश ने किया। इस दौरान आने-जाने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों की सघन जांच की गई।

पुलिस द्वारा वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के कागजात, हेलमेट समेत अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की गई। वहीं अभियान के दौरान यह भी देखा गया कि कोई व्यक्ति अवैध हथियार, नशीला पदार्थ या अन्य गैरकानूनी सामान लेकर तो नहीं जा रहा है। जांच के दौरान बिना हेलमेट चलने वाले कई वाहन चालकों को रोककर सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई और हिदायत देकर छोड़ दिया गया।

एसडीएम किस्टो कुमार बेसरा ने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत करने, अपराध नियंत्रण और सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। वहीं एसडीपीओ ओमप्रकाश ने लोगों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने और वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने की अपील की। अभियान में पुलिस बल के जवान भी मौजूद रहे।

कृत्रिम तरीके से पकाया फल हो सकता है घातक, जिले में की जा रही है छापेमारी

बिभा संवाददाता

खूँटी। गर्मी के दिनों में बाजार में रंग-बिरंगे और आकर्षक फल लोगों को खूब लुभाते हैं। खासकर आम, केला और पपीता जैसे फल स्वाद के साथ शरीर को ठंडक और ऊर्जा देने का काम करते हैं। लेकिन अब सवाल यह है कि जो फल बाजार में बिक रहे हैं, क्या वे प्राकृतिक रूप से पके हुए हैं या फिर कृत्रिम तरीके से रसायनों के सहारे पकाए गए हैं। खूँटी जिले में भी खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है और कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। विशेषज्ञों की मानें तो कैमिकल से पकाए गए फल स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

आजकल अधिक मुनाफा कमाने और कम समय में फल बाजार तक पहुंचाने के लिए कई व्यापारी गोदामों में रसायनों का इस्तेमाल कर फलों को कृत्रिम तरीके से पकाते हैं। आम और केले को जल्दी पीला और आकर्षक दिखाने के लिए कार्बाइड जैसे हानिकारक पदार्थों का उपयोग किया जाता है। बाहर से चमकदार दिखने वाले ये फल अंदर से पूरी तरह पके नहीं होते, लेकिन देखने में ताजे लगते हैं। जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चन्द्र गुग्गी ने कहा कि ऐसे फल खाने से पेट दर्द, उल्टी, दस्त, सिरदर्द और एलर्जी जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। लम्बे समय तक सेवन करने से शरीर पर गंभीर प्रभाव भी पड़ सकता है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह ज्यादा नुकसानदायक माना जाता है। जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चन्द्र गुग्गी ने बताया कि ह्लजिले में लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। फल गोदामों और बाजारों में छापेमारी की जा रही है। यदि किसी व्यापारी द्वारा प्रतिबंधित कैमिकल से फल पकाने की पुष्टि होती है तो उसके खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। लोगों को भी सलाह दी जा रही है कि वे अच्छी तरह जाँच कर ही फल खरीदें और खाने से पहले साफ पानी से धोएं।ह्व खाद्य सुरक्षा विभाग लोगों को जागरूक भी कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्राकृतिक रूप से पके फल जल्दी खराब हो सकते हैं लेकिन उनका स्वाद और सुगंध अलग होती है। वहीं कृत्रिम रूप से पकाए गए फल अधिक चमकदार और एक जैसे रंग के दिखाई देते हैं। ऐसे में जरूरत है सतर्क रहने की। स्वाद और आकर्षण के चक्कर में कहीं बीमारी घर न ले आएं। बाजार से फल खरीदते समय सावधानी बरतें और प्राकृतिक रूप से पके फलों को ही प्राथमिकता दें।

बारिश से खूँटी शहर के सड़कों में कई जगह जलजमाव और कूड़ा से बढ़ रही गंदगी

बिभा संवाददाता

खूँटी। इन दिनों लगातार हो रही बारिश के कारण गर्मी के दिनों में भी खूँटी शहर के विभिन्न मुहल्लों में जलजमाव और कीचड़युक्त सड़क की समस्या उत्पन्न हो गई है। जिसमें गिरजा टोली सहित कई जगह पानी जमा होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जलजमाव के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ने लगा है, जिससे लोगों में बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि नियमित कूड़ा उठाव नहीं होने से कई जगहों पर गंदगी जमा हो रही है। बारिश के कारण उससे दुर्गंध भी उठने लगी है। डीएवी रोड स्थित डीएवी स्कूल के पास भी काफी मात्रा में कूड़ा जमा है, जिसका उठाव नहीं हो पाया है।

मुहल्लेवासियों का कहना है कि यदि समय रहते जलनिकासी और सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो बरसात के मौसम में समस्या और गंभीर हो सकती है। लोगों ने नगर प्रशासन से जलजमाव वाले स्थानों को शीघ्र दुरुस्त कराने और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

दो फरार वारंटियों को जेल भेजा गया

मुरी(बिभा): वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रांची के निदेशानुसार अपराध पर नकेल कसने हेतु ऑपरेशन प्रहार के तहत फरार वारंटियों के खिलाफ मुरी ओपी प्रभारी ने देर रात व्यापक छापामारी कर दो वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया,जिसमें बांसारूली जामटोला निवासी शिबू मांझी, पिता गोवर्धन मांझी एवं ब्राह्मणडीह निवासी आरती देवी पति दीनबंधु कोईरी शामिल हैं। मुरी ओपी प्रभारी राहुल कुमार मेहता ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र को अपराध मुक्त एवं भयमुक्त बनाना है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली**।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com